{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 24 दिसंबर 2025
पौस शुक्ल 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 92
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	85,524.84
निफ्टी	-	26,177.15
सोना	-	1,38,550
चांदी	-	2,23,000
डॉलर	-	89.48

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

ओडिशा में 22 नक्सलियों ने सरेंडर किया

भुवनेश्वर। ओडिशा के मलकानगिरी जिले में मंगलवार को 22 नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया। इनमें एक संभागीय समिति सदस्य, छह एसीएम और 15 पार्टी सदस्य शामिल हैं। हर एक पर 5.5 लाख से लेकर 27.5 लाख तक का इनाम था। ओडिशा डीजीपी योगेश बहादुर खुराना ने बताया कि सभी नक्सलियों ने हथियारों के साथ सरेंडर किया है। मुझे उम्मीद है कि अन्य नक्सली भी सरेंडर करेंगे और मुख्यधारा में शामिल होंगे। गौरतलब है कि 31 मार्च तक देश को नक्सल मुक्त करने का अभियान चल रहा है। इस कारण नक्सल प्रभावित राज्यों में नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चल रहा है।

असिस्टेंट कमिश्नर और इंस्पेक्टर को जेल

जबलपुर। सेंट्रल जीएसटी में पदस्थ रहे असिस्टेंट कमिश्नर और इंस्पेक्टर को चार लाख रुपए की रिश्वत लेने के मामले में जेल भेज दिया गया है। सीबीआई ने पूछताछ के लिए चार दिन की रिमांड ली थी। इधर शिकायतकर्ता होटल कारोबारी ने रिश्वतकांड को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं। होटल व्यापारी विवेक त्रिपाठी की शिकायत पर 17 दिसंबर की शाम सीबीआई ने असिस्टेंट कमिश्नर विवेक वर्मा और इंस्पेक्टर सचिन कांत खरे को गिरफ्तार किया था, जबकि ऑफिस अधीक्षक मुकेश बर्मन अभी भी फरार हैं।

राहुल गांधी के विरुद्ध दायर मानहानि केस में गवाह से जिरह हुई

सुल्तानपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विरुद्ध दायर मानहानि केस में गवाह रामचंद्र दुबे से जिरह हुई। एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने गवाह से शेष जिरह के लिए 6 जनवरी 2026 की तिथि तय की है।

राहुल गांधी पर वर्ष 2018 में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर बेंगलूरू में आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए हत्यारा कहने का आरोप है। जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के विरुद्ध मानहानि का परिवाद दायर कराया है। उनके अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने गवाह दुबे को शेष जिरह के लिए छह जनवरी को बुलाया है। जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष भाजपा नेता मिश्र का आरोप है कि 15 जुलाई 2018 को पार्टी कार्यकर्ता अनिरुद्ध शुक्ल व दिनेश कुमार ने मोबाइल पर एक वीडियो क्लिप दिखाया था, जिसमें राहुल गांधी अमित शाह पर अपमानजनक टिप्पणी कर रहे थे।

कुछ ना कहना

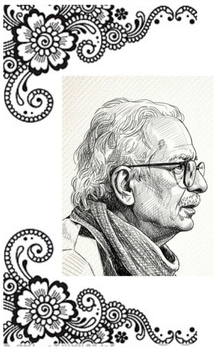

अलविदा! विनोद कुमार शुक्ल

उनके शब्द रहेंगे, हमारे समय से सवाल करते हुए

'जाते-जाते ही मिलेंगे लोग उधर के
जाते-जाते जाया जा सकेगा उस पार
जाकर ही वहाँ पहुँचा जा सकेगा
जो बहुत दूर संभव है
पहुँचकर संभव होगा
जाते-जाते छूटता रहेगा पीछे
जाते-जाते बचा रहेगा आगे
जाते-जाते कुछ भी नहीं बचेगा जब
तब सब कुछ पीछे बचा रहेगा
और कुछ भी नहीं में
सब कुछ होना बचा रहेगा।'

आज विख्यात कवि विनोद कुमार शुक्ल (1937-2025) नहीं रहे। वे हिंदी साहित्य के प्रमुख कवि, कथाकार और उपन्यासकार थे। उनका जन्म 1 जनवरी 1937 को राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़) में हुआ। उन्होंने कृषि विज्ञान की पढ़ाई की और लंबे समय तक प्राध्यापक के रूप में कार्य किया। साहित्य में उनकी पहचान एक ऐसे लेखक के रूप में बनी, जिसने साधारण भाषा और रोज़मर्रा के जीवन को असाधारण संवेदनशीलता के साथ अभिव्यक्त किया।

उनकी प्रमुख कृतियों में नौकर की कमीज़, दीवार में एक खिड़की रहती थी, लगभग जयहिंद और वह आदमी चला गया नया गरम कोट पहिनकर शामिल हैं। उन्हें 1999 में साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा बाद में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 23 दिसंबर 2025 को उनका निधन हुआ। विनोद कुमार शुक्ल का साहित्य हिंदी लेखन में सादगी, मानवीय करुणा और गहरे आत्मबोध की एक स्थायी विरासत के रूप में स्मरण किया जाता रहेगा।

समादृत साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का आज 88 वर्ष की आयु में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर में देहांत हो गया। वह गए कुछ समय से गंभीर श्वसन रोग की वजह से क्रिटिकल केयर यूनिट (CCU) में भर्ती थे। उनके विपुल उत्कृष्ट साहित्य के साथ-साथ उनकी यह कविता जब तक हिंदी भाषा है याद आती रहेगी।

वह जो रचते हुए चले गए। हमेशा ज़िंदा रहेंगे अपनी रचनाओं में...हमेशा बोलते दिखेंगे उन अल्फ़ाज़ में जो उन्होंने अपने इर्द गिर्द से चुने,तराशे और हमारे सामने बिखेर दिए।

वह जो कलम पकड़ता तो ज़िन्दगी अपनी तहे खोल देती। एहसास मुस्कुराते हुए सामने आकर बैठ जाते। खुशबू एक रूप धरकर हर्फ़ ब हर्फ़ सामने इठलाती। वह जो रचते रचते उठकर चले गए,अब उनका रचा संसार अपना जादू दिखाएगा।

मप्र में विशेष गहन पुनरीक्षण की ड्राफ्ट लिस्ट जारी...8.40 लाख मतदाताओं की मैपिंग नहीं

मप्र में 42.74 लाख नाम कटे

भोपाल। मध्य प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण की ड्राफ्ट लिस्ट जारी हो चुकी है। मंगलवार दोपहर 1:30 बजे पॉलिटिकल पार्टियों की बैठक में इलेक्शन कमीशन ने इसे जारी किया। ड्राफ्ट लिस्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश में 42.74 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। इसके अलावा 8.40 लाख नाम ऐसे हैं, जिनकी मैपिंग नहीं हुई है। जिन लोगों के नाम कटे हैं, उनमें 19.19 लाख पुरुष और 23.64 लाख महिलाएं हैं। ड्राफ्ट लिस्ट को इलेक्शन कमीशन की वेबसाइट पर ऑनलाइन देखा जा सकता है। ऑफलाइन देखने के लिए अपने बूथ के बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं। एक दिन पहले ही विधानसभाओं की लिस्ट निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी को दे दी गई थी। वहां से यह ड्राफ्ट लिस्ट बूथ स्तर पर बीएलओ को दी गई। आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 5 करोड़ 74 लाख 6 हजार 143 निर्वाचकों में से 5 करोड़ 31 लाख 31 हजार 983 निर्वाचकों ने अपने गणना प्रपत्र जमा किए हैं।

7 नवंबर से शुरू हुई यह प्रक्रिया लगभग 45 दिन तक चली, जिसमें हजारों बूथ लेवल अधिकारियों ने घर-घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन किया है। जिन लोगों के नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं हैं, उन्हें इलेक्शन कमीशन की तरफ से नोटिस देकर अपने नाम दोबारा जुड़वाने का अवसर दिया जाएगा। आयोग ने यह भी सुनिश्चित किया है कि कोई भी पात्र मतदाता वंचित न रहे। इसके लिए घर-घर संपर्क, विशेष शिविर, सोशल मीडिया, रेडियो प्रसारण और शहरी-ग्रामीण स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाए गए। शहरी क्षेत्रों में विशेष शिविरों के माध्यम से प्रपत्र भरने और डिजिटलीकरण में सहायता दी गई। कमजोर नेटवर्क वाले इलाकों के लिए अलग से व्यवस्थाएं की गईं। युवा मतदाताओं के समावेशन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। वे नागरिक, जो 1 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करेंगे, उन्हें प्रपत्र-6 के माध्यम से आवेदन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

5 करोड़ 74 लाख 6 हजार 143 निर्वाचकों में से 5 करोड़ 31 लाख 31 हजार 983 ने अपने गणना प्रपत्र जमा किए

- 19.19 लाख पुरुष और 23.64 लाख महिलाओं के नाम कटे

एसआईआर से पहले कुल वोटर - 5.74 करोड़

एसआईआर शुरू होने के बाद गणना पत्र मिले - 5.56 करोड़

गणना पत्र मिलने का प्रतिशत - 96.93

मतदान केंद्रों की संख्या - 65.14

कुल बूथ लेवल एजेंट - 1.34 लाख

230 विधानसभा में एईआरओ - 532

एसआईआर के बाद मतदाताओं की स्थिति

एब्सेंट, शिफ्टेड और डेड मिले वोटर - 17.58 लाख से अधिक

मतदाता जिनकी मौत हो गई - 8 लाख से अधिक

एब्सेंट पाए गए वोटर - 8.50 लाख

एक से अधिक स्थानों पर रजिस्टर्ड मतदाता - 2 लाख से अधिक

अब कुल मतदान केंद्रों की संख्या 71930

इसके साथ ही मध्य प्रदेश में अब मतदान केंद्रों की संख्या में करीब 7000 की बढ़ोतरी हुई है। अब प्रदेश में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 71930 हो गई है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, एक शहरी पोलिंग बूथ पर अधिकतम 1200 और ग्रामीण बूथ पर 1000 मतदाता होने चाहिए। यदि दावे-आपत्तियों के निपटारे के बाद नए नाम जुड़ने से किसी बूथ पर मतदाताओं की संख्या इस सीमा को पार कर जाती है तो वहां एक सहायक मतदान केंद्र बनाया जाता है।

22 जनवरी 2026 तक दावा-आपत्ति की अवधि निर्धारित

निर्वाचन आयोग ने बताया कि 23 दिसंबर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है, जो मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रारूप सूची में शामिल न किए गए नामों की बूथ-वार सूचियां पंचायत भवनों और नगरीय निकाय कार्यालयों में प्रदर्शित की जा रही हैं। 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दावा-आपत्ति की अवधि निर्धारित की गई है। इस दौरान कोई भी मतदाता या राजनीतिक दल पात्र नाम जोड़ने अथवा अपात्र नाम हटाने के लिए आवेदन कर सकता है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि बिना विधिक प्रक्रिया और कारणयुक्त आदेश के किसी भी नाम का विलोपन नहीं किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में 58.20 लाख वोटर हटे

यहां 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाए गए। इनमें 24 लाख 16 हजार 852 नाम मृत वोटरों के हैं। 19 लाख 88 हजार 76 वोटर ऐसे हैं, जो दूसरा जगह शिफ्ट हो गए हैं। 12 लाख 20 हजार 38 वोटर लापता, 1 लाख 38 हजार 328 डुप्लीकेट या फर्जी और 57 हजार 604 नाम अन्य कारणों से हटाए गए।

राजस्थान 41.85 लाख

एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट में 41.85 लाख वोटर्स के नाम काटे गए हैं। ड्राफ्ट लिस्ट के साथ एब्सेंट, शिफ्टेड, डेड और ऑलरेडी एनरोल्ड लिस्ट दी गई है।

गोवा में 1 लाख से ज्यादा नाम हटे

गोवा में 11.85 लाख मतदाताओं में से 10.84 लाख ने फॉर्म जमा किए। यहां 1 लाख से ज्यादा नाम हटे, जिनमें मृत, अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाता शामिल हैं। उत्तर गोवा में 44,639 और दक्षिण गोवा में 55,403 नाम हटाए गए।

भारत-बांग्लादेश में बढ़ते तनाव के बीच दूसरी बार तलब किए गए बांग्लादेशी उच्चायुक्त

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक तनाव बढ़ता जा रहा है। दोनों देशों ने एक-दूसरे के उच्चायुक्तों को तलब किया है। भारत ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों और भारतीय मिशनों को खतरे पर चिंता व्यक्त की, वहीं बांग्लादेश ने दिल्ली में अपने उच्चायोग के बाहर हुए विरोध प्रदर्शनों पर आपत्ति दर्ज की।

भारत और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक रिश्तों में तनाव बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्ला को तलब किया. यह एक सप्ताह के भीतर दूसरा मौका है जब भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेशी दूत को बुलाकर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया जब कुछ घंटे पहले ही बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब कर भारत में बांग्लादेशी राजनयिक मिशनों के बाहर हुई घटनाओं पर फ्रगंभीर चिंताफ्र जताई थी।

विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि बांग्लादेशी उच्चायुक्त को ढाका में बिगड़ते सुरक्षा हालात और वहां स्थित भारतीय उच्चायोग को मिल रही संभावित धमकियों को लेकर भारत की गंभीर चिंता से अवगत कराया गया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि फ्रकट्टरपंथी तत्वफ्र भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा चुनौती पैदा करने की खुलेआम बातें कर रहे हैं।

भारत ने पिछले हफ्ते हमीदुल्ला को बुलाकर ढाका में भारतीय मिशनों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। वहीं, बांग्लादेश ने भारतीय दूत प्रणय वर्मा को तलब कर नई दिल्ली स्थित अपने उच्चायोग के बाहर हुए विरोध प्रदर्शनों और सिलीगुड़ी वीजा केंद्र में हुई तोड़फोड़ पर गंभीर चिंता व्यक्त की। भारत ने बांग्लादेश में हालिया घटनाओं को लेकर फैलाए जा रहे 'झूठे और भ्रामक नैरेटिव' को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि अंतरिम सरकार ने अब तक न तो समुचित जांच की है और न ही कोई ठोस साक्ष्य भारत के साथ साझा किए हैं।

हिंसा और कट्टरपंथ ने बिगाड़े हालात

बांग्लादेश में कट्टरपंथी नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद से माहौल तनावपूर्ण है। प्रदर्शनकारियों ने बिना किसी सबूत के इस हत्या के पीछे भारतीय हाथ होने का दावा किया और भारी हिंसा की। जबकि इस दावे को उनकी ही आर्मी ने खारिज कर दिया। हालात तब और बिगड़ गए जब मैमनसिंह में एक हिंदू मजदूर दीपू चंद्र दास की कथित रूप से भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई और फिर शव को जला दिया गया। इस घटना को लेकर भारत में भी आक्रोश देखने को मिला।

महाराष्ट्र की सियासत में बड़ी उठा-पटक

मुंबई। आने वाले दिनों में महाराष्ट्र की सियासत में बड़ी उठा-पटक के संकेत मिले हैं। पुणे नगर निगम चुनाव में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए अजीत पवार वाली राकांपा कांग्रेस से गठबंधन करने जा रही है। यहां भाजपा ने अकेले चुनाव लड़ने का संकेत दिया है।

अजीत पवार ने स्वयं गठबंधन की संभावना तलाशने के लिए खुद ही कांग्रेस नेता सतेज पाटिल से फोन पर बातचीत की है। बातचीत के दौरान अजीत पवार ने संभावित गठबंधन पर चर्चा का प्रस्ताव रखा। इस पर सतेज पाटिल ने कहा कि इस मुद्दे पर पार्टी से बात करनी होगी, क्योंकि कांग्रेस पुणे नगर निगम में सम्मानजनक सीट हिस्सेदारी चाहती है। हालांकि सूत्रों का मानना है कि एनसीपी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की संभावना फिलहाल बहुत कम है, लेकिन बड़ी बात ये है कि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने खुद ये पहल की है। यह गठबंधन इतना आसान नहीं है, क्योंकि कांग्रेस 165 सदस्यीय पुणे नगर निगम में कम सीटों पर समझौते के पक्ष में नहीं है। कांग्रेस का तर्क है कि पुणे लोकसभा सीट पहले से ही पार्टी के हिस्से में है और जमीनी ताकत बनाए रखने के लिए, उससे अधिक सीटों की मांग होगी।

दिल्ली की कोर्ट ने चीनी वीजा घोटाला मामले में कार्ति चिदंबरम के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने चीनी वीजा घोटाला मामले में कांग्रेस सांसद कार्ति पी. चिदंबरम और छह अन्य के खिलाफ आरोप तय करने का मंगलवार को आदेश दिया। कार्ति चिदंबरम और सात अन्य के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के विशेष न्यायाधीश दिग विनय सिंह ने 7 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया और चेतन श्रीवास्तव नाम के 1 व्यक्ति को मामले में आरोपमुक्त कर दिया। अदालत ने कथित आपराधिक षड्यंत्र के अपराध के लिए 7 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। इस मामले में अभी विस्तृत आदेश उपलब्ध नहीं हुआ है।

कार्ति चिदंबरम पर 2011 में एक बिजली कंपनी के लिए चीनी नागरिकों को वीजा दिलाने में रिश्वतखोरी का आरोप है। तब उनके पिता पी. चिदंबरम केंद्रीय गृह मंत्री थे। इस मामले में सीबीआई ने अक्टूबर 2024 में कार्ति चिदंबरम और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। सीबीआई ने एक विशेष अदालत के समक्ष दाखिल किए गए अपने आरोपपत्र में शिवगंगा लोकसभा सीट से सांसद कार्ति चिदंबरम, उनके कथित करीबी सहयोगी एस. भास्कररमन, वेदांता की सहायक कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) और मुंबई स्थित बेल टूल्स का नाम लिया है। बेल टूल्स के जरिए कथित तौर पर रिश्वत दी गई थी।

एजेंसी ने भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आरोप-पत्र में अन्य आरोपियों में वी. मेहता, अनूप अग्रवाल, मंसूर सिद्दीकी और चेतन श्रीवास्तव शामिल हैं। सीबीआई ने 2022 में दर्ज अपनी प्राथमिकी में दो साल की जांच के बाद आरोप पत्र दायर किया था जिसमें आरोप लगाया था कि पंजाब स्थित टीएसपीएल 1980 मेगावाट का ताप विद्युत संयंत्र स्थापित कर रही थी और यह काम चीनी कंपनी 'शेडोंग इलेक्ट्रिक पावर कंस्ट्रक्शन कॉर्प (एसईपीसीओ) को सौंपा था। परियोजना के काम में निर्धारित समय से विलंब हो रहा था और कंपनी पर कथित तौर पर जुर्माना लगने की आशंका थी।

मरीज को वेंटिलेटर में रखने के पूर्व लिखित अनुमति जरूरी

- वेंटिलेटर से जुड़े सभी खर्च प्रदर्शित करना जरूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा निजी अस्पतालों के लिए नए नियम निर्देश जारी किए गए हैं। अस्पतालों को मरीज को वेंटिलेटर में रखने के पूर्व मरीज के परिजनों से अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है।

अस्पताल को वेंटिलेटर में रखने के पहले मरीज के परिजनों को उसका खर्च भी बताना होगा। जो अस्पताल इस नियम का पालन नहीं करेंगे उनके ऊपर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय के नए दिशा निर्देश के अनुसार वेंटिलेटर से जुड़े हुए सभी खर्च अस्पताल को प्रदर्शित करने होंगे।

अस्पताल में शिकायत निवारण की व्यवस्था करनी होगी। मरीज के परिजनों को इलाज या बिल को लेकर कोई आपत्ति है, तो उसकी शिकायत दर्ज करेंगे।

वेंटिलेटर के उपयोग का बिल उस समय के लिए लिया जा सकेगा। जब वेंटिलेटर का उपयोग वास्तव में हो रहा हो।

मरीज को वेंटिलेटर में रखने से पहले मरीज के परिजनों को दैनिक खर्च तथा आईसीयू के खर्च के बारे में स्पष्ट रूप से जानकारी देनी होगी। ताकि परिवार आर्थिक रूप से अपनी तैयारी कर सके।

राज्यसभा में और घटेगी विपक्ष की ताकत

75 सीटों पर चुनाव, अधिकांश में एनडीए

नई दिल्ली। नए वर्ष में राज्यसभा की 75 सीटें रिक्त हो रही हैं। जिन पर चुनाव के बाद जहां सत्ता पक्ष की ताकत बढ़ेगी, वहीं विपक्ष की ताकत और घट जाएगी। वर्तमान में राज्यसभा में एनडीए की 129 सीटें हैं, जबकि विपक्षी दलों के 78 सांसद हैं। हाल ही में बिहार सहित अन्य राज्यों में एनडीए को मिली प्रचंड जीत के बाद हो रहे चुनाव में अधिकांश सीटों पर एनडीए की जीत लगभग तय है। इससे लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी एनडीए ताकतवर बनकर उभरेगी। अगले वर्ष बिहार, उत्तरप्रदेश के साथ ही महाराष्ट्र झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के साथ कई पूर्वोत्तर के राज्यों की सीटें भी खाली होने वाली हैं। इनमें से कई राज्यों में एनडीए का पलड़ा भारी है। अगले वर्ष 2026 में जिन दिग्गज नेताओं का कार्यकाल खत्म हो रहा है उनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, दिग्विजय सिंह, शरद पवार और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, बीएल वर्मा, रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन शामिल हैं।

गुरुग्राम में एक फार्म हाउस पर हुई छापेमारी...कुल 18 गिरफ्तारियां, जिसमें 16 विदेशी नागरिक

गुरुग्राम। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में नए साल के जश्न से पहले पुलिस पूरी मुस्तैदी में दिख रही है। भोंडसी स्थित एक फार्म हाउस पर हुई छापेमारी ने अवैध गतिविधियों के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। छापेमारी का विवरण एलिगेंट फार्म बी-2, बहलपा ग्रीन, भोंडसी (गुड़गांव)। छापेमारी में कुल 18 गिरफ्तारियां, जिनमें 16 विदेशी नागरिक (नाइजीरियाई) शामिल हैं। इनमें तीन युवतियां और एक महिला भी है। पुलिस ने 3 लाख 20 हजार रुपये कैश (जुआ खेलने के लिए इस्तेमाल) बरामद किया। जबकि करीब 5 लाख रुपये की शराब (24 पेटी महंगी शराब और 16 पेटी बियर) पकड़ी। पुलिस ने आरोपियों पर कई गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। अवैध रूप से शराब परोसने और पीने के लिए, फार्म हाउस में जुआ खिलाने और खेलने के लिए केस दर्ज हुआ है।

दिग्विजय का विवादित बयान, दास की मॉब लिंचिंग....भारत में अल्पसंख्यकों पर होने वाले अत्याचार का 'रिएक्शन'

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसा ने नई बहस छेड़ दी है। 27 साल के हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग के खिलाफ देश में कई जगह प्रदर्शन हो रहे है। दिल्ली में ढाका हाई कमीशन के बाहर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इसी बीच मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने बांग्लादेश हिंसा को भारत में अल्पसंख्यकों पर होने वाले अत्याचार का 'रिएक्शन' बताकर नया विवाद पैदा कर दिया है।

कांग्रेस नेता सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं और ईसाइयों पर हमले भारत में देखा जाने वाला सांप्रदायिक रवैया जैसी ही प्रतिक्रिया हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जब से सरकार बदली है, वहां इसतरह के तत्व हैं जो धार्मिक उन्माद फैलाकर राजनीति करते हैं। जिनका विरोध पूर्व पीएम शेख हसीना करती थीं।

कांग्रेस नेता सिंह के बयान पर बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। विधायक शर्मा ने कहा कि जब भारत पर हमला होता है, तब दिग्विजय आतंकवादियों के साथ होते हैं। और जब बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला होता है,तब उन्हें भारत की घटनाएं याद आती हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि भारत में मुसलमानों पर कौन सा हमला हुआ।

रबी सीजन में धान की फसल को लेकर किसान आक्रोश में!!

लालबर्रा आंदोलन के बाद, जवाब मांगने किसान पहुंचे कलेक्टर कार्यालय और सौंपा ज्ञापन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

लालबर्रा क्षेत्र के लगभग दो दर्जन से अधिक किसान मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपनी लंबित मांगों को लेकर नाराजगी जाहिर की। किसानों ने बताया कि बीते दिनों उन्होंने अपनी स्थानीय समस्याओं को लेकर लालबर्रा क्षेत्र में आंदोलन किया था, जिसके बाद विभागीय अधिकारियों द्वारा उनकी मांगों को शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया था। किसानों का कहना है कि आंदोलन के कई दिन बीत जाने के बावजूद अब तक उनकी किसी भी मांग पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई है और न ही प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट जवाब दिया गया है। इसी को लेकर किसान आज कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और प्रशासन से जवाब मांगा। किसानों ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में रबी सीजन में धान की फसल लगाने की अनुमति भी शामिल है, लेकिन इस विषय पर अभी तक संबंधित विभाग द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। किसानों का आरोप है कि लगातार अनदेखी के चलते वे मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हो रहे हैं। ज्ञापन सौंपते हुए किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया, तो वे रबी सीजन में धान की फसल लगाएंगे ही ।

रबी सीजन में धान की फसल लगाए जाने को लेकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किसानों और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बनती जा रही है। एक ओर संबंधित विभाग भूमिगत जलस्तर में आई गिरावट का हवाला देते हुए रबी में धान की फसल लगाने से मना कर रहा है, दूसरी ओर किसान इस निर्णय का विरोध करते हुए सड़कों पर उतरने को मजबूर हो रहे हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि बीते वर्ष रबी सीजन में धान की खेती किए जाने से जिले के कुछ क्षेत्रों में भू-जल स्तर काफी नीचे चला गया था, जिससे जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई। इसी कारण इस वर्ष रबी में धान की फसल पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। इसके विपरीत किसानों का तर्क है कि जिले की भौगोलिक स्थिति, खेतों में मौजूद नमी और मिट्टी की प्रकृति को देखते हुए वे अन्य वैकल्पिक फसलें नहीं लगा सकते। किसानों का कहना है कि धान के अलावा दूसरी फसल लगाने पर उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। रबी में धान पर रोक के विरोध में कई क्षेत्रों में किसानों द्वारा आंदोलन और प्रदर्शन किए जा चुके हैं, जबकि कुछ क्षेत्रों में किसान अभी आंदोलन की रणनीति बना रहे हैं। इसी क्रम में बीते दिनों लालबर्रा क्षेत्र में किसानों ने प्रशासन के खिलाफ बड़ा आंदोलन किया था। इस आंदोलन में किसानों ने अपनी स्थानीय और लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाया था। किसानों ने मांग की थी कि उन्हें रबी सीजन में धान की फसल लगाने की अनुमति दी जाए, धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये घोषित किया जाए और क्षेत्र में पर्याप्त विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इन मांगों को लेकर किसानों ने प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा था, लेकिन अब तक किसी भी मांग पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इसी से नाराज होकर 23 दिसंबर को लालबर्रा क्षेत्र के कुछ किसान पुन: जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्टर को आवेदन सौंपते हुए जवाब मांगा। किसानों का कहना है कि आंदोलन के दौरान दी गई मांगों पर न तो विभाग ने कोई स्पष्टीकरण दिया और न ही रबी में धान लगाने की अनुमति प्रदान की गई है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द उनकी मांगों पर निर्णय नहीं लिया गया, तो वे रबी सीजन में धान की फसल लगाएंगे और इसके लिए उन्हें सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करना पड़ा तो भी वे पीछे नहीं हटेंगे।

किसानों ने बताई धान लगाने की मजबूरी

लालबर्रा क्षेत्र के किसान एवं जनप्रतिनिधि डुलेन्द्र ठाकरे तथा ठानेद्र ठाकरे ने बताया कि उन्होंने अपनी मांगों को लेकर पूर्व में बड़े स्तर पर आंदोलन किया था। साथ ही अनुमति भी मांगी गई थी कि किसानों को रबी के समय धान की फसल लगाने दी जाए, लेकिन अब तक संबंधित विभाग की ओर से उनकी मांगों पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया है। इसी कारण वे आज बालाघाट पहुंचे। उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र में प्रशासन के प्रति किसानों में भारी आक्रोश है। किसानों का स्पष्ट कहना है कि संबंधित विभाग द्वारा अनुमति दी जाए या नहीं, वे रबी के मौसम में धान की फसल लगाएंगे ही। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार किसानों के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कई स्थानों पर नदी और बांधों का पानी उद्योगों को उपलब्ध कराया जा रहा है तथा बिजली की आपूर्ति भी उद्योगों को पूरी दी जा रही है, जबकि किसानों को पानी और बिजली देने से इनकार किया जा रहा है, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने मांग की कि किसानों को रबी की फसल में धान लगाने की अनुमति दी जाए, अन्यथा आने वाले समय में प्रशासन के खिलाफ इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

धान का कांटा करने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े- दोनों पक्ष के पांच घायल

दोनों पक्ष के आठ लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले धान खरीदी केंद्र वारा में धान का कांटा करने को लेकर दो पक्ष आपस में भीड़ गये और दोनों पक्ष के बीच कोई मारपीट में दोनों पक्ष के पांच लोग घायल हो गए ।जिनका इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया वहीं किरनापुर पुलिस ने सुनील पिता रतनलाल मसकरे 45 वर्ष ग्राम सिवनी खुर्द द्वारा की गई रिपोर्ट पर विशाल ढेकवार उसके पिता और भाई के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया है वही विशाल पिता दिनेश ढेकवार 24 वर्ष ग्राम बेनेगांव निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर समीर मसकरे सहित पांच लोगों के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बेनेगांव निवासी विशाल ढेकवार अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी कर रहा है वही सिवनी खुर्द निवासी सुनील मसकरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 22 दिसंबर को विशाल ढेकवार अपने पिता दिनेश ढेकवार और छोटा भाई विलास ढेकवार के साथ ट्रैक्टर से धान का काटा करवाने के लिए वारा खरीदी केंद्र गए थे। और सुनील मसकरे भी अपने बेटे समीर मसकरे के साथ धान का काटा करने के लिए धान खरीदी केंद्र वारा गए थे। 4ः00 बजे धान खरीदी केंद्र वारा में दोनों पक्ष पहले धान का कांटा करने के चक्कर में आपस में भीड़ गए और दोनों पक्ष के बीच मारपीट हो गई। विशाल ढेकवार ने अपने भाई विलास ढेकवार और पिता दिनेश ढेकवार के साथ मिलकर सुनील मसकरे और उसके बेटे समीर मसकरे को हाथ बुक्के से मार पीट कर जान से मार डालने की धमकी दे दी ।वहीं सुनील मसकरे ने अपने बेटे समीर मसकरे और अपने साथी अंकित बिरनवार, शंकर बिरनवार, यूकेश के साथ मिलकर विशाल ढेकवार दिनेश ढेकवार और विशाल ढेकवार को हाथ बुक्के और डंडे से मारपीट कर जान से मार डालने की धमकी दे दी। दोनों पक्ष के बीच हुई मारपीट में सुनील मसकरे, समीर मसकरे और विशाल ढेकवार, दिनेश ढेकवार विलास ढेकवार घायल हो गए हालांकि इस घटना में सभी को मामूली आई। इसके बाद दोनों पक्ष रिपोर्ट करने के लिए किरनापुर पुलिस थाना पहुंचे। किरनापुर पुलिस ने सभी घायलों का इलाज और मुलाहिजा किरनापुर के अस्पताल में करवाया और सुनील पिता रतनलाल मसकरे 45 वर्ष ग्राम सिवनी खुर्द द्वारा की गई रिपोर्ट पर विशाल ढेकवार, विलास ढेकवार और दिनेश ढेकवार और विशाल पिता दिनेश ढेकवार 24 वर्ष ग्राम बेनेगांव निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट समीर मसकरे, सुनील मसकरे अंकित बिनरवार, शंकर बिरनवार और युकेश के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार आरक्षक अनीता मनघटे घायल

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने हुई दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के ठीक सामने बुलेरो कार ने स्कूटी ठोस मार दी। इस दुर्घटना में कार की ठोकर से स्कूटी सवार महिला आरक्षक अनीता पति मूलचंद मनघटे 47 वर्ष घायल हो गई। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला आरक्षक अनीता मनघटे पुलिस लाइन बालाघाट में परिवार के साथ रहती है और वे पुलिस थाना भरवेली में पदस्थ है। 23 दिसंबर को 4ः30 बजे करीब आरक्षक अनीता मनघटे स्कूटी में शासकीय

कार्य से पुलिस अधीक्षक कार्यालय आई थी और अपना शासकीय कार्य निपटने के बाद वे स्कूटी मे भरवेली पुलिस थाना लौट रही थी। तभी पुलिस अधीक्षक कार्यालय के ठीक सामने रिवर्स हो रही बोलेरो कार ने आरक्षक अनीता मनघटे की स्कूटी को ठोस मार दी।जिससे आरक्षक अनीता मनघटे स्कूटी सहित गिरने से घायल हो गई। जिससे प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने महिला आरक्षक अनीता मनघटे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली बालाघाट भिजवा दी है।

वार्ड क्रमांक 3 में पेयजल संकट

रहवासियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक 3 के रहवासियों ने पेयजल समस्या को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। वार्डवासियों का आरोप है कि उनके क्षेत्र में कई वर्षों से नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन नहीं बिछाई गई है, जिसके कारण उन्हें शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। रहवासियों ने बताया कि पाइपलाइन सुविधा न होने के कारण उन्हें रोजाना दूर-दराज के इलाकों से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासियों का कहना है कि इस समस्या को लेकर वे पूर्व में भी कई बार नगर पालिका में आवेदन और निवेदन कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आरोप लगाया गया कि नगर पालिका द्वारा कॉलोनी को अवैध बताकर नल-जल योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा है, जबकि नगर पालिका के अंतर्गत आने वाले सभी प्रकार के टैक्स वार्डवासियों से नियमित रूप से वसूले जा रहे हैं। शहर के वार्ड क्रमांक 3 स्थित मोनार्क सिटी कॉलोनी में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या को लेकर 23 दिसंबर को लगभग एक दर्जन से अधिक वार्डवासी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। वार्डवासियों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर नगर पालिका पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। ज्ञापन में बताया गया कि मोनार्क सिटी कॉलोनी में वर्तमान में करीब 50 परिवार निवासरत हैं, लेकिन नगर पालिका द्वारा अब तक इस क्षेत्र में नल-जल योजना के तहत पानी की पाइपलाइन नहीं बिछाई गई है। इसके चलते कॉलोनीवासी आज भी दूर-दूर से पानी लाने को मजबूर हैं, जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासी मोहम्मद आदिल खान ने बताया कि कॉलोनी में पिछले कई वर्षों से परिवार निवास कर रहे हैं, लेकिन नगर पालिका इस कॉलोनी को अवैध बताकर यहां किसी भी प्रकार की जल सुविधा देने से इनकार कर रही है। वहीं दूसरी ओर नगर पालिका द्वारा मकान टैक्स सहित शासन के अंतर्गत आने वाले सभी प्रकार के कर नियमित रूप से वसूले जा रहे हैं। वार्डवासियों का कहना है कि जब नगर पालिका उनसे सभी प्रकार के कर वसूल कर रही है, तो उन्हें शुद्ध पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि पानी की समस्या को लेकर वे कई बार नगर पालिका में आवेदन और निवेदन कर चुके हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि वार्ड में कई अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है, लेकिन पानी की समस्या सबसे अधिक है। नगर पालिका द्वारा कई बार नई योजना आने पर पाइपलाइन बिछाने का भरोसा दिया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। वार्डवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि पेयजल संकट को देखते हुए तत्काल संज्ञान लिया जाए और वार्ड क्रमांक 3 की मोनार्क सिटी कॉलोनी में शीघ्र पाइपलाइन बिछाकर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाए।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती खुशबू कटरे पति श्री खेमेंद्र कटरे, निवासी-वार्ड नंबर 12, शांति नगर, पांढरवानी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)। यह घोषित करती हूं कि विवाह के पूर्व मेरा नाम इंदु तुरकर पिता स्व. श्री टीकाराम तुरकर था और मेरे पूर्व के सभी शासकीय एवं अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम इंदु तुरकर ही दर्ज चला आ रहा है। विवाह के उपरांत अब मेरा नाम बदलकर श्रीमती खुशबू कटरे हो गया है।

अत: इस सूचना के माध्यम से स्पष्ट किया जाता है कि इंदु तुरकर और खुशबू कटरे एक ही महिला के नाम हैं। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम श्रीमती खुशबू कटरे पति खेमेंद्र कटरे के नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

प्रकाशक
श्रीमती खुशबू कटरे पति श्री खेमेंद्र कटरे
निवासी- वार्ड नंबर 12, शांति नगर
पांढरवानी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)

कार्यालय जिला पंचायत बालाघाट(म.प्र)

ई-निविदा

क्रमांक/8877/जि.पं./कार्या.अधी./2025 बालाघाट,दिनांक 23/12/2025

कार्यालय जिला पंचायत परिसर में सी.सी.टी.व्ही.सामग्री सहित इंस्टालेशन कार्य हेतु खुली निविदा **https://gem.gov.in/** के माध्यम से **Bid Number GEM/2025/B/6939904** आमंत्रित की गई है। निविदा की शर्ते,समयावधि आदि की जानकारी Gem Portal से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत बालाघाट

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार श्रीमति ममता कटरे पिता श्री दुर्गाप्रसाद गौतम निवासी ग्राम कौलीवाडा तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट म .प्र. एवं श्रीमति ज्योति तुरकर पिता दुर्गाप्रसाद गौतम निवासी ग्राम फुल्लचुर तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट म.प्र.की ओर से आम जनता को सूचित करता हूँ कि मेरे वर्णित पक्षकार के पिता के नाम पर मौजा ग्राम डोंगरगांव तह: वारासिवनी जिला बालाघाट में खसरा क्रमांक कमश: २८/३,३३/२,३३/१०,३३/११, ३४/२, ३६, ३७/१, ३७/३, ३८/२, ३८/३, ४०/२, रकबा क्रमश: ०.०८१, ०.२०२, ०.०९७, ०.१४२, ०.१४६, ०.०५७, ०.२५१,०.०४५ ०.०४४, ०.१०९, ०.०८९ कुल रकबा १.२३६ हे.कृषि भूमि स्थित है। जिस पर मेरे पक्षकारगणों का भी हक व अधिकार है। तथा मेरे पक्षकारगणो को यह ज्ञात हुआ है कि मेरे पक्षकार के पिता के द्वारा इस वर्णित संपत्ति का विक्रय किया जा रहा है। इस कारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि वर्णित भूमि के संबंध में कोई हस्तांतरण प्रलेख निष्पादित ना करें । अन्यथा यह हस्तांतरण प्रलेख मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा और यदि कोई प्रलेख निष्पादित किया जाता है तो वह पूर्णत: विधि के विपरित होकर अवैध व शून्य होगा।

दिनांक -२२/१२/२०२५

प्रेषक- मुकेश अग्रवाल
अधिवक्ता सिविल कोर्ट वारासिवनी

किसान दिवस पर कांग्रेस किसान संगठन ने दी मृतक किसानों को श्रद्धांजलि, सरकार पर साधा निशाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसान दिवस के अवसर पर कांग्रेस किसान संगठन द्वारा दिवंगत किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कैंडल जलाकर मृतक किसानों को याद किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में किसान दिन-प्रतिदिन आर्थिक रूप से कमजोर होता जा रहा है, लेकिन उनकी समस्याओं की सुनवाई नहीं हो रही है। कांग्रेस किसान संगठन ने सरकार से मांग की कि किसानों के हित में अधिक से अधिक योजनाएं बनाई जाएं और उन्हें ज़मीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि किसान आत्मनिर्भर बन सके और उसकी स्थिति में सुधार हो। किसान दिवस के अवसर पर कांग्रेस किसान संगठन के जिला अध्यक्ष भुरु पटेल के नेतृत्व में 23 दिसंबर की शाम 7ः30 बजे स्थानीय काली पुतली चौक पर कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर किसान दिवस मनाया तथा किसानों के अधिकारों और समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष भुरु पटेल और नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष योगराज लिल्हारे ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार के शासनकाल में किसान सबसे अधिक परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। सरकार की उदासीन नीतियों के कारण किसान आर्थिक तंगी से जूझ रहा है, जिसके चलते कई किसान आत्महत्या जैसे कठोर कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं। भुरु पटेल ने कहा कि सरकार किसानों के हित में कोई ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठा रही है तथा किसानों की मूलभूत समस्याओं फसल मूल्य, सिंचाई, बिजली और मुआवजा की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस किसान संगठन किसानों के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ता रहेगा और किसानों की मांगों को मजबूती से सरकार के समक्ष रखेगा। इस दौरान दिवंगत किसानों की स्मृति में कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने मौन रखकर मृत किसानों को नमन किया और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद पन्ना शर्मा, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष अनिल सोनी सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के पदाधिकारी, किसान संगठन के कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार तीन युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम उमर टोलाऔर एकाटोला के बीच मोटरसाइकिल पिकअप से टकराने के बाद उछलकर दूसरी मोटरसाइकिल से टकरा गई इस सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार तीन लोग घायल हो गए तीनों घायल विशाल पिता दीवान सिंह उइके 22 वर्ष ग्राम भांडी पिपरिया, नंदकिशोर पिता संपत लाल चौहान 31 वर्ष ग्राम हुड़की टोला पिपरिया और खुमेंद्र पिता विनोद डहारे19 वर्ष ग्राम आलेझरी तीनों थाना वारासिवनी निवासी है जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार खुमेंद्र पिकअप चालक है। 23 दिसंबर को 12ः00 बजे करीब खुमेंद्र मोटरसाइकिल में अपने गांव आलेझरी भांडी जा रहा था और विशाल उइके नंदकिशोर चौहान के साथ मोटरसाइकिल में पिपरिया से बालाघाट आ रहे थे। तभी एकाटोला और उमर टोला के बीच सामने से आ रही पिकअप से खुमेंद्र की मोटरसाइकिल टकराकर विशाल उइके की मोटरसाइकिल से टकरा गई । इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल पिकअप से टकराने से खुमेंद्र घायल हो गया वहीं खूमेद्र की मोटरसाइकिल विशाल उइके की मोटरसाइकिल से टकराने से विशाल उइके और नंदकिशोर चौहान घायल हो गए। हालांकि इस दुर्घटना में तीनों को मामूली चोटे आई है।जिन्हें 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

आवश्यकता है
होटल मैनेजर
02 पद
(अनुभवी को प्राथमिकता)
सैलरी योग्यता अनुसार
संपर्क
8819924499

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

पटेल प्लाईवुड इंडस्ट्रीज चंदोरी के प्रोपराइटर पर रिपोर्ट दर्ज

किसानों के अनुदान वाले यूरिया का व्यावसायिक उपयोग करने का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तहसील वारासिवनी अंतर्गत ग्राम चंदोरी में किसानों को अनुदान पर उपलब्ध कराए जाने वाले यूरिया के व्यावसायिक उपयोग का मामला सामने आया है। प्रशासन द्वारा की गई जांच में पटेल प्लाईवुड इंडस्ट्रीज में अनुदानित यूरिया का गैरकानूनी रूप से उपयोग किया जाना पाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 21

दिसंबर को तहसीलदार वारासिवनी श्रीमती वंदना कुशराम, नायब तहसीलदार तीरथ अक्षरया, उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने पटेल प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, चंदोरी का निरीक्षण किया। जांच के दौरान वहां किसानों के लिए अनुदान पर उपलब्ध कराए जाने वाले यूरिया की 8 बोरियां व्यावसायिक उपयोग के लिए रखी हुई पाई गईं, जिन्हें मौके पर जब्त कर लिया गया। इस प्रकरण में अनुदानित यूरिया का दुरुपयोग पाए जाने पर पटेल प्लाईवुड इंडस्ट्रीज के प्रोपराइटर मनोहर पटेल के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 173 एवं अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत थाना वारासिवनी में एफआईआर दर्ज की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से जुड़ी अनुदान योजनाओं का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस प्रकार के मामलों में सख्त कार्यवाही जारी रहेगी।

आंवलाझरी के चंद्रकांता वैद्य कंस्ट्रक्शन कंपनी में जीएसटी का छापा

जीएसटी एंटी विजन ब्यूरो जबलपुर की टीम कर रही कार्यवाही, पिछले 2 दिनों से खंगाले जा रहे जीएसटी से संबंधित दस्तावेज, निर्माण कार्यों से जुड़ी है मेसर्स चंद्रकांता वैघ कंपनी, जीएसटी चोरी से संबंधित आशंकाओ पर की जा रही कार्यवाही

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला मुख्यालय से सटे ग्राम आवलाझरी स्थित मेसर्स चंद्रकांता वैद्य कंस्ट्रक्शन कंपनी में जीएसटी की टीम ने छापामार कार्यवाही कर आवश्यक दस्तावेजो की तलाश की।बताया गया की जीएसटी एंटी विजन ब्यूरो जबलपुर टीम की यह कार्यवाही सोमवार से शुरू है।जो मंगलवार को भी देर शाम तक जारी रही।जीएसटी के अधिकारियों ने कंपनी के कार्यो से संबंधी कई दस्तावेज खंगाले।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर 2 दिनों से जारी इस कार्यवाही में 12 सदस्यों की टीम, काम कर रही है। हालांकि यह टीम किन-किन बिंदुओं पर जांच कर रही है और अब तक इस टीम के हाथ क्या-क्या खामियां लगी है फिलहाल इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।लेकिन बताया जा रहा है कि संबंधित विभाग ने अपनी रूटीन जाँच तेज कर दी है और उसी जाँच के तहत जगह-जगह इस तरह की कार्यवाही सम्बंधित अधिकारियों द्वारा की जा रही है।जिसमें वस्तुओं की खरीदी बिक्री, उनके बिल वाउचर, आवक जावक रजिस्टर, उनकी एंट्री, उनका जीएसटी कर भुगतान सहित जीएसटी से संबंधित अन्य दस्तावेजों की जांच कर अधिकारी विभिन्न बिंदुओं का सत्यापन कर रहे हैं। बताया गया कि आवलाझरी स्थित मेसर्स चंद्रकांता वैद्य कंस्ट्रक्शन कंपनी निर्माण कार्यों से जुड़ी कंपनी है, जहां पर जीएसटी चोरी संबंधित आशंकाओं के चलते यह जांच की जा रही है।

टैक्स की चोरी की संभावना के चलते की गई कार्यवाही

हालांकि की इस छापेमार कार्यवाही में टीम ने कहा कहा गड़बड़ी पकड़ी, फिलहाल इसकी स्पष्ठ जानकारी नही मिल पाई है।लेकिन जानकारी के अनुसार मेसर्स चंद्रकांता वैद्य कंपनी द्वारा कंस्ट्रक्शन का कार्य किया जाता है। कंपनी द्वारा टेक्स की चोरी की संभावना के चलते जीएसटी एंटी विजन ब्यूरो जबलपुर की टीम ने छापामार कार्यवाही की। कार्यवाही के दौरान विभागीय अमले ने गुड्स एंड सर्विस टेक्स से जुड़े सभी दस्तावेंजों की जांच पड़ताल की। टीम ने इनसे जुड़े दस्तावेजों को अपने साथ लेकर भी गई है।

जीएसटी से जुड़े दस्तावेज साथ ले गई टीम

कार्यवाही के दौरान जीएसटी टीम को प्रारंभिक जांच में क्या मिला है,इसका खुलासा विभागीय अधिकारियों ने नहीं किया है। लेकिन माना जा रहा है कि संबंधित द्वारा जीएसटी की चोरी की गई है। इधर, अधिकारियों का कहना है कि यह उनकी रुटिन जांच है। इस मामले में किसी भी प्रकार की कोई शिकायत नहीं हुई है।जांच करने के लिए बालाघाट पहुंची टीम से प्राप्त जानकारी के अनुसार मेसर्स चंद्रकांता वैद्य कंपनी द्वारा जो डेटा संधारण किया गया है, उसमें गड़बड़ी की संभावना है।जिसके चलते टीम ने जीएसटी से जुड़े सभी दस्तावेजों को अपने साथ लेकर गई है। जिसकी जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि कितनी जीएसटी की चोरी की गई है या नहीं। हालांकि, अभी अधिकारियों ने इस बारे में कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है।

एक सप्ताह के भीतर, दूसरी बड़ी कार्यवाही

ज्ञात हो कि जिले में एक सप्ताह के भीतर जीएसटी टीम की यह दूसरी कार्यवाही है। इसके पूर्व जीएसटी की टीम ने नेशनल हाईवे का कार्य कर रहे ठेकेदार की कंपनी पर छापा मार कार्यवाही की थी। जिसमें जीएसटी की चोरी पाए जाने पर ठेकेदार से करीब 89 लाख रुपए सरेंडर करवाए थे।वहीं जीएसटी एंटी विजन ब्यूरो जबलपुर की टीम ने 22 दिसंबर को मेसर्स चंद्रकांता वैद्य कंस्ट्रक्शन कंपनी में छापा मार कार्यवाही की थी जो 23 दिसम्बर तक चली।

जबलपुर कार्यालय से होगी आगामी कार्यवाही- बघेल

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान अपनी 12 सदस्यों की टीम के साथ कार्यवाही कर रहे राज्य कर अधिकारी विवेक सिंह बघेल ने इस कार्यवाही को रुटीन चेकअप कार्यवाही बताते हुए जीएसटी से सम्बंधित दस्तावेजों के सत्यापन किए जाने की बात कही है।उन्होंने बताया कि कार्यवाही का आज दूसरा दिन हैं।आज यह कार्यवाही समाप्त हो जाएगी, हालांकि 2 दिनों से जारी इस जांच के दौरान उन्हें कहां-कहां खामियां मिलीं, इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि जबलपुर कार्यालय से ही इस मामले में आगामी कार्यवाही की जाएगी।उन्होंने इस कार्यवाही को महज एक रूटन जांच बताई है।

विहिप ने फूंका बांग्लादेश का पुतला

हिंदूओं पर हो रहे अत्याचार का विरोध, भारत सरकार से की हस्तक्षेप की मांग,दीपूदास की हत्या पर आक्रोश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यूनुस सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश के हालात लगातार बिगड़ते जा रहे है।जहां हिंदूओं पर अत्याचार हो रहे है, उन्हें मारकर उनकी संपति हड़पने का काम किया जा रहा है।ऐसा आरोप लगाते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में बांग्लादेश के विरोध हो रहा है।उधर पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में पिछलो दिनों भड़की एक हिंसा में गुस्साई भीड़ ने फैक्ट्री में काम करने वाले दीपूदास नामक व्यक्ति की ना सिर्फ पीट पीट कर हत्या कर दी थी।बल्कि उसके शव को एक पेड़ से लटकर आग भी लगा दी गई।जिसका विरोध मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल ने किया है।जिन्होंने इस मामले में अपना आक्रोश जताते हुए जमकर नारेबाजी कर नगर के काली पुतली चौक में बांग्लादेश का पुतला दहन किया है।तो वही उन्होंने भारत सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप कर हिंदूओं की रक्षा करने की भी मांग की है।

नारेबाजी, विरोध प्रदर्शन कर फूंका पुलता

विरोध प्रदर्शन के दौरान विश्व हिंदू परिषद,बजरंग दल के पदाधिकारी व अन्य

हिंदू संगठन के पदाधिकारी मंगलवार की दोपहर करीब एक बजे काली पुतली चौक पर एकत्रत हुए। यहां से हाथ में बांग्लादेश का पुतला लेकर विरोध जताया जिसके बाद चौक पर ही बांग्लादेश के पुतले का दहन किया।प्रदर्शन के दौरान नगर अध्यक्ष सुशील ठाकुर, चन्दर दमाहे, राजेन्द्र शुक्ल, मुन्ना कुरील, बाबी मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मामले में सरकार करें हस्तक्षेप,ऐसी घटनाओं पर लगाई जाए रोक-यज्ञेश चावड़ा

इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष यज्ञेश लालू चावड़ा ने बताया कि बांग्लादेश के मेमनसिंह जिले में हिंदू श्रमिक दीपूदास की हत्या कर उसे पेड़ में लटका कर जला दिया गया है, यह बड़ी ही वीभत्स घटना है। उन्होंने बताया कि पूरा देश बांग्लादेश के हिंदूओं के साथ है, और इस तरह की क्रूर मानसिकता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।केंद्र सरकार से हमारी मांग है कि जल्द ही इन मामलो में हस्तक्षेप कर बांग्लादेश में हो रही इन घटनाओं पर रोक लगाए जाए।

सातवां राज्य स्तरीय पुरुष व्हालीवाल प्रतियोगिता नव वर्ष से

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी, नुतन वर्ष के अवसर पर ग्राम पंचायत नवेगांव (तीन टोला) में राज्य स्तरीय पुरुष व्हालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।आयोजन के 7वे वर्ष 1जनवरी से 2 जनवरी दो दिनों तक चलने वाली इस व्हालीवाल प्रतियोगिता में रायबरेली, इलाहाबाद, बनारस,आर बी ग्वालियर, झांसी, दिल्ली, उत्तर प्रदेश,मलारा, बालाघाट,किरनापुर, बालाघाट सिटी आदि टीमें शामिल होगी।यह प्रतियोगिता सुगाबाई स्कूल ग्राउंड में आयोजित कि गई है।जिंसमे विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार 14001 रुपए नगद एवं ट्रॉफी उपविजेता टीम को द्वितीय पुरस्कार 8001 रुपए नगद एवं ट्रॉफी दिया जाएगा।आयोजक समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार डहारे, उपाध्यक्ष बसंत कुमार नगपुरे, कोषाध्यक्ष महेश कुमार डहारे, टीम मेनेजर गायक गौतम, कप्तान राम प्रसाद मसकरे, उपकप्तान संतु लिल्हारे, सरपंच संदीप लिल्हारे, सुनिल सहारे आदि लोगों ने खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रतियोगिता को सफल बनाने की अपील की है।

शराब के नशे में खाया कीटनाशक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम दिगोधा में इसी ग्राम के एक व्यक्ति शंकर लाल पिता धनलाल राहंगडाले 47 वर्ष ने शराब के नशे में कीटनाशक का सेवन कर लिया ।जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शंकर लाल अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा मजदूरी

भी करता है ।जिसके परिवार में माँ, पत्नी और दो लड़की है। दोनों लड़की पढ़ाई कर रही है। बताया गया कि शंकर लाल शराब पीने का आदी है और आए दिन शराब पीता है और घर में रूपए पैसे नहीं देता जिसके कारण विवाद होते रहता है। 23 दिसंबर को सुबह ही शंकर लाल सालेटेका शराब दुकान गया और शराब पीकर10 बजे घर आया था।घर में आने के कुछ देर रहने के बाद शंकर लाल उल्टी करने लगा था।परिवार वालों द्वारा पूछने पर उसने शराब के नशे में कीटनाशक का सेवन करना बताया। इसके बाद कीटनाशक सेवन से अस्वस्थ शंकर लाल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

जिला सेनानी के नेतृत्व में सम्मेलन, ड्यूटी मानकों पर दिया गया मार्गदर्शन

होमगार्ड जवानों को अनुशासन और सुरक्षा का पाठ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 23 दिसंबर, मंगलवार को जिला सेनानी के निर्देशन एवं अध्यक्षता में होमगार्ड लाइन आकाशवाणी के सामने एक महत्वपूर्ण सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के पश्चात इसी परिसर में होमगार्ड, एसडीआरएफ एवं सिविल डिफेंस के जवानों के

लिए स्वास्थ्य शिविर का भी सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जवानों को विभागीय दिशा-निर्देशों, अनुशासन, कर्तव्य पालन, सुरक्षा उपायों तथा स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। सम्मेलन के दौरान जिला सेनानी ने उपस्थित समस्त होमगार्ड जवानों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने ड्यूटी के दौरान सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने के स्पष्ट निर्देश दिए। जिला सेनानी ने कहा कि आपात परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना जवानों का प्रमुख दायित्व है। उन्होंने जवानों को अनुशासन, समय पालन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। सम्मेलन के उपरांत आयोजित स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकीय दल द्वारा जवानों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर के दौरान रक्तचाप, शुगर, नेत्र परीक्षण सहित आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सा अधिकारी तुषार कमरे, आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रणाम, नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती प्रतीक्षा हरवल, नेत्र सहायक सोहनलाल बरेकर, वार्ड बाय अरविंद और वाहन चालक महेश कटरे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट रजनी खटीक, मनोज कुमार देशमुख, स्टोरमेन श्रीमती प्रीति रजक, पुस्तिका बिसेन सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, होमगार्ड जवान एवं सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स उपस्थित रहे। अंत में जिला सेनानी ने चिकित्सा दल सहित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, होमगार्ड जवानों एवं सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के कल्याणकारी एवं प्रशिक्षणात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की बात कही।

स्व-सहायता समूह को सहायता राशि नहीं मिलने से महिलाएं नाराज, कलेक्टर से की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के विभिन्न वार्डों से आई लगभग दो दर्जन से अधिक महिलाओं ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्याओं को लेकर कलेक्टर को आवेदन सौंपा। महिलाओं ने आरोप लगाया कि नगर पालिका द्वारा उन्हें स्व-सहायता समूह गठित करने के निर्देश दिए गए थे, जिसके तहत उन्होंने समूह भी बना लिया, लेकिन इसके बावजूद कई वर्षों से उन्हें किसी प्रकार की सहायता राशि प्रदान नहीं की गई है। महिलाओं का कहना है कि न तो उनके स्व-सहायता समूहों को विभागीय पोर्टल पर दर्ज किया गया है और न ही आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। इसको लेकर वे लगातार नगर पालिका और संबंधित विभागों के चक्कर काट रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। महिलाओं ने कलेक्टर को दिए गए आवेदन में मांग की है कि जब नगर पालिका के निर्देश पर स्व-सहायता समूह बनाए गए हैं, तो शासन की योजना के अनुसार उन्हें शीघ्र सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए ।

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान शहर के विभिन्न वार्डों से आई लगभग दो दर्जन से अधिक महिलाओं ने कलेक्टर

कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने शासन और नगर पालिका पर महिला सशक्तिकरण के दावों को लेकर सवाल खड़े किए। महिलाओं का कहना है कि एक ओर सरकार महिला सशक्तिकरण की बात कर रही है, दूसरी ओर बालाघाट नगर पालिका द्वारा गठित स्व-सहायता समूहों को बीते चार से पांच वर्षों से कोई सहायता राशि नहीं दी गई है। महिलाओं ने बताया कि समूह गठन के बाद से वे लगातार नगर पालिका और संबंधित विभागों के चक्कर काट रही हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं। समूह की सदस्य दुर्गा पंडोरिया और सीता बोपचे ने बताया कि करीब चार वर्ष पूर्व नगर पालिका द्वारा महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से स्व-सहायता समूह बनाने को कहा गया था। उस समय यह भी बताया गया था कि प्रत्येक समूह को शासन की ओर से लगभग 10 हजार रुपये तक की सहायता राशि दी जाएगी। महिलाओं ने इस भरोसे पर समूह तो बना लिया, लेकिन आज तक न तो सहायता राशि मिली और न ही कोई स्पष्ट जानकारी दी जा रही है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि नगर पालिका द्वारा कुछ चुनिंदा और अपने करीबी लोगों के समूहों को न केवल सहायता राशि दी जा रही है, बल्कि उन्हें काम भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि कई समूह ऐसे हैं जिनको न तो पैसे दिये जा रहे न ही काम दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब भी कोई मंत्री या जनप्रतिनिधि बालाघाट आते हैं, तो उन्हें केवल भीड़ दिखाने के लिए बुला लिया जाता है। महिलाओं ने कलेक्टर को दिए गए आवेदन में मांग की है कि उनके स्व-सहायता समूहों को शीघ्र सहायता राशि जारी की जाए, ताकि वे समूह के माध्यम से स्वरोजगार शुरू कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें

आस-पास की खबरे

महाविद्यालय में "राष्ट्रीय गणित दिवस" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में 23 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ।

जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित एवं महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन आयंगर को नमन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर गणित विषय से संबंधित क्वीज प्रतियोगिता आयोजित की गई एवं प्रतियोगी परीक्षा में गणितीय प्रश्नों के प्रभाग की जानकारी एवं त्वरित हल की विधियॉ-गणित से रोजगार व स्वरोजगार विषयों पर जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने विद्यार्थियों को गणित का महत्व बताते हुए गणित में रूचि लेने हेतु प्रेरित किया। डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत ने भारत के महान गणितज्ञ रामानुजन और ब्रिटिश गणितज्ञ हार्डी द्वारा प्रतिपादित गणित के सिध्दांतों पर प्रकाश डाला। डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में गणित की उपयोगिता बताते हुए आवश्यक जानकारी प्रदान की। विषय विशेषज्ञ एवं गणित के विद्वान सहायक प्राध्यापक नितेशकुमार द्वारा श्रीनिवास रामानुजन एवं उनके शोध, गणित विषयों प्रमेय, गणित विषयों पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन, सड़क निर्माण की उठी मांग

बम्हनी से डोरली पहुंच मार्ग गड्ढों में तब्दील आवागमन बना परेशानी का सबब

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी दूर ग्राम पंचायत बम्हनी से डोरली को जोड़ने वाला पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है। यानि की सड़क गड्डों में तब्दील हो चुकी है जिसके कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस तरह से विकास के दावों के बीच यह सीमेन्ट सड़क गहरे गड्डों का पर्याय बनकर रह गई है। आलम यह है कि सड़क जगह-जगह से पूरी तरह से उखड़ चुकी है। जिससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है कि सड़क में गड्डे है या गड्डों के बीच कही सड़क बची है। जबकि ग्रामीणों के द्वारा इस सड़क की समस्या से सड़क विभाग एवं जनप्रतिनिधियों को भी अवगत करवा दिया गया है किन्तु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि इस मार्ग से आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है और सड़क में बने गड्डे एवं दरारों के कारण आने-जाने वालों को खासा परेशानी हो रही है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है इसलिए ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने सड़क विभाग से बम्हनी से डोरली पहुंच मार्ग का जल्द निर्माण करवाने की मांग की है।

प्रशासन की अनदेखी से राहगीरों का सफर हुआ मुश्किल

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत बम्हनी से डोरली पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व सीमेंटीकरण नहर का निर्माण किया गया था। लेकिन समय-समय पर सड़क का मरम्मत कार्य नही होने के कारण खस्ताहाल हो चुकी है। इस तरह से प्रशासन की अनदेखी के कारण जगह-जगह से सीमेंट की परते उखड़कर बड़े-बड़े गड्डों में तब्दील हो गई हैं। जबकि यह मार्ग बम्हनी और डोरली के साथ-साथ घोटी, कटंगा, बबरिया, पिपरिया, छिंदलई सहित आसपास के दर्जनों गांवों को जोड़ने वाली मुख्य कड़ी है। इन गांवों के हजारों लोगों के लिए तहसील मुख्यालय तक पहुंचने का यही एकमात्र सीधा रास्ता है। किन्तु सड़क खराब होने के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। वहीं वर्तमान समय में सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से धान खरीदी की जा रही हैं। इस दौरान परिवहन के लिए ओवरलोड ट्रक से परिवहन किया जा रहा है। किन्तु सड़क में बने गड्डे एवं नहर किनारे से ओवरलोड वाहन के गुजरते समय अनियंत्रित होने की संभावना बनी रहती। वहीं इस मार्ग पर अंधेरा रहता है, अगर रात के समय नहर किनारे सड़क से अगर दुपहिया एवं चौपहिया वाहन से कोई तेज गति से गुजरते है और गड्डे दिखाई नही देने पर वाहन अनियंत्रित हो गया तो वे सीधे नहर की ओर जाकर गिर सकते है। जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है और पूर्व में हादसे भी घटित हो चुके है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिसके कारण इस मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीरों एवं ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। जबकि इस मार्ग की समस्या से जिम्मेदार सड़क विभाग को अवगत करवा दिया गया है लेकिन उनके द्वारा इस सड़क की समस्या की ओर ध्यान नही दिया जा रहा है। इस तरह से विभाग की लापरवाही का खामियाजा क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है। राहगीर एवं ग्रामीणों ने बताया कि मार्ग गड्डों में तब्दील हो चुकी है, आये दिन उखड़ी सड़क और गहरे गड्डों के कारण वाहन अनियंत्रित हो रहे हैं, जिससे दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। साथ ही रात के अंधेरे में तो यह मार्ग और भी जानलेवा साबित होता है इसलिए प्रशासन से मांग है कि सड़क का जल्द निर्माण करवाये।

गड्डे दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण - लक्ष्मीचंद

लक्ष्मीचंद नागेश्वर ने बताया कि बम्हनी से डोरली पहुंच मार्ग से आवागमन करना किसी जोखिम से कम नहीं है। सड़क पर इतने अधिक गड्डे हो गये हैं कि आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और गड्डे दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे है। जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है। श्री नागेश्वर ने बताया कि इस मार्ग से रोजाना भारी वाहन गुजरते है एवं आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन व स्कूली बच्चें आना-जाना करते है। लेकिन सड़क खराब होने से आये-दिन दुर्घटना घटित हो रही है एवं स्कूली बच्चे गिरकर चोटिल भी हो रहे है जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

सड़क का जल्द निर्माण करवाये प्रशासन - ढबाले

बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले ने बताया कि सड़क का विगत वर्ष पूर्व निर्माण किया गया है और यह मार्ग बम्हनी से छिंदलई होते हुए लामता की ओर जाती है। लेकिन बम्हनी से डोरली के बीच सीसी सड़क पूरी तरह से खराब हो चुकी है। जिसके कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि वर्तमान समय में सोसायटियों में धान खरीदी का कार्य जारी है एवं ट्रकों के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है और सड़क खराब होने के कारण दुर्घटना की संभावना और बढ़ गई है। श्री ढबाले ने बताया कि सड़क की समस्या के संबंध में कई बार शासन प्रशासन को अवगत करवा दिया गया है, लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिसके कारण लोगों में आक्रोश व्याप्त है, प्रशासन से मांग है कि बम्हनी से डोरली तक सड़क का जल्द निर्माण करवाये।

औल्याकन्हार में दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीबॉल टूर्नामेंट 3 जनवरी से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत औल्याकन्हार स्थित खेल मैदान में फिजिकल क्लब के तत्वाधान में आगामी 3 जनवरी से दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। इस दो दिवसीय आयोजन में जिले सहित आसपास के जिलों की चर्चित और मजबूत पुरूष एवं महिला वर्ग की टीमें भाग लेंगी, जिससे रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। जिसकी तैयारी जारी है और 31 दिसंबर तक पूरी तैयारी पूर्ण हो जायेगी। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवाल टूर्नामेंट को पुरूष एवं महिला वर्ग में आयोजित किया जायेगा। जिसमें पुरूष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 15000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 10000 रूपये। वहीं महिला वर्ग की विजेता टीम को 7000 रूपये, उपविजेता टीम को 5000 रूपये पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु बेस्ट लिफ्टर, बेस्ट अटैकर एवं बेस्ट ऑल राउंडर जैसे विशेष व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिये जायेगें। साथ ही प्रवेश शुल्क 151 रूपये निर्धारित किया गया है और इस खेल में शामिल होने के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है इसलिए व्हॉलीवॉल टीम के खिलाड़ी समयावधि पर पंजीयन करवा लेवें। आगे बताया कि व्हॉलीबॉल टूर्नामेंट के साथ-साथ ग्राम गौरव मेला का भी आयोजन किया गया है। जिसमें ग्रामीण संस्कृति, परंपरा और लोकजीवन की झलक देखने को मिलेगी। वहीं आयोजकों के अनुसार ग्राम गौरव मेले का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ स्थानीय संस्कृति और सामाजिक एकता को मजबूत करना है। साथ ही यह भी बताया कि आयोजन समिति, ग्राम पंचायत एवं क्षेत्रीय सहयोग से टूर्नामेंट और मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। खेल मैदान, दर्शक दीर्घा, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जा रहे है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

बैठक में नवीन कार्यकारिणी का किया गया विस्तार, समाजोत्थान पर की गई चर्चा

ब्लॉक मरार माली समाज की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी निवासी सचिन पंचेश्वर के निवास स्थान में मंगलवार को मरार माली समाज ब्लॉक लालबर्रा की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक मरार माली समाज लालबर्रा के नवनियुक्त अध्यक्ष कैलाश मात्ते सहित जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारी व स्वजातीय बंधुओं की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने राष्ट्रपिता महात्मा 'योतिबाराव फुले, माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित बैठक में ब्लॉक मरार माली समाज लालबर्रा की नवीन कार्यकारिणी का विस्तार, भवन निर्माण, महात्मा फुले उद्यान का जीर्णोद्वार, महिला कार्यकारिणी, युवा प्रकोष्ठ, कर्मचारी प्रकोष्ठ, व्यापारी प्रकोष्ठ का गठन, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। जिसके बाद नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश मात्ते की अनुशंसा पर नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की सर्वसम्मति से नियुक्ति की गई। जिसमें गजेन्द्र देशमुख, श्रीराम नागेश्वर को उपाध्यक्ष, डोंगरूलाल मानेश्वर को सचिव, लक्ष्मीचंद पंचेश्वर, डॉ पवन सिंगरे को सहसचिव, देवीशंकर बिसेन को कोषाध्यक्ष, दिनेश मरार को महामंत्री, मुकेश देशमुख, संतोष पंचेश्वर को संगठन मंत्री, लकेश पंचेश्वर को प्रचार मंत्री, टीकाराम मात्ते को ब्लॉक प्रवक्ता, छन्नूलाल दांदरे, मदन माने को न्याय समिति प्रभारी, राजू पंचेश्वर को मीडिया प्रभारी, डीएल मानेश्वर, श्यामलाल पंचेश्वर, रजलाल मानेश्वर, कोमल पंचेश्वर को संरक्षक नियुक्त किया गया है। जिसके बाद नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष, कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं जिला प्रतिनिधियों के द्वारा अपने-अपने परिचय देकर जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर समाजोत्थान के क्षेत्र में कार्य किये जाने की बात कही गई। वहीं आयोजित बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका निर्वहन बेहतर तरीके से करने एवं लोगों को संगठित कर समाजोत्थान के क्षेत्र में काम कर समाज का विकास करने की बात कही। इस अवसर पर मरार माली समाज जिला प्रतिनिधि श्रीमती सरिता मात्ते, ओपी बिसेन, धनीराम खैरवार, भाऊराम गाड़ेश्वर, शिवचरण मात्ते, मदन माने, मुकेश खरे, सचिन पंचेश्वर, मयंक मात्ते, राजेन्द्र पंचेश्वर सहित अन्य पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ददिया में विधायक अनुभा मुंजारे ने सीसी सड़क एवं सभामंच निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत ददिया में मंगलवार को विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के हस्ते सीसी सड़क एवं सभामंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। यह कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर प्रधानमंत्री खनिज कल्याण मद से मरघट ढोडी से राजेश उइके के घर तक लागत 6.85 लाख से स्वीकृत सीसी सड़क एवं विधायक निधि से सभामंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर आधारशीला रखी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि आप सभी के आशीर्वाद से मैं विधायक बनी हूं और मुझे जनता का सेवा एवं क्षेत्र का विकास करने का अवसर आप लोगों के आशीर्वाद से मिला है। आज लाखों रूपयों की लागत से ददिया में बनने जा रही सीसी सड़क एवं सभामंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया है। यह कार्य ग्राम व क्षेत्र के जनकल्याण के लिए निश्चित रूप से कारगर साबित होगें और जनमानस के जीवन में एक सही गति प्रदान करेगें। साथ ही यह भी कहा कि हम क्षेत्र में विकास पर विशेष प्राथमिकता दे रहे है और विकास कार्य किये भी जा रहे है। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि लालबर्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष मनीराम 'मुन्ना' भोयर जी एक कर्मठ एवं जुझारू संघर्षशील कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। इसी कारण मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने श्री भोयर जी को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा की जिम्मेदारी सौंपी है। जिनका क्षेत्र के विकास की कड़ी को जोड़ने में अपना भरपूर योगदान मिलेगा ऐसी उम्मीद करते हैं। साथ ही यह भी कहा कि श्री भोयर जी का पूरा जीवन समाज सेवा में बिता हैं। इतना लंबा समय आपने समाज सेवा किया है इसलिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी आपकी इसी योग्यता को देखते हुए आपका चयन किया हैं, आप पार्टी हित में काम करें। इस अवसर पर श्रीमती केशरबाई भोयर जनपद सदस्य, श्रीमती ऋषि पंछी भलावी सरपंच, मनीराम मुन्ना भोयर अध्यक्ष-ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, राजेंद्र भलावी सरपंच प्रतिनिधि, तुलसीराम बोपचे, नेतलाल बिसेन पूर्व सरपंच, रूपसिंह ऊईके, युगलकिशोर चारमुड़े, मथुरा बिसेन, शैलेश केकती, नितिन साखला, सुमित स्वामी, मुन्नालाल पटले सरपंच प्रतिनिधि देवरी, यादोराव तितरमारे, धनीराम बिसेन, बी.आर. ढबाले सरपंच, दीपेश बोपचे, संजय आश्वले, रोशनलाल ठाकरे, सूरजलाल बोपचे, रूपचंद बाहेश्वर, लालचंद कटरे, प्रमोद बोपचे, हरिचंद कटरे, रूपेंद्र भोयर उपसरपंच, गणेश आश्वाले, दुर्गाजी आश्वले, श्रीमती प्रभा आश्वाले पंच, विश्वकलाबाई सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मांझापुर में दिन-रात का मेला 31 को

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मांझापुर में गोवारी समाज एवं ग्रामीणजनों के सहयोग से आगामी 31 दिसंबर को गौमाता की मूर्ति अनावरण के अवसर पर दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गौमाता की मूर्ति अनावरण के अवसर पर 31 दिसंबर को प्रात: 8 बजे गौमाता की मूर्ति का ग्राम भ्रमण, प्रात: 11 बजे खिल्यिामुठिया देव की पूजा अर्चना, दोपहर 3 बजे से भंडारा एवं दिन-रात के मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से भव्य नवरंग ड्रामा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम जिलाध्यक्ष कन्हैया रावत के मुख्य आतिथ्य, सरपंच श्रीमती रूखमणी मर्सकोले की अध्यक्षता एवं प्रदेशाध्यक्ष महेश सहारे, महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वाघाड़े के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील मांझापुर गोवारी समाज एवं ग्रामीणजनों ने की है।

बासी नल-जल योजना अधूरी, ना टंकी पूर्ण हुई ना पाइपलाइन

योजना के पानी का इंतजार कर रहे ग्रामवासी, जल संकट गहराने की हैं संभावना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बांसी में करीब ३ वर्ष पहले नल जल योजना स्वीकृत हुई थी। परंतु वहां पर किस्तों में काम किया जा रहा हैं बीते करीब १५ महीने बाद पाइपलाइन का काम चालू हुआ था जहाँ पाइप डालने के बाद बीते करीब १ महीने से कार्य बंद पड़ा हुआ है। जहां नल जल योजना वर्तमान तक अधूरी पड़ी हुई है। क्योंकि निर्माण एजेंसी के द्वारा नाही पानी टंकी पूर्ण की गई और नाही पाइपलाइन का विस्तार पूरा हुआ हैं। जहां ग्रामीणजनों में नल जल योजना स्वीकृत होने की खुशी निराशा में बदल गयी है। इस कार्य की प्रगती विषय को लेकर जिम्मेदार अधिकारी भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिससे स्वीकृति के बाद भी यह योजना पूर्ण होकर प्रारंभ नहीं हो पाई है। इस परिस्थिति में ग्रामीणों को ग्राम के विभिन्न जल स्त्रोत के माध्यम से अपने घर की जरूरत को पूरा करना पड़ रहा है। जिनके द्वारा शासन प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारी की तरफआशा भरी नजर से देख रहे हैं। उक्त समस्या को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है जिनके द्वारा योजना अतिशीघ्र पूर्ण कर ग्रामीणों को सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है।

गर्मी में हेंडपम्प उगलते हैं जंग

बांसी ग्राम का जल स्तर लगातार गिरता जा रहा है वर्तमान में ठंड है तो हैंडपंपों से ठीक ठाक पानी मिल रहा है। परंतु जल संकट गर्मी में बहुत ज्यादा गहराने वाला है क्योंकि गर्मी के समय ग्राम के विभिन्न स्थानों पर जल स्त्रोत के रूप में हैंडपंप स्थित है जिसमें से अधिकांश हैंडपंप बंद पड़े हुए हैं। कुछ में पानी नहीं निकलता है कुछ हैंडपंप है उसमें से जंग युक्त और कीचड़ जैसा पानी निकल आता है। अधिकांश लाल पानी निकलता है परंतु मजबूरी में ग्रामीणों को उसे छानकर पीना पड़ता है। तो वहीं ग्राम में शुद्ध पानी के करीब चार हैंडपंप स्थित है परंतु वह भी जल्द खराब हो जाते हैं क्योंकि पूरे ग्राम का भार उसी पर होता है। जिनकी समय रहते मरम्मत नही होने से वह भी जंग युक्त पानी उगलना प्रारंभ कर देते है। जिससे ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता दिख रहा है।

यह है योजना की स्थिति

ग्राम में पीने के शुद्ध पानी की कमी को देखते हुए ग्रामीणों की मांग पर सरकार के द्वारा हर घर नल हर घर जल योजना अंतर्गत नल जल योजना स्वीकृत की गई थी। जिसका निर्माण कार्य करीब ३ वर्ष पूर्व प्रारंभ किया गया था जिसमें एक ठेकेदार के द्वारा पानी टंकी का निर्माण कर कार्य छोड़ दिया गया था। जिसके बाद दूसरे ठेकेदार के द्वारा पानी टंकी के आसपास की बाउंड्री वॉल खड़ी कर वैसा ही छोड़ दिया गया है। जहां पर गेट पुताई योजना की लिखाई पानी की पाइपलाइन मोटर जैसा कोई भी कार्य नहीं किया गया है। यहां तक की पानी टंकी स्थान पर भरण डालकर फ्लोर भी नहीं बनाई गई है। ग्राम में लम्बे समय के बाद पाइपलाइन का कार्य किया गया किंतु उसके बाद फिर से पूरा काम बंद पड़ा हुआ है। इस परिस्थिति में यह योजना पूर्ण होती है या नहीं होती है यह आश भी ग्रामीणों के द्वारा छोड़ दी गई है। जो प्रशासन से योजना को यथाशीघ्र पूर्ण करने की मांग कर रहे हैं।

नल-जल योजना का तीन वर्ष बाद भी नही हो पाया कार्य पूर्ण-उदय सिंह

ग्रामीण उदय सिंह बारसागड़े ने बताया कि पानी की टंकी तो ३ वर्षों से बन रही है अभी कुछ दिनों पहले पाइपलाइन बिछाई गई है। परंतु कोई पाइपलाइन जोड़ी नहीं गई है और ना ही मोटर लगाई गई है यह जो निरंतर काम चलना चाहिए वैसा काम नहीं हो रहा है। टुकड़ों में काम हो रहा है पहले थोड़ा कुछ किये थे फिर लंबे समय बाद अभी पाइपलाइन डाले हैं। अब कब इसे जोड़ेंगे फिर कब मोटर डालेंगे यह लंबा चलेगा हमारे यहां समस्या पानी की है सामने हैंडपंप है उसे हम लोग पानी लाते हैं। यहां दो हैंड पंप है उससे पूरा टोला पानी पीता है यहां जो काम करने वाले आए थे उनसे तो बात हुई नहीं परंतु हम चाहते हैं कि नल से हमें पानी मिले और जल्दी यह काम पूरा हो बहुत समय हो गया है।

ग्राम में नल जल योजना का पानी नही मिलने से हो रही परेशानी-देवी रूपा

श्रीमती देवी रूपा ठाकरे ने बताया कि हम बांसी रहते हैं हमारे यहां नल जल योजना अधूरी पड़ी हुई है। नहर के नहीं आने से लगातार जलस्तर नीचे जा रहा है ऐसे में नल जल योजना बहुत आवश्यक हो गई है। २ साल से ज्यादा का समय हो गया है अभी तक पूरा काम नहीं हो पाया है कुछ करते हैं फिर चले जाते हैं फिर कुछ करते हैं इस प्रकार चल रहा है। अभी हमारे यहां छोटे.छोटे कुएँ हैं हैंडपंप है उससे पानी लाते है। २०० मीटर दूर जाना पड़ता है कुछ लोग और दूरी से पानी लाते हैं। जल संकट गहराने से हैंडपंप से पानी ज्यादा नहीं निकलता है पाइप अभी जोड़ा नहीं गया है। केवल डाल दिए हैं अब इसकी फिटिंग कब होगी पता नहीं पूरा अधूरा काम चल रहा है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि यदि नल जल योजना की ऐसी स्थिति है तो उक्त संबंध में संबंधित ठेकेदार को जल्द कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया जाएगा।

विजय तिवारी
एसडीओ पीएचई वारासिवनी

रामपायली के किसानों ने की रबी फसल के लिये १२ घंटे बिजली देने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सरकार किसानों को उन्नतशील बनाने के अनेक अनेक योजनाएं क्रियान्वित करती है लेकिन वह धरातल पर हकीकत ना होकर केवल कागजों पर सीमित रह जाती है और हर हाल में अन्नदाता को खून के आंसू बहाने की नौबत आन पड़ती है। रामपायली सहित आसपास के ५० ग्रामों में किसान खरीब एवं रबि की फसल पर निर्भर है जिसके लिए अब उन्हें सिंचाई आवश्यकता होती है। नहरों की हालत इस काबिल इस क्षेत्र की नहीं है जिससे पानी का समुचित सदुपयोग हो सके नहर आते भी है तो नेहरो की जर्जरता के चलते पानी खेतों में ना जाकर आसपास बह जाता है। जिसके चलते सिंचाई जल किसानों को पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पाता किसानों ने इस परेशानियों से मुक्ति पाने के लिए अपने अपने खेतों में बैंकों से ऋण लेकर मोटर पंप लगा रखे हैं। लेकिन अब बिजली समय समय पर विद्युत कंपनी के द्वारा लगा दिया जाता है। १० घंटे बिजली मोटर पंप किसानों को दी जाने की घोषणा तो हो चुकी है। जिसमें दिन में ५ घंटे और रात १२ से ३ बजे रात तक ३ घंटे विद्युत पूर्ति की जा रही है। लेकिन यह विद्युत पूर्ति ना काफी है जिससे किसानों को उन्नतशील होने का अब संकट उनके माथे पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है। विगत लंबे समय से नगर एवं क्षेत्र के किसानों द्वारा मांग की जा रही है कि पर्याप्त मात्रा में केवल दिन में ही बिजली पूर्ति की जाए जिससे किसान साल भर अपने खेतों को हरा भरा रखकर आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में विजय हासिल करें। किंतु सरकार सात से आठ घटे ब मुश्किल विद्युत पूर्ति कर पाती है। जिससे किसान दिन में तो सिंचाई कर लेते हैं लेकिन रात के १२ बजे से ३ बजे रात तक खेतों में जाकर सिंचाई करना असंभव सा प्रतीत जान पड़ता है। जहरीले जीव जंतु का भय सदैव बना रहता है इसलिए रात की विद्युत पूर्ति बंद कर दिन में १२ घंटे विद्युत सप्लाई पूर्ति किए जाने की मांग कृषक रमाकांत कापरे, राजकुमार गोंदुडें, गोविंदा कुनबी, सहदेव राऊत, यादो बानेवार, महादेव बानेवार, पुनाजी राऊत, सुभाष राऊत, चैन सिंह बैस ने की है। जिला कृषक संगठन के अध्यक्ष कुंज बिहारी दुबे ने बताया कि सरकार किसानों के हितार्थ अनेक योजनाएं की घोषणा अवश्य करती है। लेकिन वह घोषणा घोषणा रहकर शासकीय कार्यालय के फाइलों में कैद रहती है जिससे आम किसानों तक पहुंच नहीं पाती किसानों को हर हाल में खून के आंसू ही रोने की नौबत आन पड़ती है। ना किसानों को पर्याप्त धान का रेट मिलता है और ना ही फसल निकालने के लिए पर्याप्त विद्युत पूर्ति की जाती है। ऐसे में प्रदेश का किसान आर्थिक रूप से कैसे मजबूत हो पाएगा सरकार कोरी बयान बाजी कर केवल किसानों के वोट लेना जानती है।

शिक्षा एक ऐसा धन है जिसे कोई ना चुरा सकता ना ही बाट सकता-विवेक

महाविद्यालय में छात्र छात्राओं का बिदाई समारोह सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय के छात्र. छात्राओं ने नगर के एक निजी लॉन में बिदाई समारोह का आयोजन किया। जिसमें सीनियर छात्र छात्राओं को बिदाई दी गई एवं छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति और पुरानी यादें हंसी मजाक के लिए उत्साह का आनंद लिया जिससे यह यादगार पल बन गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक विवेक पटेल शामिल हुए जहां छात्र छात्राओं ने उनका स्वागत किया। जिसके पश्चात अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान आयोजक सुशील गणवीर, अभिनय डोंगरे, ऋतिक गौतम, त्रिलोक सिरसाम, विजय धार्मिक, उज्वल गौतम, दीपक खरोले, राज शिंदे, गौरव चौरे, विशाल डायरे, कार्तिक डोंगरे, सुरभि मेश्राम, प्रियांशी बाहेश्वर, हिमांशी तूरकर, सलोनी पटले सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि यह बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आएगा। यह समारोह छात्रों के जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय के अंत और नए सफर के शुरुआत का प्रतीत होता है। जिसमें पुरानी यादें ताजा की जाती है छात्राओं ने नृत्य और अन्य कलाकारों के माध्यम से समारोह को यादगार बनाया और अपने शिक्षकों का सम्मान किया। जीवन का सबसे भावात्मक और कठिन क्षण बिदाई समारोह होता है, यह वह समय होता है जब विद्यार्थी अपने प्रिय शिक्षकों दोस्तों और कॉलेज से बिदाई लेते है। यह दिन एक ओर जहां खुशी लाता है तो दूसरी ओर आंखों में आशु भर देता है। शिक्षा ही एक ऐसा धन है जिसे कोई चुरा नहीं सकता और ना ही इसे कोई बाट सकता है। आप लोग कड़ी मेहनत कर अपने मुकाम को हासिल करें और अपने माता पिता और विद्यालय का नाम रोशन करे।

कॉलेज प्रवेश द्वार पर व्यवस्था बनाने सड़क चौड़ी करने की मांग

विद्यार्थियों ने एसडीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वाधान में एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के नाम का ज्ञापन नायाब तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरिया को सौंपा है। यह ज्ञापन विद्यार्थियों के द्वारा बीते दिनों महाविद्यालय की छात्रा काजल फहे के साथ हुए गंभीर एक्सीडेंट को लेकर कॉलेज के सामने स्थित सड़क के चौड़ीकरण करने स्पीड ब्रेकर निर्माण करने मांग की गइ। ज्ञापन में बताया कि एस एसपी कॉलेज के सामने स्थित मुख्य मार्ग वर्तमान में अत्यंत सकरा एवं असुरक्षित हो चुका है। जिसके कारण वहाँ निरंतर सड़क दुर्घटनाएँ घटित हो रही हैं। यह मार्ग प्रतिदिन सैकड़ों विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों की आवाजाही का प्रमुख मार्ग है। किंतु मार्ग की संकीर्णता के कारण विद्यार्थियों को आवागमन में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है तथा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व इसी स्थान पर कॉलेज की छात्रा काजल गंभीर सड़क दुर्घटना का शिकार हुई। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई है तथा वर्तमान में उसका उपचार नागपुर में जारी है। यह घटना जन सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद माँग करता है कि उक्त स्थान पर स्पीड ब्रेकर चेतावनी संकेतक एवं अन्य आवश्यक यातायात सुरक्षा उपाय तत्काल सुनिश्चित किए जाएँ। जिससे भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। यह विषय केवल एक सड़क का नही बल्कि नागरिकों के जीवन सुरक्षाए विशेष रूप से विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है। यदि शीघ्र आवश्यक कार्यवाही नहीं की गई तो विद्यार्थी परिषद को जनहित में आंदोलनात्मक कदम उठाने हेतु बाध्य होना पड़ेगा। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी। विद्यार्थियों ने बताया कि महाविद्यालय के सामने १० फीट चौड़ी सड़क है और उसके दोनों तरफ विभिन्न प्रकार की दुकानें संचालित होती है। जहां विद्यार्थियों का आवागमन और उसके साथ बस ट्रक ट्रैक्टर जैसे छोटे.बड़े सभी प्रकार के वाहन का आना जाना होता हैं। यह जो मार्ग है सीधा डोंगरमाली से गोंदिया महाराष्ट्र जोड़ता है जहां से वर्तमान में बहुत ज्यादा ट्रैफिक्र बढ़ गया है। ऐसे में कई बार जाम की स्थिति निर्मित होती है इसके लिए कई बार महाविद्यालय से मांग की गई है पर वर्तमान तक कोई स्थाई निराकरण नहीं किया गया है। जिसका परिणाम है कि सड़क किनारे दुकान लग रही है अनियंत्रित वाहन खड़े हो रहे हैं जिसका सीधा असर विद्यार्थियों के जीवन पर पढ़ रहा है। क्योंकि कभी भी कोई भी दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है बीते दिनों एक छात्र पिकअप की चपेट में आ गई ऐसे ही कभी बड़ी दुर्घटना भी हो जाती है। क्षेत्र का इकलौता बड़ा महाविद्यालय है जहां ग्रामीण क्षेत्र से हजारों बच्चे आते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा का महाविद्यालय प्रशासन और स्थानीय प्रशासन की जवाबदारी है। पर उस पर सभी शांत नजर आ रहे हैं हम यही चाहते हैं कि बेहतर व्यवस्था बनाई जाए सुगम यातायात की व्यवस्था हो दुर्घटना का खतरा समाप्त हो। इस अवसर पर वरुण झरिया, सत्यम कुम्हरे, मयंक ह्यूमनेकर, रोहित राणा, प्रिंस नगपुरे, रुचि सोनकुसरे, तुषार बिसेन, शीतल सहित अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं पर अल्याचार बंद हो-डॉ. नीरज अरोरा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारत तिब्बत समंवय संघ के महाकौशल प्रांत के अध्यक्ष डॉ. नीरज अरोरा ने बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार की घोर निन्दा की है। उन्होने कहा है कि अंतराष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को इसमें तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिये। बांग्लादेश की आजादी में तत्कालीन भारत सरकार का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज वहां पुन: गुलामी का दंश रह रहे हिन्दुओं को झेलना पड रहा है। इस विषय पर भारत सरकार को अंतराष्ट्रीय मंच पर शीघ्र अतिशीघ्र ठोस कदम उठाये जाने चाहिये। बांग्लादेश की सरकार को भी राजधर्म का पालन करना चाहिये ताकि सभी नागरिकों को समानता एवं सुरक्षा मिल सके। हमारे राष्ट्र में भी इस विषय को लेकर सम्पूर्ण विपक्ष को सरकार के साथ खडे होकर विश्व शांति का संदेश देना चाहिये। आज देश में पक्ष और विपक्ष साथ खडे होगा तो विश्व को एक अलग संदेश जायेगा कि भारत में तुष्टीकरण की राजनीति नही होती है। आज बांग्लादेश में जिस तरह पाकिस्तान एवं चीन का हस्तक्षेप हो रहा है यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। पूर्व में भी चीन द्वारा तिब्बत पर अवैध कब्जा किया एवं हमारे आराध्य भगवान शिव की जन्मस्थली कैलाश मानसरोवर को अपने कब्जे में रखा है। यह भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। इस तरह के पाकिस्तान एवं चीन के कुतिसत क्रियाकलापों की भारत तिब्बत समंवय संघ भत्सना करता है एवं समस्त हिन्दुओं से आव्हान करता है कि इस अन्याय का भरपूर विरोध अपने-अपने जिले में अवश्य करें। ताकि इस विरोध की गूंज अंतराष्ट्रीय मंच तक जा सके। भारत तिब्बत समंवय संघ के संस्थापक राजेन्द्र सिंह चतुर्थ सर संघ चालक है जिन्हे इस तरह के कुत्सित प्रयासों का आभास था। इसे ध्यान में रखते हुये भारत तिब्बत संम्वय संघ संगठन का निर्माण किया। जो अंतराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र हित में कार्य कर सके, जागरूक कर सकें ताकि भारत की सीमाएं सुरक्षित रहें।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

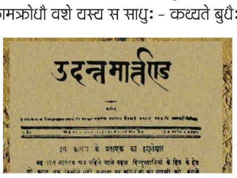

फिर महंगा सफर और उन वादों का क्या ?

भारतीय रेल को देश भर में कहीं आने-जाने के सबसे सुगम और अहम साधन के रूप में जाना जाता है। हर रोज लाखों लोग अपने गंतव्य तक जाने के लिए इसका सहारा लेते हैं। आए दिन सरकार गुणवत्ता के लिहाज से इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला बनाने के लिए कदम उठाने का दावा करती रहती है। मगर विचित्र यह है कि आज यात्रियों के लिए ट्रेन से सफर करना जहां एक दुस्वप्न बनता जा रहा है, वहीं सरकार जब चाहे, किराया बढ़ाने में कोई संकोच नहीं करती। हाल ही में ट्रेन में यात्री के सामान ले जाने पर वजन की सीमा लगा देने और तय वजन से ज्यादा ले जाने पर अतिरिक्त शुल्क चुकाने के नियम लागू होने की खबर आई थी। अब भारतीय रेलवे ने छब्बीस दिसंबर से यात्री किराए में भी बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। इसके तहत अब दो सौ पंद्रह किलोमीटर से ज्यादा के सफर के लिए किराया एक से दो पैसे प्रति किलोमीटर बढ़ा दिया गया है। देखने में यह छोटी बढ़ोतरी लगती है, लेकिन इस इजाफे से सिर्फ अगले करीब तीन महीने में ही सरकार को लगभग छह सौ करोड़ रुपए अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि अपनी आय बढ़ाने के लिए सरकार कितनी सजग है। मगर शायद इस बात का ध्यान रखना कभी जरूरी नहीं समझा जाता कि इस तरह किराया बढ़ाने का औचित्य तभी साबित हो सकता है जब यात्रियों के लिए यह असुविधाजनक न हो। यह कोई छिपी हकीकत नहीं है कि पिछले कुछ समय से ट्रेन में सफर करना कई बार कितना त्रासद साबित हो रहा है। एक से दूसरे शहर या अपने घर जाने वाले लोग अगर ट्रेन से जाना चाहते हैं, तो इसके लिए आरक्षित टिकट मिलना आसान नहीं रह गया है। अगर किसी व्यक्ति को हफ्ते या एक महीने पहले आरक्षित टिकट मिल जाए, तो उसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जाता है। बहुत ज्यादा सुविधाओं वाली कुछ महंगी ट्रेनों के बरक्स साधारण डिब्बों में सफर की मुश्किल की कल्पना करना भी मुश्किल है, जहां लोग निर्जीव सामान की तरह किसी तरह मरते-जीते जाते हैं। इसके अलावा, ट्रेन में सामान की चोरी से लेकर लूटपाट जैसी घटनाओं पर लगाम लगा पाना आज भी एक चुनौती है। फिर पिछले कुछ समय के दौरान ट्रेनों के पटरी से उतरने से लेकर अन्य स्वरूप में जिस तरह के हादसे हुए हैं, वे बताते हैं कि भारतीय रेल से कहीं जाना कितना सुरक्षित है।

ऐसा लगता है कि अलग-अलग मद में पैसा बढ़ाने के लिए बजट या किसी औपचारिक मौके का इंतजार करने की परंपरा खत्म हो गई है और सरकार अपनी सुविधा के अनुसार जब जी चाहे, नया किराया तय कर देती है। दूसरी ओर, ट्रेनों की भारी कमी और यात्रियों को ले जाने की सीमा की वजह से रेलवे स्टेशनों पर लोगों की भीड़ बताती है कि ट्रेन से सफर को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के सरकारी दावे की असलियत क्या है। विडंबना यह है कि अपनी सामान्य या नियमित आय में अतिरिक्त बढ़ोतरी के लिए ट्रेन का किराया बढ़ाने या अन्य प्रत्यक्ष और परोक्ष तरीकों के जरिए यात्रियों से ज्यादा पैसा वसूलने को लेकर अति-सक्रिय रहने वाली सरकार की नजर में यात्री सुविधाएं कोई प्राथमिक सवाल नहीं हैं। उसके लिए यह भी ध्यान रखना जरूरी नहीं है कि ज्यादा किराया चुकाने का बोझ उठाने वाले बहुत सारे आम लोगों की आमदनी में कितनी बढ़ोतरी हुई है। क्या यह एक अफसोसनाक तस्वीर नहीं है?

भारत के करोड़ों मेहनतकश लोगों की वित्तीय ताक़त को ख़त्म करने और योजना से वंचित करने की साजिश

मनरेगा : बुलडोजर से खात्मा

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के पहले कार्यकाल के दौरान, 5 सितंबर, 2005 को ऐतिहासिक महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) हकीकत बना। मनरेगा भारत के संविधान के अनुच्छेद 41 से प्रेरित एक अधिकार-आधारित कानून था, जो सरकार से नागरिकों के काम के अधिकार को सुरक्षित करने का आह्वान करता है। इसे लगभग 13 महीने तक चली सार्वजनिक सलाह-मशविरे की एक व्यापक प्रक्रिया के माध्यम से विकसित और आकार दिया गया था। संसद के दोनों सदनों ने इस बिल को उत्साह और सर्वसम्मति से पारित किया था।

पिछले कुछ दिनों में, नरेंद्र मोदी सरकार ने बिना किसी चर्चा, सलाह-मशविरे या संसदीय प्रक्रियाओं या केंद्र-राज्य संबंधों का सम्मान किए बिना मनरेगा को खत्म करने के लिए बुलडोजर चलाया। महात्मा का नाम हटाना तो बस शुरुआत थी। मनरेगा की पूरी संरचना, जो इसके प्रभाव के लिए इतनी ज़रूरी थी, उसे खत्म कर दिया गया है। यह याद रखना चाहिए कि यह दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा पहल थी और जिसका सबसे गहन अध्ययन और मूल्यांकन भी किया गया है। इन सभी अध्ययनों ने हमारे समाज के सबसे कमज़ोर वर्गों पर इसके परिवर्तनकारी प्रभावों पर ज़ोर दिया है।

चरणों में खात्मा की योजना

अपनी शुरुआत से ही, मनरेगा को सिर्फ़ एक योजना से कहीं ज़्यादा के रूप में देखा गया था - संकट में ग्रामीण परिवारों की वास्तविक मांग के आधार पर गारंटीशुदा रोज़गार के रूप में। मोदी सरकार ने अपने नए कानून में कानूनी गारंटी के विचार को ही खत्म कर दिया है, जो नौकरशाही प्रावधानों का एक समूह मात्र है।

मनरेगा ने पूरे ग्रामीण भारत में काम के अधिकार को लागू किया था। मोदी सरकार के नए बिल ने योजना के दायरे को केंद्र सरकार द्वारा अपने विवेक से अधिसूचित ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित कर दिया है।

जबकि पहले, केंद्रीय आवंटन की कोई सीमा नहीं थी, अब एक पहले से तय बजटीय आवंटन है जो हर राज्य में दिए जाने वाले रोज़गार के दिनों की संख्या को सीमित करता है। इसलिए, काम के दिनों की संख्या लोगों की ज़रूरतों के बजाय केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं पर निर्भर करती है।

पूरे साल रोज़गार की गारंटी खत्म कर दी गई है। राज्य सरकारों से कहा गया है कि वे कृषि के चरम मौसम के दौरान 60 दिन ऐसे पहचानें जिनमें कोई काम नहीं किया जाएगा। मनरेगा के सबसे बड़े प्रभावों में से एक ग्रामीण भारत में भूमिहीन गरीबों की मोलभाव करने की शक्ति को बढ़ाना था, जिससे कृषि मज़दूरी बढ़ी है।

इस शक्तिशाली सोशल सिक्योरिटी दखल को खत्म करने के करोड़ों लोगों के लिए पूरे ग्रामीण भारत में विनाशकारी नतीजे होंगे.

नए कानून के तहत निश्चित रूप से इसमें कमी आएगी। मोदी सरकार मज़दूरी में बढ़ोतरी को दबाने की कोशिश कर रही है, और वह भी ऐसे समय में जब आज़ादी के बाद पहली बार कृषि में रोज़गार का अनुपात बढ़ा है, जो कि होना नहीं चाहिए था।

मनरेगा ने राज्य सरकारों को ज़्यादातर वित्तीय बोझ से मुक्त कर दिया था, क्योंकि लागत-बंटवारे का अनुपात 90~10 था, जिसे केंद्र सरकार वहन करती थी। इससे राज्य सरकारों को अपनी वित्तीय मजबूरियों के बजाय मांग के जवाब में इस योजना को गंभीरता से लागू करने के लिए प्रोत्साहन मिला। अब, नया लागत-बंटवारे का अनुपात 60~40 है। इससे भी बुरा, केंद्र सरकार के पहले से तय आवंटन से ज़्यादा होने वाला कोई भी खर्च अब पूरी तरह से राज्यों को उठाना होगा। असल में, खर्च का एक बड़ा हिस्सा राज्यों पर डालकर, मोदी सरकार राज्यों को इस योजना के तहत काम देने से हतोत्साहित कर रही है। राज्यों की वित्तीय स्थिति, जो पहले से ही गंभीर तनाव में है, और भी ज़्यादा खराब हो जाएगी।

कार्यक्रम के मांग-आधारित स्वरूप को खत्म करने के अलावा, मोदी सरकार ने इस योजना के विकेन्द्रीकृत स्वरूप को भी खत्म कर दिया है। 73वें संवैधानिक संशोधन के अनुसार, मनरेगा में ग्राम सभा को कामों की योजना बनाने के साथ-साथ योजना की मुख्य कार्यान्वयन प्राधिकरण होने का प्रावधान था। स्थानीय स्व-शासन की इस संवैधानिक सोच को एक टॉप-डाउन पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (क्क्लस - हस्क्क) से बदल दिया जाएगा, जो अनिवार्य रूप से स्थानीय ज़रूरतों के बजाय केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाएगा। यह बदले की भावना से किया गया केंद्रीकरण है।

मोदी सरकार झूठे दावे कर रही है कि उसने रोज़गार गारंटी को 100 दिन (मनरेगा के तहत) से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया है। ऊपर बताए गए सभी कारणों से, निश्चित रूप से ऐसा नहीं होगा। दरअसल, मोदी सरकार के इरादों की असली प्रकृति को मनरेगा को खत्म करने के उसके एक दशक लंबे ट्रैक रिकॉर्ड से समझा जा सकता है। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री द्वारा सदन में इस योजना का मज़ाक उड़ाने से हुई और यह %हज़ार कटों से मौत% की रणनीति के ज़रिए तेज़ी से आगे बढ़ा, जैसे कि बजट में ठहराव, अधिकार छीनने वाली तकनीक का इस्तेमाल और मज़दूरों को देरी से भुगतान।

इसके नुकसान का असर

पिछले 20 सालों से, मनरेगा सरकार के पास उपलब्ध सबसे शक्तिशाली सामाजिक सुरक्षा हस्तक्षेप रहा है। इसने बेहतर प्रदर्शन किया है।

करोड़ों नागरिकों को मज़दूरी मिली, मौसमी पलायन कम हुआ, और ग्राम पंचायतों को बहुत ज़्यादा अधिकार मिले। ग्राम सभाओं द्वारा किए गए सोशल ऑडिट से जवाबदेही और पारदर्शिता की एक नई संस्कृति आई। कोविड -19 महामारी के दौरान, जब पूरी अर्थव्यवस्था बुरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गई थी, मनरेगा उन दो तरीकों में से एक था जिसके ज़रिए सरकार गरीब और समाज के सबसे कमज़ोर वर्गों तक पहुँच पाई, दूसरा था राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013। कोविड -19 के अलावा, इस योजना के तहत काम की लगातार बढ़ती माँग ही ग्रामीण आजीविका सुनिश्चित करने के लिए इसकी निरंतर आवश्यकता को साबित करती है। इसे खत्म करने के ग्रामीण भारत के करोड़ों लोगों के लिए विनाशकारी परिणाम होंगे।

काम के अधिकार को खत्म करने को अकेले नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे सत्ताधारी प्रतिष्ठान द्वारा संविधान और देश के लिए उसके अधिकार-आधारित दृष्टिकोण पर लंबे हमले के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। वोट देने का सबसे मौलिक अधिकार अभूतपूर्व हमले की चपेट में है। सूचना के अधिकार को ऐसे विधायी बदलावों से अपवित्र किया गया है जो सूचना आयुक्तों की स्वायत्तता को कमज़ोर करते हैं, और %व्यक्तिगत जानकारी% डेटा के लिए अधिनियम से थोक छूट देकर। शिक्षा के अधिकार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा कमज़ोर किया गया है, जिसने देश भर में लगभग एक लाख प्राथमिक स्कूलों को बंद करने को वैध ठहराया है। वन अधिकार अधिनियम, 2006 को वन (संरक्षण) नियम (2022) द्वारा काफी कमज़ोर कर दिया गया, जिसने वन भूमि के डायवर्जन की अनुमति देने में ग्राम सभा को किसी भी भूमिका से हटा दिया। भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजे और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 को काफी कमज़ोर कर दिया गया है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम, 2010 पारित होने के बाद अक्टूबर 2010 में स्थापित राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण को नपुंसक बना दिया गया है। तीन काले कृषि कानूनों के माध्यम से, सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के अधिकार से वंचित करने का प्रयास किया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013, शायद अगला निशाना हो सकता है।

मनरेगा ने महात्मा गांधी के सर्वोदय ('सभी के कल्याण') के दृष्टिकोण को साकार किया और काम के संवैधानिक अधिकार को लागू किया। इसकी मौत हमारी सामूहिक नैतिक विफलता है, जिसके आने वाले वर्षों में भारत के करोड़ों मेहनतकश लोगों के लिए वित्तीय और मानवीय परिणाम होंगे। अब पहले से कहीं ज़्यादा ज़रूरी है कि हम एकजुट हों और उन अधिकारों की रक्षा करें जो हम सभी की रक्षा करते हैं।

-सोनिया गांधी
(कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन हैं)
(द हिन्दू, 22 दिसम्बर 2025 से साभार)

-मिशेल डी मोंटेग्ने

दिशा हमारी इच्छा, समझ और सजगता से बनती है। जिसने जीने की कला सीख ली, वह थोड़े समय में भी जीवन का सार पा लेता है, और जिसने यह कला नहीं सीखी, वह लंबे जीवन में भी खाली हाथ रह सकता है।

जीवन अवसर देता है, दिशा नहीं

जीवन का मूल्य दिनों की गिनती में नहीं, बल्कि इस बात में है कि हम उन दिनों को कैसे बरतते हैं। बहुत से लोग लंबा जीवन जीते हैं, पर जीवन उन्हें भीतर से समृद्ध नहीं कर पाता। और कई ऐसे भी होते हैं, जिनके दिन कम होते हैं, पर उनका अनुभव गहरा और पूरा होता है। मतलब समय अपने आप में कुछ नहीं है, उसे अर्थ हमारा विवेक और संकल्प देता है। मनुष्य प्राय: यह मान लेता है कि अधिक वर्ष सुख और संतोष देंगे, पर जीवन इस प्रकार नहीं चलता। जीवन हमें अवसर देता है, दिशा नहीं। दिशा हमारी इच्छा, हमारी समझ और हमारी सजगता से बनती है। जिसने जीने की कला सीख ली, वह थोड़े समय में भी जीवन का सार पा लेता है, और जिसने यह कला नहीं सीखी, वह लंबे जीवन में भी खाली हाथ रह सकता है। संतोष न तो भाग्य की देन है और न ही वर्षों की कमाई। वह हमारे भीतर की स्थिति है। यदि मन अशांत है, तो सुविधाओं और समय की अधिकता भी व्यर्थ हो जाती है। यदि मन स्थिर है, तो सीमित साधनों और कम समय में भी जीवन पूर्ण प्रतीत होता है। जीवन से मिलने वाली तृप्ति इस बात पर निर्भर करती है कि हम उसे कितनी स्पष्ट दृष्टि से देखते हैं, न कि इस पर कि वह कितना लंबा है। जीवन का सही उपयोग उसे समझने में है, न कि वर्ष गिनने में। जो व्यक्ति हर दिन को बिना देखे, बिना सोचे, केवल आदत में जीता है, वह धीरे-धीरे जीवन को खो देता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति स्वयं पर विचार करता है, अपने अनुभवों को परखता है और उनसे सीखता है, वह हर दिन जीवन को थोड़ा और गहराई से जीता है। आत्मचिंतन जीवन का बोझ नहीं, बल्कि प्रकाश है। मनुष्य अक्सर जीवन को भविष्य की चिंता में या अतीत की स्मृतियों में नष्ट कर देता है। वह वर्तमान को जीने के स्थान पर टालता रहता है। पर जीवन केवल इसी क्षण में उपस्थित होता है। जो वर्तमान से चूक गया, वह जीवन से चूक गया। समय को थामना हमारे वश में नहीं, पर इस क्षण को समझना और जीना वश में अवश्य है। जीवन को समझदारी के साथ हल्केपन में जीना अधिक स्वाभाविक है। हंसी, स्वीकार और संतुलन, ये जीवन के सच्चे सहचर हैं। जो हर गिरावट को अपमान समझता है, वह जीवन से डरने लगता है। और जो गिरने में भी सीख देखता है, वह जीवन के निकट पहुंच जाता है। आज मनुष्य तुलना में उलझा हुआ है। वह अपने वर्षों को दूसरों के वर्षों से तौलता है, अपने जीवन को दूसरों के जीवन से आंकता है। पर जीवन कोई समान माप का वस्त्र नहीं है। हर व्यक्ति को अपना जीवन स्वयं समझना होता है, स्वयं जीना होता है। दूसरे की गति, दूसरे की उपलब्धि, दूसरे की राह, इनसे जीवन का मूल्य तय नहीं होता। जीवन की महानता उसके विस्तार में नहीं, उसकी सजगता में है। जिसने जीना जान लिया, उसके लिए समय पर्याप्त है। और जिसने नहीं जाना, उसके लिए अनंत समय भी कम कम है।

सूत्र : सकारात्मक रहें

जीवन सदा ही सुंदर रहा है, अंतर केवल देखने के दृष्टिकोण का है। कोई कमल के फूल को देखकर उसे कीचड़ में उगा हुआ कहकर दूर हो जाता है, जबकि जो उसकी वास्तविक सुंदरता को पहचानता है, उसके लिए वही दृश्य आनंद का क्षण बन जाता है। जीवन भी ठीक इसी प्रकार है, जब सोच सकारात्मक होती है, तब सब कुछ अच्छा प्रतीत होने लगता है।

दुनिया

जीवन के अद्भुत रंग

जीवन एक अनोखा सफर है, जो हमें नए अनुभवों, नई चुनौतियों और नई संभावनाओं से भर देता है। यह एक ऐसा रंगमंच है, जहां हर इंसान अपनी कहानी खुद लिखता है। जीवन का कोई निश्चित अर्थ नहीं है, लेकिन हमें अक्सर बताया जाता है कि जीवन का मकसद क्या है। दरअसल, जीवन का अर्थ हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग होता है। किसी को खूब पैसे कमाने होते हैं, तो किसी को खूब नाम कमाना होता है। जीवन एक खाली कैनवास है और हम ही वह चित्रकार हैं, जो इसे रंगों से भर सकते हैं। यह एक मौका है, जब अपने लिए एक नया अर्थ, एक नया रास्ता बनाने के लिए अपनी कहानी के कैनवास में रंग भर सकते हैं। हम अपने सपनों को सच करने की हिम्मत कर सकते हैं, अपने डर को गले लगाकर उसे ताकत में बदलने की कोशिश कर सकते हैं। जो समाज के बनाए बेबुनियाद नियमों से ऊपर उठता है, जो अपनी कमजोरियों को चुनौती देता है और अपने भीतर की अनंत संभावनाओं को खोजता है, वही अपने सपनों तक पहुंच पाता है।

हम सबके भीतर वह शक्ति है कि हम सामान्य से असाधारण बन सकें, लेकिन इसके लिए हमें अपने डर, शक और समाज की उन रूढ़ियों को तोड़ना होगा, जो हमें जकड़ती हैं। अपने आप को बार-बार नया बनाने और हर दिन एक बेहतर इंसान बनने की कोशिश करने की जरूरत है। हर दिन खुद से पूछना चाहिए कि क्या मैं आज वह इंसान हूं जो कल था। दुख और पीड़ा से कोई नहीं बच सकता, लेकिन इनसे भागने की जरूरत नहीं है। पीड़ा हमारी दुश्मन नहीं, बल्कि गुरु है। हर दुख, असफलता, हमें कुछ सिखाती है। बल्कि जीवन में जब भी दुख आता है, तब वह एक तरह से व्यक्ति को मांजता है और जीवन के अगले अध्याय को बेहतर तरीके से जीने की राह खोजने की ओर प्रवृत्त करता है। दुख की अपेक्षा कोई नहीं करना चाहेगा, लेकिन सुख की महत्ता तभी समझ में आती है, जब दुख से गुजरना होता है।

जब जीवन नीचे गिराए, तो उठ कर और मुस्कराकर आगे बढ़ना चाहिए। जीवन एक नृत्य है, संगीत है, जिसे हमें अपने तरीके से जीना चाहिए। समाज हमें नियमों में बांधना चाहता है कि यह करो, वह मत करो, लेकिन यह वही वक्त होता है, जब हमें थोड़ा ठहर कर सोचना चाहिए और अपने दिल की सुननी चाहिए। बस इतना जरूरी है कि हमारे दिल की बात के समांतर किसी और का दिल न दुखे या उसकी जिंदगी बाधित न हो। जीवन का आनंद उसकी आजादी में है, उसकी रचनात्मकता में है। यह आनंद अकेले नहीं, बल्कि दूसरों के साथ है। प्रेम, दोस्ती कि सी व्यक्ति के जीवन में जब भी दुख आता है, तब वह एक तरह व्यक्ति को मांजता है और जीवन के अगले अध्याय को बेहतर तरीके से जीने की राह खोजने की ओर प्रवृत्त करता है। दुख की अपेक्षा कोई नहीं करना चाहेगा, लेकिन सुख की महत्ता तभी समझ में आती है, जब दुख से गुजरना होता है।

और रिश्ते, ये वे रंग हैं, जो हमारे जीवन को और खूबसूरत बनाते हैं। प्रेम वह नहीं, जो हमें कमजोर बनाए। सच्चा प्रेम वह है, जो हमें और मजबूत बनाए, जो हमें हमारे असली स्वरूप को खोजने में मदद करे। अपने रिश्तों में ईमानदार रहा जाए और उन लोगों को चुना जाए, जो हमें ऊपर उठाएं, न कि नीचे खींचें। अपने कर्मों को इतना बड़ा करना चाहिए कि वे समय की सीमाओं को पार करें। हमारा हर कदम, मेहनत, सपना हमें अमर बना सकता है। अपने आप को इतना मजबूत बनाना चाहिए कि हमारी कहानी दुनिया को प्रेरणा दे। अपने भीतर दया, करुणा और प्रेम मानवता के तीन महत्त्वपूर्ण पहलू को शामिल कर लेना चाहिए, जो हमारे जीवन को समृद्ध और अर्थपूर्ण बनाते हैं। ये गुण हमें दूसरों के साथ जुड़ने, उनकी जरूरतों और भावनाओं को समझने और उनकी मदद करने के लिए प्रेरित करते हैं। जब हम दया, करुणा और प्रेम दिखाते हैं, तो हम दूसरों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं और अपने जीवन को अधिक अर्थपूर्ण बना सकते है। ये गुण हमें दूसरों के साथ जुड़ने और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद करते हैं।

जीवन एक चुनौती है, एक अवसर है, और सबसे बढ़कर, एक उपहार है। किसी भी स्थिति में इसे बेकार नहीं गंवाना चाहिए। अपने भीतर जीने की आग को जलाए रख कर अपने तरीके से जीने की हिम्मत करने और अपने सपनों को सच करने की कोशिश करने की जरूरत है। जीवन का आनंद उसकी आजादी में है, रचनात्मकता में है और दूसरों के साथ है। है। अगर हमारे भीतर एक सुखी और सफल जीवन जीने की भूख है, तो हमें दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय आत्मनिर्भर रहना होगा। आत्मनिर्भरता एक सबसे महत्त्वपूर्ण गुण है, जो हमें अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने और लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। आत्मनिर्भरता का अर्थ है अपने जीवन को स्वयं नियंत्रित करना और अपने निर्णय स्वयं लेना। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं में स्वतंत्रता और आत्मविश्वास प्राप्त करता है। इसके कई लाभ हैं, जिनमें आत्मविश्वास, स्वतंत्रता, जिम्मेदारी और आर्थिक स्थिरता शामिल हैं। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे व्यक्ति अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं में बेहतर निर्णय ले सकता है। इसके लिए लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है, जिससे व्यक्ति अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं में बेहतर निर्णय ले सके।

आत्मनिर्भरता के लिए कुछ आवश्यक कौशल हैं, जिनमें निर्णय लेने की क्षमता, समस्या समाधान, आत्म-प्रबंधन और संचार कौशल शामिल हैं। हमें अपने साथ संतुष्ट रहना सीखना होगा और अपने जीवन को स्वयं नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने होंगे। हमें अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने और उनके लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है।

-अखिलेश कुमार मौर्य

भाषा

आतंकियों का गढ़ कहे जाने वाले पाकिस्तान का एक विश्वविद्यालय अगर संस्कृत की पढ़ाई शुरू कर रहा है, तो यह चौंकाने वाला ही है।

पाकिस्तान में संस्कृत ऋचाओं का घोष

साझा सांस्कृतिक विरासत, इतिहास और अतीत के बावजूद पाकिस्तान को लेकर भारतीय सीमाओं में वैसा भाव नहीं दिखता, जैसा दो परिवारों में आपसी बंटवारे के बाद नजर आता है। पाकिस्तान का जब भी जिक्र होता है, तो ऐसे लोगों के समूह का बोध होता है, जो हिंसक और कट्टरपंथी हैं। निश्चित तौर पर इसके लिए पाकिस्तान के हुक्मरान जिम्मेदार हैं। ऐसी छवि वाले पाकिस्तान से जब संस्कृत की पढ़ाई के साथ ही गीता और महाभारत पढ़ाने की खबर आएगी, तो हैरत होगी ही।

पाकिस्तान में सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विख्यात लाहौर शहर स्थित लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एलयूएमएस) संस्कृत की पढ़ाई शुरू करने जा रहा है। संस्कृत को हम देवभाषा के रूप में भी जानते हैं, जिसमें भारत का प्राचीन ज्ञान-विज्ञान, कर्मकांड, आयुर्वेद आदि सब हैं। जाहिर है कि इस भाषा की पढ़ाई का मकसद इस शास्त्रीय भाषा के ज्ञान और विज्ञान से नई पीढ़ी को परिचित कराना तो है ही, उन सांस्कृतिक मूल्यों से भी परिचित कराना है, जिनसे आज की पाकिस्तानी पीढी अनजान है। एलयूएमएस फिलहाल संस्कृत का तीन महीने का कोर्स शुरू कर रहा है। यह पाठ्यक्रम फॉर्मन क्रिश्चियन कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शाहिद राशिद के प्रयासों से शुरू हो रहा है। डॉ. राशिद ने काफी कोशिश के बाद संस्कृत सीखी है। उसके बाद उनके सामने ज्ञान का जैसे अपार संसार खुल गया। उन्होंने पाकिस्तान में इस भाषा को सिखाने वाले कोर्स के लिए कोशिशें शुरू कीं। उर्दूभाषी पाकिस्तान में शुरू में उन्हें काफी कठिनाइयां झेलनी पड़ीं, पर बाद में अधिकारियों को इसका महत्त्व समझ में आया। शाहिद राशिद का कहना है, %संस्कृत की पढ़ाई एक ऐसी भाषा के अध्ययन को फिर से शुरू करने की दिशा में एक छोटा, लेकिन अहम कदम है, जिसने पूरे इलाके में दर्शन, साहित्य और आध्यात्मिक परंपराओं को आकार दिया है।% दिलचस्प यह है कि इस पाठ्यक्रम के तहत छात्रों को बीआर चोपड़ा के निर्देशन में दूरदर्शन पर प्रसारित हुए प्रसिद्ध धारावाहिक महाभारत को भी पढ़ाया जा रहा है। प्राचीन भारत में शिक्षा के दो बड़े केंद्र रहे, नालंदा और तक्षशिला। ईसा पूर्व छठी-सातवीं सदी में स्थापित तक्षशिला विश्वविद्यालय में ही कौटिल्य के नाम से विख्यात राजनीति और अर्थशास्त्री चाणक्य अध्यापक थे। तक्षशिला मौजूदा पाकिस्तान के रावलपिंडी जिले में स्थित है, जिसे यूनेस्को ने वैश्विक धरोहर घोषित कर रखा है। तक्षशिला में पढ़ाई का माध्यम संस्कृत ही था। आज का लाहौर प्राचीन तक्षशिला से करीब तीन सौ बारह किलोमीटर दूर है। जाहिर है, तब लाहौर की धरती पर भी संस्कृत की ऋचाएं गूंजती थीं। आज के दौर में उर्दू का जब भी जिक्र होता है, तो उसे संस्कृत का विरोधी मान लिया जाता है। इसी तरह संस्कृत और हिंदी को लेकर उर्दू बोलने वाले विरोधी भाव रखते हैं। उर्दू को लेकर शुरुआती विरोध की वजह बंटवारे का दंश रहा। धीरे-धीरे उर्दू का मतलब मजहबी और भारत विरोधी होता चला गया। इसी क्रम में उर्दू की छवि संस्कृत और हिंदी विरोधी बन गई। ऐसे में अगर विरोधी मानस वाले इलाके से संस्कृत के प्रति मोहब्बत की खबर आएगी, तो हैरानी स्वाभाविक है। वैसे भाषाएं एक-दूसरे की विरोधी नहीं होतीं, बल्कि उन्हें सियासी इस्तेमाल करने वाली ताकतें विरोधी होती हैं। चूंकि भाषाएं जोड़ने का तंतु होती हैं, इसलिए मौका मिलते ही खुद के जुड़ने के लिए नया धागा तैयार कर लेती हैं। उर्दू तो वैसे भी हिंदी का ही दूसरा रूप है, जिस पर फारसी असर ज्यादा है। संस्कृत एक तरह से हिंदी की पुरखिन भाषा है। ऐसे में संस्कृत और उर्दू के बीच कड़ी खोजी जा सकती है। इस बारे में डॉ. राशिद का बयान महत्वपूर्ण है कि संस्कृत किसी एक धर्म विशेष से ही नहीं जुड़ी, वह उनकी भी है। लगे हाथों वह यह भी बताना नहीं भूलते कि संस्कृत का व्याकरण रचने वाले पाणिनी उन्हीं के इलाके के रहने वाले थे।

-उमेश चतुर्वेदी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर (एजेंसी)। लेवाली के अभाव में मंगलवार को अनाज मंडी में मसूर व तुअर बाजार मंदी पर रहे। चना सुस्त रहा। खाद्य तेलों में सुस्ती बनी रही। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूती के रहे। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर व मसूर में पूछपरख कमजोर रहने से बाजार नरमी के रहे। चना सुस्त बना रहा। खाद्य तेलों में कारोबारी सुस्ती रही। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। उधर, किराना जिंसों में कामकाज की मात्रा कम ही रही। शक्कर में नरमी देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4050, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 1000-1300, क्लीन 1400-1650, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1550-1570, मुम्बई 1580, राजकोट तेलिया 2460, सोया साल्वेंट 1190-1195, सोया रिफाइंड 1250-1255, कपास्या 1200-1210, धूलिया 1220, कड़ी 1220,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1525, मुम्बई पाम 1245, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400-4500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5660-5700, एवरेज 4800-4900, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5650-5700, एवरेज 5450-5500, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6500-6700, एवरेज 6300-6400, हल्की 5900-6000, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर (एजेंसी)। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार सुर्ख नज़र आये। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 207500, चॉंदी (99) 207000, टंच 206500, सिक्का 2000, सोना 10 ग्राम 137500,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया 13 पैसे की बढ़त पर बंद हुआ। सुबह शुरुआती कारोबार में रुपये में कमजोरी देखी गई। घरेलू शेयर बाजारों में नरमी और विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी के चलते रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 5 पैसे गिरकर 89.73 पर आ गया। इससे पहले सोमवार को रुपया 89.68 पर बंद हुआ था। हालांकि, डॉलर में कमजोरी और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने स्थानीय मुद्रा को निचले स्तर पर कुछ समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती स्तर 89.67 पर खुला था, लेकिन बाद में गिरकर 89.73 पर आ गया। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 फीसदी की गिरावट के साथ 98.08 पर रहा, जिससे रुपये को स्थिरता मिली।

शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार हुआ

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को मिला-जुला रुख रहा। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार सपाट बंद हुआ। एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 42.64 अंक टूटकर 85,524.84 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.75 अंक ऊपर आकर 26,177.15 पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान केवल एफएमसीजी, मेटल और उर्जा शेयरों में ही तेजी रही। निफ्टी मेटल और उर्जा शेयरों में बढ़त रही। वहीं निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी ऑटो में भी हल्की तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी , निफ्टी पीएसयू बैंक 0, निफ्टी फार्मा और निफ्टी रियल्टी में गिरावट रही। सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, एचयूएल, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम के शेयरों में तेजी रही। वहीं भारती एयरटेल, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, ट्रेंट, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट रही। आज साप्ताहिक एक्सपायरी पर निफ्टी ने एक सीमित दायरे में कारोबार किया। बाजार सपाट बंद हुआ पर व्यापक स्तर पर बाजार में तेजी थी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2,292 शेयरों में तेज जबकि 1,892 शेयरों में गिरावट रही। 181 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।

इससे पहले आज सुबह भारतीय बाजारों की शुरुआत सपाट स्तर पर रही। ,सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 50 7.5 अंक की मामूली गिरावट के साथ 26,164.20 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं सेंसेक्स 50.96 अंक फिसलकर 85,516.52 पर आ गया। बाजार में सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। आज एशियन पेंट्स, एटरनल और भारती एयरटेल के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं एशियाई बाजारों में भी तेजी देखने को मिली। जापान का निक्केई 225 लगभग स्थिर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.73 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एसएएक्स 200 0.42 फीसदी ऊपर कारोबार करता दिखा। अमेरिकी बाजारों में भी हॉलिडे शॉर्टेड वीक में सकारात्मक रुख रहा। एसएंडपी 500 0.64 फीसदी, नेस्डेक कम्पोजिट 0.52 फीसदी और डाओ जोंस 0.47 फीसदी बढ़े।

सोना-चांदी के बाद अब तांबा बनेगा निवेशकों की नई पसंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 में सोना और चांदी ने निवेशकों को हैरान करने वाला रिटर्न दिया, लेकिन अब तांबा निवेशकों की नजर में नया किंग बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में तांबे की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक एआई डेटा सेंटर्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी), ग्रीन एनर्जी और इलेक्ट्रिफिकेशन की बढ़ती जरूरत तांबे की मांग को तेजी से बढ़ा रही है। वैश्विक तांबा बाजार में 2025 में लगभग 1.24 लाख टन और 2026 में 1.50 लाख टन की कमी रहने का अनुमान है। भारत में तांबे का एकमात्र प्रमुख उत्पादक हिंदुस्तान कॉपर है, जिससे सप्लाई सीमित बनी हुई है। उनका कहना है कि बिजली के इस्तेमाल में वृद्धि, इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग और ग्रिड वायरिंग में तांबे की अहम भूमिका इसे रणनीतिक धातु बनाती है। इस साल अब तक तांबे की कीमतों में लगभग 35 फीसदी की तेजी आई है, जो 2009 के बाद सबसे बड़ी बढ़त मानी जा रही है। वर्तमान में तांबे की कीमत लगभग 12,000 डॉलर प्रति मीट्रिक टन तक पहुँच चुकी है। निवेशक इसे सिर्फ सट्टा नहीं मान रहे, बल्कि वास्तविक मांग पर आधारित निवेश विकल्प के रूप में देख रहे हैं। बताया जा रहा है कि 2026 में वैश्विक तांबे की मांग 27 मिलियन टन तक पहुंच सकती है, जिसमें अकेले चीन की मांग में 3.7 फीसदी की वृद्धि शामिल है। विशेषज्ञ मानते हैं कि एआई डेटा सेंटर्स, इलेक्ट्रिक वाहनों और ग्रीन एनर्जी की तेजी से बढ़ती जरूरत तांबे की कीमतों को नए रिकॉर्ड तक ले जा सकती है।

सिप्ला ने भारत में लॉन्च की पहली इनहेल्ड इंसुलिन 'अफ्रेजा'

डायबिटीज पीड़ित वयस्कों के लिए इंजेक्शन का नया विकल्प, सांस के जरिए ली जाने वाली इंसुलिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दवा कंपनी सिप्ला ने भारत में डायबिटीज से पीड़ित वयस्कों के लिए इनहेल्ड इंसुलिन 'अफ्रेजा' को लॉन्च करने की घोषणा की है। इसके साथ ही अफ्रेजा भारत में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध होने वाली पहली ऐसी इंसुलिन बन गई है, जिसे इंजेक्शन की बजाय सांस के जरिए लिया जाता है। कंपनी के अनुसार उसे पिछले साल के अंत में इस दवा के विशेष वितरण और विपणन के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से नियामकीय मंजूरी मिली थी। अफ्रेजा एक तेजी से असर करने वाली इंसुलिन है, जिसे मुंह से सांस के जरिए लिया जाता है। इसका निर्माण अमेरिका की मैनकाइंड कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाता है। यह दवा एक बार इस्तेमाल किए जाने वाले कार्ट्रिज में उपलब्ध होती है, जिसे एक छोटे, हाथ में पकड़े जाने वाले इनहेलर उपकरण के माध्यम से लिया जाता है। कंपनी के मुताबिक, इंसुलिन लेने के बाद यह तेजी से घुल जाती है और लगभग 12 मिनट के भीतर ब्लड ग्लूकोज को कम करना शुरू कर देती है। इस उपचार की शुरुआत आमतौर पर दिन के प्रमुख भोजन के साथ की जाती है और मरीज की क्लीनिकल जरूरतों के अनुसार इसकी खुराक को समायोजित किया जा सकता है। सिप्ला ने बताया कि यह इनहेल्ड फॉर्मूलेशन टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित वयस्कों के लिए इंजेक्टेबल प्रैंडियल इंसुलिन का एक वैकल्पिक विकल्प है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि इंजेक्शन से जुड़ी चिंता, इलाज की जटिलता और व्यवहार संबंधी कारणों के चलते कई मरीज इंसुलिन थेरेपी शुरू करने में देरी करते हैं या बीच में छोड़ देते हैं। ऐसे में अफ्रेजा जैसे विकल्प इंसुलिन उपचार को अधिक स्वीकार्य बना सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहने वाला है। संतान ने यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो उसके परिणाम बेहतर रहेंगे। जो आपको खुशी देंगे। आप कार्यक्षेत्र में लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे। परिवार में एकजुटता बनी रहेगी, लेकिन आपकी कोई इन्कम बढ़ने से आपको खुशी होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको अपने परिवार में किसी लिए गए निर्णय को लेकर पछतावा हो सकता है। आप किसी से कोई बिना वादा सोचे समझे न करें, नहीं तो उन्हें आपकी बात बुरी लग सकती है। आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लाने की पूरी कोशिश करेंगे। सरकारी मामलों में आपको थोड़ा समझदारी दिखानी होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपकी मेहनत का आपको पूरा फल मिलेगा और आपको अपनी बिजनेस में अपने पार्टनर पर पूरी निगरानी बनाकर रखने की आवश्यकता है और यदि आपको कोई निवेश संबंधी योजना के बारे में बताएं, तो उसमें आप थोड़ा ध्यान देकर ही इन्वेस्टमेंट करें। आपके रुके हुए काम बनने की संभावना है।

कर्क- आज आपको किसी नई प्रॉपर्टी की खरीदारी करना अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको मनपसंद काम मिल सकता है, जो आपको खुशी देगा। संतान के साथ आप कहीं पिकनिक आदि पर जाने की योजना बना सकते हैं और आपने यदि किसी से धन उधार लिया था, तो वह भी आपसे वापस मांग सकते हैं। आपको अपने माता-पिता की सेहत को लेकर थोड़ा एतियात बरतनी होगी। परिवार में भाई- बहनों से कोई खटपट चल रही थी, तो उसके लिए भी आप कोई रास्ता निकालेंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने घर किसी नए वाहन को लेकर आ सकते हैं, तो इसकी खरीदारी आसानी से कर सकते हैं। जीवनसाथी आपके कामों में पूरा साथ देंगे। आप अपने पिताजी से काम को लेकर बातचीत कर सकते हैं। यदि आपकी मन में किसी काम को लेकर कोई संशय चल रहा है, तो उस काम में आप बिल्कुल आगे ना बढ़ें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अपने कामों को कल पर टालने से बचना होगा और आपके बॉस यदि आपको काम को लेकर कोई सुझाव दे, तो आप उस पर अमल अवश्य करें। आप अपने घर के रिनोवेशन का काम शुरू कर सकते हैं, लेकिन परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं और आपका धार्मिक कामों में खूब मन लगेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कोई निर्णय लेने के लिए रहेगा, जो विद्यार्थी विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं, उन्हें कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा। किसी सरकारी मामले में आप लापरवाही दिखा सकते हैं। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलने की आवश्यकता है। आप दिखावे के चक्कर में ना पड़ें, नहीं तो इससे आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए एक अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपकी प्रॉपर्टी को लेकर कोई डील फाइनल होगी, जिसमें आपको अच्छा मुनाफा होगा। बिजनेस में आप कामों में कुछ बदलाव करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। आज आपकी माताजी से किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है। वाहनों का प्रयोग आप सावधान रहकर करें, इसलिए किसी से मांगकर वहां बिल्कुल ना चलाएं।

धनु- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। आप काम को लेकर अपने किसी मित्र से सलाह ले सकते हैं। बिजनेस में भी पार्टनरशिप आपकी बेहतर चलेगी और जीवनसाथी को किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। परिवार में किसी पार्टी का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा और परिजनों का आना जाना लगा रहेगा।

मकर- आज आप किसी से लेनदेन थोड़ी समझदारी दिखाते हुए करें, क्योंकि आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। आपको अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता है। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लगेगी, लेकिन फिर भी आप अपने काम पर फोकस बनाकर रखने की पूरी कोशिश करें। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप अपनी अच्छे सोच का लाभ उठाएंगे। राजनीति में भी आपको किसी नए काम की शुरुआत करना बेहतर रहेगा। आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

मीन- आज आपके मन में काम को लेकर उथल-पुथल रहेगी, जिससे आपका काम पूरे होने में भी समस्या आएगी। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर कोई झूठा आरोप लगा सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई में लापरवाही कर सकते हैं, जो आपके लिए बाद में समस्या खड़ी करेगा। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को पूरा करना होगा, नहीं तो वह आपसे नाराज हो सकते हैं।

शब्दजाल - 8119

शब्दजाल में दस 'स्वतंत्रता सेनानियों' के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

मंगलपांडे, भगतसिंह, तात्या टोपे, महात्मा गांधी, लक्ष्मीबाई, सुभाषचंद्र बोस, अशफाक, चन्द्रशेखर आजाद, उधमसिंह, सरदार पटेल

मं	ग	ल	पां	डे	प	र	तू	ग	झ	सु
ज	अ	ल	म	आ	भ	ग	त	सिं	ह	भा
चं	द्र	शे	ख	र	आ	जा	द	र	ला	ष
ज	कु	अ	उ	बे	ला	क	ल	रि	श	चं
स	ति	श	ध	व	दा	ल	क्ष्मी	बा	ई	द्र
र	रं	ल	म	व	लि	र्त	अ	ती	प	बो
दा	गा	ल	सिं	गा	प	म	श	कौ	या	स
र	बा	जीं	ह	त	क	छ	फा	ग	श	थ
प	स	म	हा	त्मा	गां	धी	क	शा	जू	द
टे	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
ल	औ	ता	त्या	टो	पे	ग	या	दु	र	क

शब्दजाल - 8118 का हल

नी	म	गा	ई	ड	र	रे	फा	न	प	खा
न	ल	क	प	इं	डो	श	शि	या	इ	मो
अ	दा	क	ला	र	ग	मा	द	प्रे	प	शी
ती	ग	ल	म	ब	दू	औ	प	म	लि	ला
त	स	अ	सौ	ल	जा	र	कि	पु	ला	स
आ	इ	री	मो	व	आ	शे	त	जा	लू	पा
ग	जी	ल	क	व	प	रा	न	री	प्र	स
र	रि	भा	र	स	प	स	द	र	रा	वा
को	ह	रा	ना	थ	म	ज	जी	न	खी	न
न	ट	प	त्थ	र	के	स	न	म	प	श
ब	बी	स	सा	ल	बा	द	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7063

1		2		■	3		4		5
	■		■	6		■		■	
■	7		8	■	9			10	■
11		■	12	13		■	14		
	■	15			■	16	■		■
17			■	18	19		■	20	21
	■	22	23	■	24		25	■	
■	26			■		■	27		
28		■	■	29		■		■	■
■		■	30		■	31			

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7062

बा	बु	ल	■	आ	का	श	■	यु	द्ध
रि	■	गा	य	ब	■	मीं	■	गां	■
श	गु	न	■	रू	दा	ली	■	ध	र्म
■	म	■	फू	■	ग	■	डो	र	■
गु	■	दि	ल	से	■	मि	ली	■	भा
म	शा	ल	■	ह	म	■	■	जं	ग
रा	■	ज	य	रा	ज	■	माँ	■	म
ह	म	ला	■	■	बू	म	■	र	भा
■	ह	■	स	फ	र	■	दे	■	ग
य	ल	गा	र	■	■	बे	व	फा	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

24 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

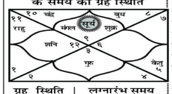

बुधवार 2025 वर्ष का 358 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 13.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 07.08 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 16.02 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 13.12 बजे तदनन्तर बव 01.31 बजे रात्र को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	धनु में	मकर	08.11 बजे से
चंद्र	मकर में	कुंभ	09.58 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	11.31 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मेष	13.01 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	14.41 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.39 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	18.53 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	21.09 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	23.21 बजे से
राहुकाल		तुला	01.32 बजे से
12.00 से 1.30		वृश्चिक	03.46 ब.से
बजे तक		धनु	06.02 बजे से

चन्द्रायु 03.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 25'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872568
जूलियन दिन 2461033.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब
तारीख 03
विशेष विनायक चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः आदर्श की राह

महान स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय जी की सुपुत्री पार्वती विधवा हो गई। वह लाला जी के साथ ही रहती थी। कुछ दिनों के बाद पार्वती के इकलौते बेटे भारत भूषण की सगाई हुई। लड़की के माता-पिता ने इस शुभ अवसर पर लाला जी और पार्वती को एक-एक सौ रुपये दिए। वर्षों बाद उनकी बेटी के जीवन में आनंद की घड़ी आई थी और घर में कोई उत्सव हो रहा था। लाला जी बेटी का उत्साह कम नहीं करना चाहते थे सो वह मना नहीं कर सके। लेकिन उस रात वह उदास रहे। वह सगाई पर एक रुपये से अधिक लेना आडंबर मानते थे। उन्हें लगा कि उनकी कथनी-करनी में समानता नहीं है। व्याकुल लाला जी ने दो-तीन दिनों के बाद अपनी पुत्री से पूछा, 'लड़की वाले तुम्हें सौ रुपये दे गए थे, उसका तुमने क्या किया?' इस पर उसने पलटकर सवाल किया,' पिता जी आपको भी तो मिले थे, आप ने उन रुपयों का क्या किया?' कुछ देर तक 'पहले आप, पहले आप' होता रहा। पार्वती ने कहा, 'मैंने वे रुपये आर्य अनाथालय, फिरोजपुर भिजवा दिए हैं। अनाथ भारत भूषण का विवाह होने जा रहा है न।' यह सुन कर लाला जी गदगद हो गए। उन्होंने कहा, 'तुम धन्य हो, मेरी लाड़ली बेटी। मैंने अपना एक सौ रुपया आर्य विधवा आश्रम को दे दिया है। मेरी पुत्री जो अब तक अधूरी थी, अब उस के प्यारे पुत्र भारत भूषण का विवाह होने वाला है। ईश्वर सब की पुत्रियों पर सुख की वर्षा करे। सभी विधवाओं के कष्टों का निवारण हो।'

सूडोकु नवताल- 7372

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7371 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 8587

बाएँ से दाएँ

1. पाबंदी,संयम,पाश-3
3. मनुष्य,इंसान-3
5. शारीरिक ऊंचाई-2
6. नलका,टूंटी
8. प्रलय,महासंकट-4
11. दही से बना खाद्य पदार्थ-3
13. निर्माण,निर्मिति-3
14. हुनर,आर्ट-2
15. उम्मीद,आशा-2
16. खाना बनाना-3
18. असफल,अनुतीर्ण-3
20. आभास,भास-3
22. वध-2
24. जी,इच्छा,चित-2
25. सब्जी का सड़ना,बर्फ का पिघलना-3
26. याद करना-3

ऊपर से नीचे

1. हड़ताल,स्थिर,रुका हुआ-2
2. लवण -3
3. विश्राम,राहत-3
4. मछली,मत्स्य,राशि चक्र की एक राशि-2
5. बूंद-3
7. शरमाना-3
9. दोस्त,मित्र-2
10. बहुत प्यासा होना-4
12. एकटक निहारना-3
16. शरण,आश्रय-3
17. सम्मान-2
19. चिंतन-3
20. मकान,इमारत-3
21. कमी,थोड़ा-3
23. तज देना-2
24. इंकार,मनाही-2

शब्द पहेली -8586 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

एक साल बाद भी नहीं बन पाया माँ पाढरी पाट वारी पहुँच मार्ग

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी-भिलाई मार्ग पर स्थित क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल माँ पाढरी पाट देवी धाम वारी के पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हुए एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन आज तक यह मार्ग पूर्ण नहीं हो सका है। परिणामस्वरूप देवी धाम आने-जाने वाले श्रद्धालुओं एवं स्थानीय ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व में संबंधित विभाग एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि नवरात्रा पर्व के पूर्व ही इस मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा, जिससे हजारों श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिलेगी। लेकिन यह दावा अब तक कागजों तक ही सीमित रह गया है। मात्र 2.75 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के निर्माण में ठेकेदार द्वारा अत्यधिक देरी की जा रही है, जबकि इतने कम दूरी के सड़क निर्माण में इतना समय लगना स्वाभाविक नहीं माना जा रहा है।

1 करोड़ 80 लाख की लागत, फिर भी प्रगति शून्य

जानकारी के अनुसार लांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारी में मेन रोड से देवी धाम वारी तक लगभग 2.75 किमी सड़क का निर्माण 1 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है। यह कार्य विधायक की अनुशंसा पर मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अधोसंरचना योजना के अंतर्गत स्वीकृत हुआ है। निर्माण कार्य की एजेंसी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक-02, बालाघाट है, जबकि ठेकेदार बी एंड के इन्फ्रास्ट्रक्चर, बालाघाट द्वारा कार्य किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता भी संतोषजनक नहीं है, जिसकी शिकायत विभाग से की जा चुकी है। इसके बावजूद न तो कार्य में तेजी आई और न ही गुणवत्ता में सुधार देखने को मिला।

श्रद्धालुओं की आस्था बन रही परेशानी का कारण

माँ पाढरी पाट देवी धाम में वर्ष भर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। सामान्य दिनों में भी बड़ी संख्या में भक्त चार पहिया एवं बड़े वाहनों से पहुँचते हैं, वहीं नवरात्रा के नौ दिनों में लाखों श्रद्धालु देवी दर्शन के लिए आते हैं। अधूरे मार्ग के कारण श्रद्धालुओं को बड़ी मशक्कत के बाद मंदिर तक पहुँचना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि सड़क पर जगह-जगह चूरी (गिट्टी) डाल दी गई है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। बड़े वाहनों की तो बात ही छोड़िए, मोटरसाइकिल से चलना भी दूभर हो गया है। कई बार जाम जैसे हालात भी निर्मित हो चुके हैं।

विद्युत पोल नहीं हटे, बढ़ी समस्या

निर्माण कार्य के दौरान सड़क किनारे लगे विद्युत पोल आज दिनांक तक नहीं हटाए गए हैं, जिससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को वाहन निकालने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों, मंदिर समिति एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन न तो ठेकेदार ने ध्यान दिया और न ही संबंधित अधिकारी ठेकेदार से काम ले पाए।

ग्रामीणों की मांग-जल्द हो कार्य पूर्ण

स्थानीय ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं का कहना है कि इस लापरवाही का खामियाजा आम जनता और भक्तों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की है कि विभाग इस मामले को गंभीरता से संज्ञान में ले, ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई करे और निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराए, ताकि माँ पाढरी पाट देवी धाम आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम मार्ग मिल सके।

मसीह समुदाय द्वारा हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाएगा क्रिसमस डे

पद्मेश न्यूज। लांजी। मसीह समुदाय का सबसे प्रमुख पर्व क्रिसमस डे नगर में कल पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर नगर के मसीह समाज का प्रार्थना भवन, वार्ड क्रमांक 2 (रेस्टहाउस) में भव्य आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत 25 दिसंबर को सुबह 11 बजे से होगी। इस संबंध में पास्टर महेंद्र नागदेवे ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। क्रिसमस डे के अवसर पर विशेष आराधना सभा आयोजित की जाएगी, जिसमें गीत-संगीत, कैरोल सिंगिंग, ड्रामा तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि क्रिसमस पर्व को ईसाई समाज द्वारा अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह पर्व 卐बड़ा दिन卐 के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इसी दिन प्रभु यीशु का जन्म हुआ था, जिन्होंने पूरी मानवता को प्रेम, दया और भाईचारे का संदेश दिया। क्रिसमस की खुशियां लगभग 15 दिन पूर्व से ही प्रारंभ हो जाती हैं। इस दौरान मसीह समाज के लोग एक-दूसरे के घर जाकर कैरोल सिंगिंग करते हैं और प्रभु यीशु के जन्म का संदेश जन-जन तक पहुंचाते हैं। क्रिसमस डे के दिन सामूहिक रूप से प्रभु यीशु की आराधना की जाएगी तथा पूरे दिन धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

डेमेश्वर सोनवाने का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड नम्बर 15 निमटोला निवासी डेमेश्वर सोनवाने पिता राजेश्वर सोनवाने का 77 वर्ष की आयु में 23 दिसम्बर को दोपहर 2 बजे निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार आज 24 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे निमटोला के मोक्षधाम में किया जायेगा। आप अपने पीछे तीन पुत्र अनिल सोनवाने, सुनील सोनवाने, अंगरीश (मल्लू) सोनवाने व पुत्री कल्पना चिरवतकर का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। आपके निधन पर समाज संगठन के पदाधिकारी, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, नाते रिश्तेदार, मित्र मण्डल, ग्राम के ग्रामीण जनों के द्वारा शोक संवदेना व्यक्त कर मृत आत्मा के शांति के लिये तथा इस दुख की घड़ी में परिजनों को संबल प्रदान करने हेतु परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है।

आज नगर में माता भगवती देवी शर्मा जन्मशताब्दी रथयात्रा

संध्या में होगा भव्य दीपयज्ञ

पद्मेश न्यूज। लांजी। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में अखंड दीप एवं माता भगवती देवी शर्मा जन्मशताब्दी रथ यात्रा का आयोजन गायत्री शक्तिपीठ लांजी द्वारा 24 दिसंबर से 26 दिसंबर तक किया गया है। रथ यात्रा 24 दिसंबर दिन बुधवार को प्रातः 9 बजे सालेटेकरी रोड़ से नगर में प्रवेश करेगी, जिसका गायत्री परिजनों द्वारा कोटेश्वर चौक पर उपस्थित होकर रथयात्रा का स्वागत पुष्पहार, फूल एवं बैंड-बाजे के साथ करते हुए सभी परिजन शोभायात्रा के साथ रथ गायत्री शक्तिपीठ लेकर आएंगे। शक्तिपीठ में दोपहर भोजन, विश्राम के बाद रथ यात्रा संपूर्ण लांजी नगर का भ्रमण कर शाम 6 बजे पुनः गायत्री शक्तिपीठ पहुंचेगी। यहां भव्य दीपयज्ञ का आयोजन होगा, रात्रि में भोजन और रात्रि विश्राम होगा। अगले दिन 25 दिसंबर को प्रातः जलपान के बाद रथयात्रा भिलाई रोड होते हुए क्षेत्रिय भ्रमण के लिए रवाना होगी। उस दिन दोपहर का भोजन गायत्री चेतना केंद्र मनेरी में होगा। यहां से रथयात्रा आगे भ्रमण करते हुए शाम 6 बजे गायत्री चेतना केंद्र बोथली पहुंचेगी। जहां दीपयज्ञ भोजन व रात्रि विश्राम होगा। 26 दिसंबर दिन शुक्रवार को प्रातः जलपान के बाद रथयात्रा यहां से गायत्री मंदिर आवा के लिए रवाना होगी। यहां मध्यान्ह भोजन के बाद रथयात्रा शाम 6 बजे गायत्री शक्तिपीठ भानेगांव पहुंचेगी जहां दीपयज्ञ, भोजन एवं रात्रि विश्राम होगा। अगले दिन 27 दिसंबर को जलपान के बाद रथ यात्रा ब्लॉक गायत्री परिवार किरनापुर के लिए रवाना होगी। रथयात्रा में सभी लोगों से शामिल होने की अपील की गई है।

कॉलेज चलो अभियान शाउमावि साडरा में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लांजी द्वारा नवीन सत्र 2026-2027 हेतु कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत 23 दिसंबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला साडरा एवं बाल भाऊ देवरस सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कारंजा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। साडरा विद्यालय में कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य एस.के. नारनौरे ने की। महाविद्यालय टीम ने छात्र-छात्राओं के सामने ई-प्रवेश सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया की रूपरेखा प्रस्तुत की। सहायक प्राध्यापक एवं ई-प्रवेश प्रभारी ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयाम, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन तथा शासन की कल्याणकारी योजनाओं एवं छात्रवृत्तियों की विस्तृत जानकारी दी। इसी क्रम में सहायक प्राध्यापक महेंद्र तलवरे ने परीक्षा संबंधी गतिविधियों, संभावित समस्याओं एवं उनके समाधान पर प्रकाश डाला। वहीं अतिथि विद्वान श्रीमती स्वाती पशीने अतिथि विद्वान ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा में उज्वल भविष्य हेतु किए जाने वाले प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में साडरा स्कूल से टी.डी. लिल्हारे तथा महाविद्यालय से सुश्री जया कछवाहे, सुश्री अंजली सोनी एवं वैभव मुरकुटे का सराहनीय योगदान रहा। अंत में अभियान के नोडल अधिकारी सुरेंद्र कुमार चिखले ने विद्यालय प्राचार्य एवं शैक्षणिक स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि महाविद्यालय प्राचार्य आर.आर. सोनवाने के मार्गदर्शन में कॉलेज चलो अभियान संचालित किया जा रहा है।

प्रारूप मतदान सूची का प्रकाशन हुआ

आमजन सूची में अपना नाम होने की पुष्टि कर सकते है, मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत 23 दिसम्बर को निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन कर दिया गया है, इस संबंध में 23 दिसम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उप जिला निर्वाचन अधिकारी जीएस धुर्वे की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित कर निर्वाचक नामावलियों के प्रारूप प्रकाशन संबंधी जानकारी दी गई। बैठक में निर्वाचन सुपरवाईजर सुबोध श्रीवास्तव, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ही मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रारूप मतदाता सूची की हार्डकॉपी एवं एक प्रति सीडी में उपलब्ध करायी गई साथ ही मतदान केंद्रो की सूची भी प्रदान की गई है। बैठक में बताया गया कि प्रारूप निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 23 दिसम्बर को कर दिया गया है। आमजन इसका अवलोकन मतदान केंद्र निवार्चक रजिस्ट्रीकरण कार्यालय एवं अन्य अभिहित स्थलों पर कर सकते है तथा नामावली में अपना नाम होने की पुष्टि कर सकते है। यह प्रारूप निर्वाचक नामावली मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाईट http//www.ceo-election.mp.gov.in पर भी उपलब्ध करायी गई है। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरी प्रविष्ठी वाले पाये गए निर्वाचकों के नाम इस प्रारूप सूची में शामिल नही किय गए है। ऐसे मतदाताओं की सूची भी सीईओ के वेबसाईट पर देखी जा सकती है तथा ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय के सूचना पटल पर भी यह सूची प्रदर्शित की गई है। बैठक में बताया गया कि

प्रारूप निर्वाचक नामावली के प्रकाशन के साथ ही मतदाता सूची में नाम शामिल करने, नाम हटाने एवं संशोधन संबंधी दावे आपत्ति प्राप्त करने का कार्य शुरू हो गया है, यह कार्य 22 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। 23 दिसम्बर से 14 फरवरी 2026 तक मतदाताओं द्वारा भरे गए गणना पत्रको की जांच के आधार पर नोटिस जारी करने तथा दावे आपत्तियों के निराकरण का कार्य किया जाएगा। निर्वाचक नामावली में छुटे हुए पात्र मतदाताओं का नाम शामिल करन के लिए प्रारूप-06, अयोग्य व्यक्ति का नाम हटाने प्रारूप-07 एवं प्रविष्टि में सुधार के लिए प्रारूप-08 में आवेदन करना होगा। 01 जनवरी 2026 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने का आह्वान किया गया।

6825 नो मेपिंग वाले मतदाताओं को जारी होंगे नोटिस

बैठक में बताया गया कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान जिले के 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं मे से 13 लाख 07 हजार 906 मतदाताओं के गणना पत्रको का डिजिटलाईजेशन हुआ है। 6825 मतदाताओं के नामो की वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मेपिंग नही हो पायी है और 62 हजार 406 मतदाताओं के मृत होने, अनुपस्थित रहने, अन्य स्थान पर पलायन करने एवं एक से अधिक स्थान पर नाम होने के कारण उनके गणना पत्रक प्राप्त नही हो पाए है। मेपिंग नही होने वाले इन मतदाताओं को मतदाता रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा नोटिस जारी किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि जिले में मतदान केंद्रो की संख्या 1675 से बढ़कर अब 1785 हो गई है।

मृत, अनुपस्थित, शिफ्टेड एवं अन्य स्थान पर नाम वाले 62 हजार 406 मतदाताओं के कटेंगे नाम

विधानसभा क्षेत्र बैहर में 723, लांजी में 400, परसवाड़ा में 870, बालाघाट में 3178, वारासिवनी में 316 एवं विधानसभा क्षेत्र कटंगी में 1338 मतदाताओं की 2003 की सूची के आधार पर मेपिंग नही हो पायी है। इस प्रकार कुल 6825 नो मेपिंग वाले मतदाताओं को नोटिस जारी किया जाना है। मृत होने, अनुपस्थित रहने, अन्य स्थान पर पलायन करने एवं एक से अधिक स्थान पर नाम होने के कारण गणना पत्रक प्राप्त नही होने वाले मतदाताओं में बैहर विधानसभा के 10 हजार 203, लांजी के 8623, परसवाड़ा के 8895, बालाघाट के 15 हजार 208, वारासिवनी के 9211 एवं कटंगी विधानसभा क्षेत्र के 10 हजार 266 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिये जाएंगे।

नो मेपिंग एवं नाम काटे जाने वाले मतदाताओं की सूची वेबसाईट पर उपलब्ध

जिले की सभी 1675 मतदान केंद्रो के बीएलओ द्वारा बीएलए एवं ग्रामीणों के साथ बैठक कर नो मेपिंग वाले एवं मृत होने, अनुपस्थित रहने, अन्य स्थान पर पलायन करने एवं एक से अधिक स्थान पर नाम होने के कारण गणना पत्रक प्राप्त नही होने वाले मतदाताओं की जानकारी प्रदान कर दी गई है। विधानसभा क्षेत्रवार यह सूची वेबसाईट http//balaghat.nic.in पर उपलब्ध करा दी गई है। इस वेबसाईट पर जाकर विभाग पर क्लिक करना होगा, और उसके बाद निर्वाचन पर क्लिक करने पर जिला निर्वाचन अधिकारी की फोटो के बायीं ओर प्रारूप प्रकाशन एसआईआर-2026 की विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मतदान केंद्रवार सूचियॉ देखी जा सकती है।

ग्राम नवेगांव (तीन टोला) में 1 जनवरी से दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। नुतन वर्ष में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ग्राम पंचायत नवेगांव तीनटोला में 1 जनवरी 2026 से 2 जनवरी 2026 तक दो दिवसीय सातवां राज्य स्तरीय पुरुष व्हालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है । इस प्रतियोगिता का आयोजन सुगाबाई स्कूल ग्राउंड में आयोजित किया गया है। इस प्रतियोगिता में विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार 14001 रुपए नगद एवं ट्रॉफी उपविजेता टीम को द्वितीय पुरस्कार 8001 रुपए नगद एवं ट्रॉफी दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने रायबरेली, इलाहाबाद, बनारस,आर बी ग्वालियर, झांसी, दिल्ली, उत्तर प्रदेश,मलारा,बालाघाट,किरनापुर, बालाघाट सिटी सहित अन्य शहर की टीमो को आमंत्रित किया गया है।आयोजक समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार डहारे, उपाध्यक्ष बसंत कुमार नगपुरे, कोषाध्यक्ष महेश कुमार डहारे, टीम मेनेजर गायक गौतम, कप्तान राम प्रसाद मसकरे, उपकप्तान संतु लिल्हारे, सरपंच संदीप लिल्हारे, सुनिल सहारे आदि लोगों ने खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रतियोगिता को सफल बनाने की अपील की है।

ऐनी बाई भोयर का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम ओटेकसा निवासी दिनदयाल भोयर सरपंच की माताजी ऐनी बाई पति किशनलाल भोयर का 23 दिसम्बर को दोपहर लगभग 2 बजे 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आप अपने पीछे 3 पुत्र व 2 पुत्री का भरा पुरा परिवार छोड़ इस दुनिया से विदा हो गए। इनका अंतिम संस्कार आज 24 दिसंबर को स्थानीय मोक्षधाम ओटेकसा में सुबह 12 बजे किया जाएगा।इनके निधन पर समाज के पदाधिकारियों, परिजनों, नाते रिश्तेदारों इष्ट मित्रों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं परिवार को गहन दुख सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

धार-बैतूल में मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन, सीएम यादव और केंद्रीय मंत्री ने रखी आधारशिला; सीएम बोले

पीपीपी मोड पर आकार लेगा देश का पहला मेडिकल कॉलेज

धार/बैतूल। मध्य प्रदेश के धार और बैतूल जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 260 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन किया। इस मौके पर जिले को स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़े कई विकास कार्यों की सौगात भी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में मप्र आज एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल कर रहा है। प्रदेश के दो जनजातीय बाहुल्य जिलों में आज मेडिकल कॉलेजों का भूमि पूजन हो रहा है। धार में पीपीपी मोड पर आकार लेगा देश का पहला मेडिकल कॉलेज। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले के समग्र विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएं पहुंचाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीपीपी मॉडल में समाज और सरकार मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण कर, हर व्यक्ति तक बेहतर इलाज पहुंचाने की दिशा में कार्य करेंगे। सेवा और विकास हमारी सरकार

का मूल मंत्र है, विगत दो वर्ष जनकल्याण और विकास की दृष्टि से अद्वितीय रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि धार में मेडिकल कॉलेज का भूमि-पूजन देश के लिए ऐतिहासिक अवसर है। मध्यप्रदेश ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश को एक नेतृत्व दिया है। राज्य में नवाचारी सोच और जन सहभागिता के साथ देश में पीपीपी मोड के आधार पर पहला मेडिकल कॉलेज शुरू किया जा रहा है। मध्यप्रदेश ने इस मामले में देश का नेतृत्व किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र राज्य है, जिसके दो बड़े शहरों- भोपाल और इंदौर में सालभर के अंदर मेट्रो ट्रेन का शुभारंभ हुआ। इसके साथ ही प्रदेश में हवाई सेवाओं का भी विस्तार हो रहा है। अब रीवा से इंदौर और नई दिल्ली के लिए हवाई सेवा उपलब्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव धार में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज के शिलान्यास के लिए पीजी कॉलेज मैदान धार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने रिमोट का बटन दबाकर मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास और धार जिले के विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण किया।

प्रदेश में अब 33 मेडिकल कॉलेज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में वर्ष 2002-03 तक मात्र 5 मेडिकल कॉलेज थे। अब प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 33 हो चुकी है। राज्य में पिछले दो सालों में 6 शासकीय मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए। इनमें आदिवासी अंचल सिंगरौली और श्योपुर के मेडिकल कॉलेज भी शामिल हैं। राज्य सरकार ने सीनियर रेजिडेंट्स डॉक्टरों के 354 पदों को स्वीकृति दी है। प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया अभियान को आगे बढ़ाते हुए 1 करोड़ 25 लाख से अधिक लोगों की जांच की जा चुकी है। धार में 15 लाख से अधिक लोगों की सिकल सेल कार्यक्रम के तहत जांच की गई। प्रदेश के टीकमगढ़, नीमच, सिंगरौली, श्योपुर, डिंडौरी के अस्पतालों में 800 बेड का उन्नयन और डॉक्टरों के 810 नए पदों की स्वीकृति प्रदान की जा रही है।

मुलताई का नाम अब मूलतापी होगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल प्रवास के दौरान मुलताई नगर का नाम बदलकर 'मूलतापी' करने की घोषणा की। यह ऐलान उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा की मौजूदगी में एक मेडिकल कॉलेज के भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस संबंध में मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख द्वारा प्रस्ताव भेजा गया है, जिसे राज्य सरकार आगे बढ़ाएगी। उन्होंने बैतूल में आदिवासी संग्रहालय बनाने का भी ऐलान किया। सीएम की घोषणा के बाद मुलताई नगर में उत्साह का माहौल है। नगरवासी लंबे समय से इसके ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को देखते हुए नाम परिवर्तन की मांग कर रहे थे। नागरिकों, सामाजिक संगठनों और धर्माचार्यों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया है।

मप्र में भी आईएएस होगा परिवहन आयुक्त!

मोहन सरकार करने जा रहे है बड़ा बदलाव

मुख्यालय भी ग्वालियर से भोपाल शिफ्ट करने पर विचार

भोपाल। प्रदेश की मोहन यादव सरकार एक और बड़ा फैसला करने जा रही है। परिवहन आयुक्त की कमान अब भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को सौंपने की तैयारी है। साथ ही परिवहन आयुक्त का मुख्यालय भी ग्वालियर से भोपाल शिफ्ट करने पर विचार चल रहा है। परिवहन महकमे में यह बदलाव विभाग में सालों से एक ही ढर्रे पर चल रही कार्यप्रणाली के चलते लिया गया है। खास बात यह है कि देश के लगभग सभी राज्यों में परिवहन आयुक्त की कमान आईएएस अधिकारी के पास है।

दरअसल, प्रदेश में गुजरात मॉडल पर परिवहन चेक पाइंट की व्यवस्था लागू होने के बाद भी अवैध वसूली थम नहीं रही है। इससे मप्र सरकार की देश भर में बदनामी हो रही है। ऐसे में सरकार परिवहन की प्रशासनिक व्यवस्था में शीर्ष स्तर पर बदलाव करने जा रही है। मंत्रालय सूत्र बताते हैं कि इस संबंध में देश के अन्य राज्यों की परिवहन की प्रशासनिक व्यवस्था का अध्ययन भी किया गया है। वर्तमान में मप्र के परिवहन आयुक्त आईपीएस विवेक शर्मा है। मप्र में शुरू से ही आईपीएस के पास परिवहन आयुक्त की कमान रही हैं। अविभाजित मप्र में सिर्फ एक बार वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शिवराज सिंह को परिवहन आयुक्त बनाया गया था। जो बाद में छत्तीसगढ़ कैडर में चले गए थे।

छत्तीसगढ़ में भी आईएएस

25 साल पहले मप्र से अलग हुए छत्तीसगढ़ राज्य में भी परिवहन आयुक्त की कमान आईएएस अधिकारी के पास हैं। इसके अलावा देश के ज्यादातर राज्य जिनमें उप्र, बिहार, असम, हरियाणा, तेलंगाना, उत्तराखंड, दिल्ली, कर्नाटक भी परिवहन आयुक्त आईएएस हैं। मप्र सरकार ने मौजूदा परिवहन प्रवर्तन व्यवस्था में गुजरात का चेक पाइंट मॉडल अपनाया है। खास बात यह है कि गुजरात में भी परिवहन आयुक्त की कमान आईएएस के पास है।

200 लोग लाओ, दो करोड़ के प्रस्ताव पास कराओ

प्रभारी मंत्री ने पार्षदों को सीएम से मिलाने का भी दिया ऑफर

भोपाल । ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आगामी 25 दिसंबर को ग्वालियर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा पार्षद दल की बैठक ली। बैठक में प्रभारी मंत्री ने सभी पार्षदों को लक्ष्य दिया कि कार्यक्रम में 200-200 लोगों को लेकर पहुंचना है। वाहनों की चिंता नहीं करें। वो सारी व्यवस्था हम कराएंगे।

प्रभारी मंत्री तुलसीराम ने कहा कि इसके अलावा पार्षदों के दो-दो करोड़ रुपये के काम कराए जाएंगे, जिसके

प्रस्ताव तैयार कराए जाएं। क्योंकि अब आप लोगों का कार्यकाल खत्म होने में डेढ़ साल ही रह गया है। इस पर पार्षदों ने पूछा कि ये कार्य किस वित्तीय वर्ष में कराए जाएंगे, तो प्रभारी मंत्री ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि आप लोगों का कार्यकाल खत्म होने से पहले काम हो जाएंगे।

प्रभारी मंत्री ने पार्षदों से यह भी कहा कि कार्यक्रम का सफल आयोजन होने के बाद आप सभी को मैं इंदौर लेकर चलूंगा। आपको इंदौर घुमाया जाएगा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से समय लेकर उनसे मुलाकात भी कराई जाएगी। बैठक की शुरुआत में प्रभारी मंत्री ने कहा कि अटलजी राष्ट्र के गौरव होने के साथ ही ग्वालियर के लाडले सपूत थे। उनकी जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम को भव्य व ऐतिहासिक बनाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

अंतर्राष्ट्रीय कम्पनी मैक्केन फूड्स को 85 एकड़ जमीन का किया आवंटन

3800 करोड़ का विशाल प्लांट लगेगा, आलू उत्पादक किसानों से लेकर सैकड़ों बेरोजगारों को मिलेगा काम, एक दर्जन से अधिक प्रोजेक्ट भी एमपीआईडीसी ने किए मंजूर

भोपाल। जानी-मानी अंतर्राष्ट्रीय कम्पनी मैक्केन फूड्स मध्यप्रदेश में भी अपना पहला बड़ा संयंत्र लगाने जा रही है, जिस पर 3800 करोड़ रुपए की राशि से विशाल प्लांट लगेगा और 6 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार हासिल होगा। एमपीआईडीसी ने अभी कम्पनी को प्लांट लगाने के लिए 85 एकड़ जमीन का आबंटन भी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि मैक्केन फ्रेंच फ्राइज, पोटेटो टिक्की से लेकर कई स्नैक्स आयटम बनाती है और 160 से अधिक देशों में इसका कारोबार फैला है। गुजरात में अवश्य कम्पनी ने कुछ वर्ष पूर्व अपना पहला प्लांट शुरू किया था।

पिछले दिनों मैक्केन फूड्स के रीजनल प्रेसिडेंट पियरे डैनेट और उनके साथ आए अन्य अधिकारियों ने भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की थी और मध्यप्रदेश में अपना पहला प्लांट लगाने की जानकारी दी, जिससे आलू उत्पादक किसानों को भी काफी लाभ होगा, क्योंकि मैक्केन के अधिकांश फूड्स में आलू का ही इस्तेमाल होता है। एमपीआईडीसी उज्जैन के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौर ने एक जानकारी में बताया कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व, सोच और शासन की उद्योग नीति के कारण ही मैक्केन जैसी विश्व स्तरीय कम्पनी का आगर-मालवा में आगमन संभव हो पाया और यह निवेश मील का पत्थर साबित होगा। यह सिर्फ एक जिले तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उद्योग, रोजगार, आधुनिक खेती को पूरे आसपास के क्षेत्रों में भी मजबूरी मिलेगी। 21 साल बाद मैक्केन ने भारत में अपनी दूसरी फैक्ट्री लगाना तय किया और इसके लिए आगर-मालवा का चुनाव किया, जिसके चलते इस विश्व प्रसिद्ध बहुराष्ट्रीय फूड प्रोसेसिंग कम्पनी को औद्योगिक क्षेत्र फेज-3 में 33.58 हेक्टेयर यानी लगभग 85 एकड़ जमीन का आबंटन भी कर दिया है, जिस पर कम्पनी दो चरणों में अपनी यूनिट स्थापित करेगी और कुल 3800 करोड़ रुपए का बड़ा निवेश होगा, जिससे यह पूरा क्षेत्र राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान बनाएगा। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और उसके साथ लगातार आयोजित होने वाली रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव के माध्यम से राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय कम्पनियों को भरोसा हुआ और अब ऐसी कई कम्पनियों ने अपने प्रोजेक्ट लगाने की तैयारी भी कर ली है। फिंगर चिप्स, फ्रेंच फ्राइज और वेफर्स जैसे उत्पादों के लिए पूरी दुनिया में मैक्केन फूड्स एक जाना-पहचाना नाम है, जिसके प्रोडक्ट की आपूर्ति अंतर्राष्ट्रीय फूड चैन और बड़े बाजारों में होती है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार तो मिलेगा, वहीं किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी, क्योंकि बड़ी तादाद में आलू सहित अन्य उपज का इस्तेमाल इस फूड प्रोसेसिंग प्लांट में होगा। इससे कई कोल्ड स्टोरेज की जरूरत भी पड़ेगी। ट्रांसपोर्टेशन के साथ-साथ पैकेजिंग यूनिट और प्राथमिक संग्रहण केन्द्र सहित कई छोटे उद्योग भी पनपेंगे और ग्रामीण इलाकों में रोजगार के भी नए अवसर पैदा होंगे। अभी आसपास के किसानों, जो बड़ी मात्रा में आलू की खेती करते हैं, उन्हें अपनी उपज के सही दाम नहीं मिल पाते। मगर अब मैक्केन की फैक्ट्री लगने के बाद यह समस्या खत्म होगी, क्योंकि कम्पनी को हर साल बड़ी मात्रा में आलू की जरूरत पड़ेगी। एक अनुमान के मुताबिक शुरुआत के 3 साल मैक्केन हर साल 60 से 70 हजार टन आलू सीधे किसानों से खरीदेगी और उसके बाद यह खरीदी बढक़र 2 से ढाई लाख टन सालाना तक पहुंच जाएगी। इससे किसानों के पास अपनी पूरी फसल बेचने के लिए एक सीधा खरीददार और बड़ा बाजार भी मिलेगा।

अब सडक़ों पर उतरेंगे नाराज अतिथि शिक्षक

25 दिसंबर से एक माह तक संभागीय स मेलन, 31 जनवरी को भोपाल में प्रदर्शन

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार की ओर से की गई वादा खिलाफी को लेकर प्रदेश में कार्यरत अतिथि शिक्षक प्रदेशव्यापी आंदोलन की तैयारी में जुट गए हैं। भोपाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में अतिथि शिक्षक समन्वय समिति ने सर्वस मति से निर्णय लिया कि 25 दिसंबर 2025 से 25 जनवरी 2026 तक सभी संभागों में स मेलन आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद 31 जनवरी को राजधानी भोपाल में सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन का आरोप है कि भाजपा सरकार ने विधानसभा और सार्वजनिक मंचों से किए गए वादों को पूरा नहीं किया।

भोपाल में हुई प्रदेश स्तरीय बैठक में अध्यक्ष सुनील परिहार सहित सभी पदाधिकारियों ने आंदोलन की रूपरेखा तय की। बैठक में तय किया गया कि पहले संभागीय स्तर पर स मेलन कर अतिथि शिक्षकों को एकजुट किया जाएगा, ताकि आंदोलन को व्यापक समर्थन मिल सके।

स्कूल शिक्षा मंत्री के बयान से नाराजगी

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि विधानसभा में स्कूल शिक्षा मंत्री के हालिया बयान से अतिथि शिक्षकों में गहरा असंतोष है। मंत्री ने पूर्व मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अतिथि शिक्षकों को विभागीय परीक्षा के माध्यम से नियमित करने और सीधी भर्ती में बोनस अंक देने की घोषणाओं को पूरा करने में असमर्थता जताई है। शिक्षकों का कहना है कि तब भी और अब भी प्रदेश में भाजपा की ही सरकार है, तो घोषणाएं पूरी न होने का कारण समझ से परे है।

प्रदेश महासचिव चंद्रशेखर राय ने कहा कि यदि सरकार वादे निभाने की स्थिति में नहीं है, तो उसे मीडिया के सामने स्वीकार करना चाहिए कि घोषणाएं झूठी थीं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में अतिथि शिक्षक आंदोलन नहीं करेंगे, लेकिन आधे अधूरे आश्वासनों से शिक्षकों का भविष्य अंधेरे में डाला जा रहा है।

कैबिनेट निर्णय से बढ़ा असमंजस

प्रदेश सचिव रविकांत गुप्ता ने कहा कि कैबिनेट के उस निर्णय से अतिथि शिक्षक असमंजस में हैं, जिसमें केवल तीन कैडर रखने और अन्य व्यवस्थाओं को समाप्त करने की बात कही गई है। वर्तमान में अतिथि शिक्षक अंशकालीन व्यवस्था के तहत कार्य कर रहे हैं, जबकि कई शिक्षक 15 से 17 वर्षों से सेवा दे रहे हैं।

संविदा शिक्षक बनाने की मांग तेज

संगठन ने मांग की कि अतिथि शिक्षकों को संविदा शिक्षक का दर्जा दिया जाए। नेताओं का कहना है कि वर्षों का अनुभव रखने वाले शिक्षकों को अस्थायी व्यवस्था में रखना अन्याय है और इससे शिक्षा व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

पदाधिकारी बी.एम. खान ने कहा कि विधायक रहते मु यमंत्री मोहन यादव स्वयं अनुभवी अतिथि शिक्षकों को संविदा शिक्षक बनाने की अनुशंसा कर चुके हैं। अब मु यमंत्री बनने के बाद उनसे उ मीद है कि वे अतिथि शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित करेंगे। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं हुआ, तो 31 जनवरी का प्रदर्शन और तेज किया जाएगा।

कश्मीर की बर्फबारी का असर मप्र तक, जनजीवन प्रभावित 22 जिलों में कोहरा और शीतलहर का असर

भोपाल। कश्मीर में लगातार जारी बर्फबारी का सीधा असर मध्यप्रदेश के मौसम पर नजर आ रहा है, जिससे सर्द हवाओं के साथ कोहरे और शीतलहर का प्रकोप बढ़ गया है। कई जगहों पर विजिबिलिटी घटकर सिर्फ 50 मीटर रह गई, जिससे यातायात व्यवस्था पर भी असर पड़ा। प्रदेश के उत्तरी इलाकों में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। दतिया और रीवा में सड़क के साथ-साथ रेल परिचालन भी प्रभावित हुआ। ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग के कुल 22 जिलों में घना कोहरा दर्ज किया गया। ग्वालियर, मुरैना, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, रीवा और सीधी में कोहरे के साथ शीतलहर का असर भी बना रहा।वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सीहोर, रायसेन, विदिशा, शाजापुर और आगर-मालवा सहित कई शहरों में मध्यम स्तर का कोहरा देखने को मिला। प्रदेश के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई।प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा, जहां तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। रीवा में 5.6 डिग्री और शहडोल के

कल्याणपुर में 5.9 डिग्री दर्ज किया गया।भोपाल और इंदौर में न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री, जबलपुर में 9 डिग्री और ग्वालियर में 11.3 डिग्री रहा। कई अन्य जिलों राजगढ़, खजुराहो, सतना, बैतूल, मंडला, रायसेन और सागर में भी पारा 7 से 9 डिग्री के बीच रहा। इस बार सर्दी ने नवंबर के बाद दिसंबर में भी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। भोपाल में नवंबर के दौरान लगातार 15 दिन तक शीतलहर चली, जो 1931 के बाद सबसे लंबा दौर माना जा रहा है। 17 नवंबर की रात राजधानी में तापमान 5.2 डिग्री तक गिर गया था, जो अब तक का रिकॉर्ड है। इंदौर में भी 25 साल बाद इतनी ठंडी रात दर्ज की गई, जबकि दिसंबर में भोपाल और इंदौर दोनों जगह तापमान 5 डिग्री से नीचे जा चुका है। मौसम विभाग के अनुसार 24 और 25 दिसंबर को अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहने की संभावना है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में सुबह के समय हल्का कोहरा बना रह सकता है। साफ आसमान के बावजूद ठंड का असर और तेज होगा, खासकर रात के तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी।

26 दिसंबर को मप्र कांग्रेस की बड़ी बैठक

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी 26 दिसंबर को राजधानी भोपाल में एक बड़ी बैठक आयोजित करने जा रही है। यह बैठक पीएसी और प्रदेश कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक होगी, जिसमें संगठन को मजबूत करने को लेकर कई अहम फैसले लिए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में मंडलम, मोहल्ला और गांव स्तर पर कमेटियों के गठन पर विस्तार से चर्चा होगी। पार्टी के आधार को मजबूत करने के लिए बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने की रणनीति बनाई जाएगी। साथ ही, वर्ष 2026 के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया जाएगा, जिसमें आगामी चुनावी चुनौतियों और पार्टी की तैयारियों पर फोकस रहेगा। बैठक में पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के सभी सदस्य और प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी शामिल होंगे।

ई-अटेंडेंस के लिए एंड्राइड वर्जन 11 खरीदने का फरमान

-बिजली कर्मचारियों को लगा मोबाइल का करंट

भोपाल। बिजली कर्मचारियों को एंड्राइड वर्जन 11 का मोबाइल खरीदने का करंट लगा है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मैसेज आ रहे है। एम्पलाइज के मोबाइल पर कंपनी से मैसेज आ रहे है। एंड्राइड वर्जन 11 या इससे ऊपर का मोबाइल रखने के मैसेज है। ई-अटेंडेंस एप एक जनवरी से एंड्राइड वर्जन 11 से नीचे के मोबाइल पर सपोर्ट नहीं करेगा। एंड्राइड वर्जन 11 या इससे ऊपर के वर्जन से ही ई-अटेंडेंस लग सकेगी। कंपनी में दोनों समय ई-अटेंडेंस लगाने का प्रावधान है। फैसले की जद में करीब 16 हजार कर्मचारी आएंगे।

संविदा एवं ठेका श्रमिक अधिकारी-कर्मचारी संघ ग्वालियर ने आपत्ति ली है। संघ ने प्रबंध संचालक को पत्र लिखा है। पत्र में लिखा- एंड्राइड वर्जन 11 के ऊपर का मोबाइल 15 से 20 हजार में आएगा। अल्प वेतनभोगी कर्मचारी महंगा मोबाइल नहीं पाएंगे। यदि कंपनी नए मोबाइल वर्जन से उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है, तो अल्प वेतनभोगी कर्मचारियों को कंपनी मोबाइल उपलब्ध कराए।

ये मैसेज आ रहा है

प्रिय कर्मचारी, 1 जनवरी 2026 से अटेंडेंस ऐप एंड्राइड के 11 से कम वर्शन पर सपोर्ट नहीं करेगा। कृपया सुनिश्चित करें कि आपका मोबाइल डिवाइस ऊपर बताए गए बदलावों के अनुसार हो ताकि कोई असुविधा न हो।

रेलवे स्टेशन पर कुली से सामान उठवाना हुआ महंगा

ग्राउंड लेवल पर 40 की जगह 50, एफओबी पार करने पर 50 की जगह 80 रुपए देने होंगे

भोपाल। रेलवे ने यात्री ट्रेनों के किराए में बढ़ोतरी के बाद अब स्टेशनों पर कुलियों के शुल्क में भी इजाफा कर दिया है। इससे यात्रियों की जेब पर एक और भार बढ़ गया है। झांसी मंडल के अंतर्गत आने वाले रेलवे स्टेशनों पर कुलियों के लिए नई और एकरूप दरें लागू कर दी गई हैं। अब यात्रियों को सामान उठवाने के लिए पहले की तुलना में अधिक भुगतान करना होगा। रेलवे ने पुराने शुल्क की तुलना में औसतन 45 से 50 फीसदी की बढ़ोत्तरी यात्रियों के सामान ढुलाई में की है। रेलवे स्टेशन भोपाल में हर दिन हजारों यात्रियों का आना जाना है। इनमें से 30 से 35 फीसदी यात्री सामान उठवाने में कुलियों की मदद लेते हैं।

ठेला, व्हीलचेयर और स्ट्रेचर का शुल्क भी बढ़ा

नई दरों में पहिएदार ठेलों, व्हीलचेयर और स्ट्रेचर के शुल्क में भी बढ़ोतरी की गई है। पहले ठेले से 160 किलोग्राम तक सामान होने पर ग्राउंड लेवल पर 30 और एफओबी पर 100 रुपए लिए जाते थे, जिन्हें बढ़ाकर क्रमशः 120 और 150 रुपए कर दिए हैं। नई व्यवस्था के तहत हाथ या सिर पर 37 से 40 किलोग्राम तक का सामान जमीनी स्तर पर ले जाने पर कुली 50 रुपए प्रति चक्कर शुल्क ले सकेंगे, जबकि पहले 40 रुपए थे। इसी तरह एफओबी पार करने पर अब 70 रुपए देने होंगे, जो पहले 50 रुपये थे।

इंदौर में बीजेपी पार्षद के ऑफिस में तोड़फोड़ करने वाले तीन गिरफ्तार

इंदौर। बाणगंगा पुलिस ने भाजपा पार्षद संध्या जायसवाल के ऑफिस में तोड़फोड़ करने वाले तीन आरोपितों को पकड़ लिया है। मुख्य आरोपित शाहरुख खान अभी तक फरार है। पुलिस ने आरोपितों को जेल भेज दिया है। टीआई सियारामसिंह गुर्जर के अनुसार पार्षद संध्या जायसवाल के पुत्र मासूम की शिकायत पर आरोपित शाहरुख और उसके साथियों के खिलाफ कायमी की गई थी। मासूम का आरोप है कि महाकाल की सवारी में हुए थूककांड का मुख्य गवाह है। उस पर गवाही न देने का दबाव बनाया जा रहा है। शाहरुख साथियों के साथ ऑफिस में घुस गया और चाकू निकाल कर धमकाया। उस वक्त आफिस में महिलाएं राशनकार्ड और अन्य काम से आई थी। कांच लगने के महिलाएं घायल भी हो गई थी। सोमवार रात पुलिस ने घटना में आरोपित गोलू निवासी कुमड़ी कांकड़,विनोद निवासी शिवकंठ नगर और सौरभ राजपूत को पकड़ लिया। शाहरुख उर्फ जलील निवासी नजरपुर(उज्जैन) फरार हो गया है।

भाजपा विधायक-अधिकारी गठजोड़ से हजारों करोड़ का भ्रष्टाचार- अमित शर्मा

भोपाल। भाजपा ने पिछले 20 वर्षों में 'स्वर्णिम' और 'विकसित मध्य प्रदेश' के जो दावे किए, वे आज भ्रष्टाचार, घोटालों और कागजी विकास तक सिमट कर रह गए हैं। यह आरोप मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव अमित शर्मा ने मंगलवार को ⁄देश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दारान लगाए

शर्मा ने कहा कि रीवा जिले की डभौरा नगर परिषद, जो वर्ष 2020 में 7 ग्राम पंचायतों को मिलाकर बनाई गई थी, वहाँ व्यापम घोटाले की तर्ज पर एक संगठित भर्ती घोटाला किया गया है। इस पूरे मामले में स्थानीय भाजपा विधायक, तत्कालीन सीएमओ, जेडी एवं अन्य अधिकारियों की सीधी मिलीभगत सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पंचायत के गठन के समय जो कर्मचारी पहले से वर्षों से कार्यरत थे, उनके वैधानिक अधिकारों को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया। नियमों के अनुसार उनका समायोजन और नियमितीकरण किया जाना था, लेकिन इसके विपरीत भाजपा विधायक के निजी सहायक (पीए), उनके रिश्तेदारों, सीएमओ, जेडी और अन्य अधिकारियों के पुत्र-पुत्रियों एवं परिजनों को अवैध रूप से एडजस्ट किया गया। शर्मा ने बताया कि जहाँ नियम अनुसार केवल 21 पद स्वीकृत थे, वहाँ बिना विज्ञापन, बिना आरक्षण, बिना रोस्टर और बिना स्वीकृति के लगभग 50 लोगों की फर्जी भर्ती कर दी गई। इसके लिए ग्राम पंचायतों से फर्जी प्रस्ताव बुलवाए गए, झूठी कमेटियाँ बनाई गईं और पीआईसी/सामान्य सभा की बैठकों में नियम विरुद्ध प्रस्ताव पारित कराए गए। उन्होंने कहा कि इस दौरान फर्जी पे-स्लिप तैयार की गईं और कलेक्टर दर से अधिक वेतन दिखाकर 2 से 5 करोड़ रुपये तक की राशि अवैध रूप से तन वाह के नाम पर निकाल ली गई। एक-एक खाते से 50 से अधिक संदिग्ध ट्रांजैक्शन किए गए, जो खुलेआम वित्तीय अनियमितता को दर्शाते हैं। शर्मा ने जांच समिति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जिन अधिकारियों पर भर्ती घोटाले के आरोप हैं, उन्हीं को जांच समिति में शामिल कर दिया गया, जिससे यह सिद्ध होता है कि घोटालेबाजों को ही अपनी जांच सौंप दी गई।

आज से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे रोहित, विराट और ऋषभ सहित कई सितारे

बेंगलुरु । रोहित शर्मा, विराट कोहली और ऋषभ पंत सहित कई स्टार क्रिकेटर बुधवार से यहां शुरु होने वाले घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे। ये टूर्नामेंट एकदिवसीय प्रारुप में खेला जएगा। ऐसे में इन सभी क्रिकेटरों का इससे अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। आजकल एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच कम होते हैं , ऐसे में इससे रोहित और विराट को विशेष लाभ होगा कयोंकि इन दोनो ने ही अन्य प्रारुपों से संन्यास ले लिया है। इस टूर्नामेंट से इन दोनो को ही अपनी लय बनाये रखने का अवसर मिलेगा। दोनो का ही लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले साल की शुरुआत के लिए होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी दावेदारी बरकारार रखना रहेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में रोहित, विराट और ऋषभ के अलावा शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा भी खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसी) ने हाल में सभी खिलाड़ियों को फिट होने पर घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा था। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी इसमें खेलते दिख रहे हैं।

रोहित इसमें एक दशक जबकि विराट 15 साल बाद खेलते दिखेंगे। ये दोनो इसलिए भी इसमें खेल रहे हैं ताकि 2027 एकदिवसीय विश्वकप की दौड़ में बने रहें। इन दोनो को पता है कि स्टार खिलाड़ी होने के बाद भी टीम में कई नई प्रतिभाएं हैं, ऐसे में इनपर अपने को बेहतर साबित करने का दबाव रहेगा।

रोहित ने कहा है कि वह मुंबई की तरफ से सिक्किम और उत्तराखंड के खिलाफ जयपुर में 24 और 26 दिसंबर को होने वाले पहले दो मैच खेलेंगे। वहीं कोहली ने अभ्यास किया और कहा कि वह दिल्ली की ओर से दो से तीन मैच खेलेंगे।

दिल्ली एलीट ग्रुप डी में अपना पहला मैच बेंगलुरु में आंध्र के खिलाफ खेलेगा। यह मैच या तो एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में या बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। इसके बाद दिल्ली का सामना गुजरात से होगा। कोहली के मंगलवार रात बेंगलुरु पहुंचने के बाद से ही यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह स्टार बल्लेबाज इन दोनों मैच में खेलेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में प्रदर्शन का अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवीसीय मैचों के लिए उनके चयन पर कोई विशेष असर नहीं पड़ेगा पर कोहली और रोहित जानते हैं कि युवा खिलाड़ी जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद ईशान किशन की टीम में वापसी से साफ है कि बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन पर ध्यान दे रहा है। ऐसे में खराब प्रदर्शन नुकसान देह होगा।

रोहित और कोहली के अलावा कई अन्य स्टा खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। इसमें दिल्ली के कप्तान ऋषभ और शुभमन जैसे खिलाड़ी हैं। ऋषभ पिछले कुछ समय से सीमित ओवरों के प्रारुप में सफल नहीं रहे हैं। ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। यही हाल शुभमन का भी है। वह भी टेस्ट क्रिकेट की टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं पर सीमित ओवरों की रन नहीं बना पा रहे हैं। इसी कारण ऋषभ की तरह व भी टी20 विश्वकप से वह बाहर है। अब ये दोनो ही बेहतर प्रदर्शन कर चयनकर्तओं के सामने आने को साबित करना चाहेंगे। करके राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचने की कोशिश करेंगे। इस ऋषभ ने अगस्त 2024 के बाद से एकदिवसीय या टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में नहीं खेला है।

वहीं शुभमन को भी उपकप्तान होने के बाद भी टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है। ऐसे में उनका लक्ष्य भी अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। वह पंजाब की ओर से खेलते हुए हुए बेहतर प्रदर्षन करना चाहेंगे। करेगा। गिल के लिए यह अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से पहले एक अच्छा अभ्यास होगा, जिसमें वह भारत की कप्तानी करेंगे। इस टूर्नामेंट में चयनकर्ताओं की निगाह तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर भी टिकी रहेगी।

वहीं भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और आकाश दीप के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। ऐसे में ये भी बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने की दावेदारी पेश करेंगे।

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) मुकाबले मुफ्त में देख सकेंगे प्रशंसक – हॉकी इंडिया

नई दिल्ली। हॉकी के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। अब वे मुफ्त में ही हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) मुकाबले देख सकेंगे। हॉकी इंडिया ने कहा है कि खेल के प्रति लोगों का रुझाने के लिए वह मुफ्त में टिकट उपलब्ध कराएगा। इससे देश के अलग-अलग शहरों में हॉकी के लिए प्रशंसकों की रुचि जागेगी। इस साल की हॉकी इंडिया लीग में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें हिस्सा लेंगी। नए प्रारुप के साथ दोनों लीग में तेज रफ्तार और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिससे प्रशंसकों को पूरे एक महीने तक शानदार हॉकी का आनंद मिलेगा।

हॉकी इंडिया ने कहा कि महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत 28 दिसंबर से रांची में होगी और यह टूर्नामेंट 10 जनवरी तक चलेगा। वहीं, पुरुष हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत 3 जनवरी से चेन्नई में होगी। जिसके बाद मुकाबले 11 जनवरी से रांची में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का अंतिम चरण वाले भुवनेश्वर में 17 से 26 जनवरी के बीच खेला जाएगा। पिछली बार की तरह इस बार भी हॉकी इंडिया देश के हर कोने तक हॉकी पहुंचाने और इसे अधिक सुलभ बनाने के अपने लक्ष्य पर कायम है।हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन दिलीप तिर्की ने कहा, हमने एक बार फिर फैसला किया है कि चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में होने वाले सभी मुकाबलों के लिए हॉकी प्रेमियों को मुफ्त टिकट दिए जाएंगे। महिला लीग रांची में होगी, जबकि पुरुषों की लीग तीन शहरों में खेली जाएगी। हमारा लक्ष्य स्टेडियम को उन प्रशसंकों को खींचना है जो अपने स्टार खिलाड़ियों को खेलते देखना चाहते हैं। इस सत्र में दुनिया भर के कई शीर्ष खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है।वहीं गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हीरा एचआईएल एक माह तक चलने वाला हॉकी का टूर्नामेंट होगा। हम सभी हॉकी प्रेमियों को इसे देखने के लिए आमंत्रित करते हैं। हमारा लक्ष्य पूरे देश में हॉकी की लोकप्रियता को बढ़ाना है,हमें उम्मीद है कि अधिक से अधिक संख्या में प्रशंसक मैच देखने आयेंगे।।

बीसीसीआई ने अंडर-19 एशियाकप में खराब प्रदर्शन पर कोच और कप्तान से जवाब मांगा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया कप अंडर-19 के फाइनल में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन पर टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे और टीम के मुख्य कोच ऋषिकेश कानिटकर से जवाब मांगा है। भारतीय टीम को फाइनल में करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे प्रशंसकों में निराशा का भाव है। इसके बाद से ही बीसीसीसी के सभी सदस्यों ने टीम के कमजोर प्रदर्शन की समीक्षा की मांग की थी। जिसे बीसीसीसी ने मान लिया है। फाइनल में भारतीय टीम को 191 रनों से हार मिली थी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज दोनो ही विफल रहे थे। वहीं इससे पहले के सभी मैच भारतीय टीम जीती थी। ग्रुप स्तर पर हावी रही भारतीय टीम ने तब पाक को भी हराया था पर फाइनल में वह नाकाम रही। ये समीक्षा इसलिए भी की गयी ताकि अगले साल 2026 में होने वाले अंडर-19 विश्व कप से पहले टीम को हो रही परेशानी को हल किया जाये। पाकिस्तान की टीम ने फाइनल में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही प्रभाव जमाया और भारतीय टीम को कोई अवसर नहीं दिया। भारतीय टीम के गेंदबाजों के सामने पाक ने 347 रन बनाये और इसके बाद भारतीय टीम को 26 ओवरों में ही समेट दिया।

बॉक्सिंग डे टेस्ट से वापसी कर सकते हैं रिचर्डसन

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज झाई रिचर्डसन के 26 दिसंबर से मेलबर्न में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट में खेलने की संभावना है। रिचर्डसन ने कहा है कि वह अपनी कंधे की सर्जरी से उबर गये हैं और एशेज में वापसी के लिए तैयार हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम इस सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। ऐसे में चौथे टेस्ट में कप्तान पैट कमिंस शायद ही खेलें। अगर अपनी फिटनेस बनाये रखने के लिए जोखिम से बचना चाहते हैं। ऐसे में अगर वह नहीं खेलते हैं मेलबर्न और सिडनी में होने वाले बचे हुए दो मैच के लिए उनकी जगह पर खेलने के लिए रिचर्डसन के अलावा ब्रेंडन डॉगेट और माइकल नेसर भी रेस में रहेंगे हालांकि एक रिपोर्ट के अनुसार रिचर्डसन को टीम में शामिल किए जाने की संभावना सबसे ज्यादा है। इसके संकेत इससे भी मिलते हैं कि रिचर्डसन ने एडिलेड से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ ट्रेनिंग की थी। रिचर्डसन को पिछली बार बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ भी टीम में शामिल किया गया था। इसके बाद वह लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को ठीक करने के लिए कंधे की सर्जरी कराने चले गये थे और बाद से ही उससे उबरने में लगे थे। रिचर्डसन ने हाल के महीनों में धीरे-धीरे वापसी की है। ग्रेड क्रिकेट से शुरुआत करने के बाद उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया एकादश के लिए खेला। इसके बाद उन्होंने लायंस के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला। रिचर्डसन ने साल 2018-19 में डेब्यू करने के बाद से तीन टेस्ट मैच खेले हैं। इस तेज गेंदबाज ने 22.09 की औसत से 11 विकेट लिए हैं। वहीं कमिंस ने कहा कि तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड को चोट का डर नहीं है। ये दोनो ही फिट हैं। इसको देखते हुए वह बचे हुए दोनो मैचों से बाहर होने पर विचार कर रहे हैं ताकि किसी अन्य खिलाड़ी को अवसर मिल सके।

शुभमन को बाहर किये जाने पर हुई थी हैरानी

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णम्माचारी ने श्रीकांत टी20 विश्वकप के लिए टीम में अनुभवी बल्लेबाज शुभमन गिल को शामिल नहीं करने पर हैरान जतायी है। श्रीकांत ने हालांकि इस फैसले पर चयनकर्ताओं की तारीफ भी की और कहा कि इस प्रकार के साहसिक कदम की उससे उम्मीद नहीं थी। श्रीकांत ने कहा कि शुभमन को टीम से बाहर किया जाना मेरे अनुसार एक बड़ा झटका क्योंकि जब किसी खिलाड़ी को उप-कप्तान बनाया जाता है, तो सभी का मानना होता है कि उसपर टीम प्रबंधन को भरोसा है। साथ ही कहा कि इस प्रकार किसी बड़े टूर्नामेंट से पहले इस प्रकार से किसी खिलाड़ी का बाहर किया जाना उन्होंने नहीं देखा। इसलिए उन्हें इस प्रकार के फैसले की उम्मीद नहीं थी। श्रीकांत ने कहा कि वह इस फैसले की उम्मीद नहीं कर रहे थे, इसका कारण है कि शुभमन ने हाल ही में टेस्ट और एकदिवसीय में टीम की कप्तानी की थी। श्रीकांत ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि चयनकर्ताओं ने एक शानदार और संतुलित टीम चुनी है। इस प्रकार की टीम आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांगों के अनुरूप सही है। उनका मानना है कि चयन समिति ने भावनाओं से ऊपर उठकर प्रदर्शन और टीम संयोजन को प्राथमिकता दी। श्रीकांत के अनुसार, यह फैसला भले ही कठोर लगे, लेकिन लंबे समय में टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है।

उन्होंने कहा कि शुभमन को टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड ठीक नहीं होने से भी नुकसान हुआ है। उन्होंने 15 टी20द्ध मैचों में 140 से कम के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाए जबकि एक शीर्ष स्तर के बल्लेबाज से इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है। टी20 फॉर्मेट में तेज रन बनाने की जरूरत होती है और यहीं पर शुभ्मन पीछे हो गये। उनको रखने पर संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सफल सलामी जोड़ी तोड़नी पड़ी थी जो नुकसान साबित हो रहा था। श्रीकांत ने साफ कहा कि टी20 क्रिकेट में अभिषेक और सैमसन, शुभमन से कहीं आगे नजर आते हैं। अभिषेक को उन्होंने 'विश्व का नंबर वन' तक कह दिया, जबकि संजू सैमसन और ईशान किशन को विकेटकीपर-बल्लेबाज़ के तौर पर उपयोगी बताया हैं। साथ ही कहा, ईशान किशन की वापसी ने टीम को आक्रामक शुरुआत और अतिरिक्त विकल्प मिले हैं क्योंकि वह पारी की शुरुआत भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि शुभमन का एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट में रिकॉर्ड अच्छा है और वह समय आने पर टी20 में भी अपने को साबित कर वापसी करेंगे।

बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, कमिंस और लायन बाहर हुए

स्मिथ करेंगे कप्तानी, मर्फी और रिचर्डसन शामिल

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इंग्लैंड के खिलाफ 26 दिसंबर बॉक्सिंग डे से शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस सीरीज में पहले तीन मैच जीते हैं और इस प्रकार सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। सीए ने मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर होने वोले इस मैच के लिए कप्तान पैट कमिंस और स्पिनर नाथन लायन को शामिल नहीं किया है। चयनकर्ताओं ने इनकी जगह पर टॉड मर्फी और झाय रिचर्डसन को शामिल किया है।

लायन की दाहिनी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव है और इस कारण से उन्हें टीम में जगह नहीं मिली है। उन्हें एडिलेड में अंतिम दिन बाउंड्री रोकने के दौरान ये खिंचाव आया है इस कारण से अब उन्हें सर्जरी से गुजरना होगा। वहीं दूसरी ओर कमिंस को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही आराम दिया गया है। कमिंस ने एडिलेड में पीठ के दर्द से उबरकर वापसी करते हुए छह विकेट लिए थे पर टीम ने 3-0 से जीत दर्ज कर ली है जिसको देखते हुए उन्हें आराम दिया गया है ताकि उनके चोटिल होने का खतरा कम हो सके।

वहीं बल्लेबाज स्टीव स्मिथ चौथे टेस्ट में एक बार फिर कप्तानी करते हुए दिखेंगे। तीसरे टेस्ट में उन्हें आराम दिया गया था। उनकी वापसी से टीम की बल्लेबाजी मजबूत होगी। वहीं ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी को लायन की जगह टीम में जगह दी गयी है।इससे मर्फी को अपनी घरेलू धरती पर खेलने का अवसर मिलेगा। मर्फी ने इस साल श्रीलंका में अंतिम टेस्ट खेला था और तब से ही उन्होंने घरेलू मैदान पर कोई टेस्ट नहीं खेला। अब तक के सात टेस्ट में उनके नाम 22 विकेट हैं.

वहीं वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन को भी टीम में जगह मिली है। रिचर्डसन ने कंधे की सर्जरी के बाद खेल में वापसी करते हुए घरेलू सत्र में पिछले कुछ दिनों में अच्छी गेंदबाजी की है। तीन टेस्ट में मिली जीत से मेजबान टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और उसका लक्ष्य इस मैच में भी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम-

स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, टॉड मर्फी, माइकल नेसर, झाय रिचर्डसन, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, बो वेबस्टर।

नये साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड से एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम अब नये साल में ही मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम को नये साल की शुरुआत में अपनी ही धरती पर न्यूजीलैंड से तीन एकदिवसीय और 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज की शुरुआत 11 जनवरी से होगी। इस दौरान भारतीय टीम को आठ अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। टीम का पहला एकदिवसीय मैच 11 जनवरी को वडोदरा में जबकि दूसरा 14 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा वहीं तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच 18 दिसंबर को इंदौर में खेला जाएंगा। ये मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 1:30 बजे से खेले जाएंगे।

एकदिवसीय सीरीज के बाद टी20 मैचों की सीरीज होगी। इससे भारतीय टीम को फरवरी में अपनी ही धरती पर खेले जाने वाले टी20 विश्वकप के लिए अभ्यास का अवसर मिलेगा। विश्वकप से पहले इस सीरीज से भारतीय टीम को अभ्यास का अंतिम अवसर मिलेगा। सीरीज का पहला टी20 मैच 21

जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 23 जनवरी को रायपुर में होगा! तीसरा टी20 भारत 25 जनवरी को गुवाहाटी में खेलेगा वहीं चौथा मैच 28 को विशाखापत्तनम में जबकि सीरीज का पांचवां और आखिरी टी20 मैच 31 जनवरी 2026 को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। ये सभी मैच शाम 7:00 बजे से खेले जाएंगे। इसके बाद भारतीय टीम विश्व कप में खिताब बरकरार रखने उतरेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और न्यूजीलैंड के बीच अभी तक 120 एकदिवसीय मैच खेले गए हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 62 जबकि न्यूजीलैंड ने 50 मैच जीते हैं। वहीं सात मैचों का परिणाम नहीं निकला है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 25 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले गये हैं। इसमें 14 में भारतीय टीम। वहीं 10 में न्यूजीलैंड जीती है जबकि एक मैच टाई रहा है।टी20 विश्वकप ओर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम उतरेगी।

भारतीय टीम की आईसीसी से शिकायत करेंगे पीसीबी प्रमुख नकवी

लाहौर। पाकिस्तान अंडर19 क्रिकेट टीम के मेंटर सरफराज अहमद ने भारतीय टीम पर अंडर-19 एशिया कप फाइनल में दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा कि वह इस मामले की शिकायत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से करेंगे। नकवी ने भारतीय टीम के खिलाड़ियों के व्यवहार की आलोचना भी की है।

दुबई में रविवार को हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। पाकिस्तान ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 347 रन पर आठ विकेट बनाने के बाद भारतीय टीम को 26.2 ओवरों में ही 156 रन पर समेटने के बाद 191 रनों की बड़ी जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही पाक टीम ने 13 साल बाद पहली बार अंडर-19 एशिया कप का खिताब अपने नाम किया।

नकवी ने पाक में एक सम्मान समारोह में भारतीय खिलाड़ियों के व्यवहार की आलोचना करते हुए कहा है कि खेल और राजनीति को अलग रखा जाना चाहिये। नकवी ने कहा, फाइनल के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को लगातार उकसाया। इसलिए हम इस घटना की जानकारी औपचारिक रूप से आईसीसी को देंगे।

वहीं मेंटर सरफराज ने भी फाइनल में भारतीय टीम के व्यवहार की आलोचना की कहा कि भाररतीय टीम का व्यवहार ठीक नहीं था पर हमने जीत के बाद भी खेल भावना का पालन किया।

फीफा रैंकिंग में स्पेन , अर्जेंटीना और फ्रांस शीर्ष तीन स्थानों पर बरकरार

ज्यूरिख । विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) रैंकिंग में स्पेन की टीम अभी भी नंबर एक पर बनी हुई है। वहीं विश्व चैंपियन अर्जेंटीना दूसरे जबकि फ्रांस तीसरे नंबर पर है। वहीं भारतीय टीम विश्व रैंकिंग में अपने 142वें स्थान पर बनी हुई है। ये रैंकिंग हाल ही में हुए 42 अंतरराष्ट्रीय मैचों के आधार पर बनी है। इसमें दोहा, कतर में क्षेत्रीय खिताब जीतने के बाद, मोरक्को 11 वें स्थान पर बना हुआ है। वहीं क्रोएशिया 10 वें स्थान पर है। वहीं क्रोएशिया के साथ ही शीर्ष्ज 10 में शामिल अन्य देश हैं इंग्लैंड चौथे, ब्राजील पांचवें, पुर्तगाल छठे , नीदरलैंड सावतें व बेल्जियम आठवें और जर्मनी नौवे स्थान पर हैं। सबसे बड़ी छलांग तीन टीमों जॉर्डन , सिंगापुर और वियतनाम ने लगायी है। जॉर्डन 2 स्थान ऊपर आकर 64 वें स्थान पर हैं। जॉर्डन फीफा अरब कप 2025 में उपविजेता रहा था। वहीं वियतनाम 3 स्थान ऊपर आकर 107 वें स्थान जबकि सिंगापुर 3 स्थान ऊपर आकर 148 वें स्थान पर हैं। कोसोवो 80 वें स्थान पर है। उसे साल 2025 में 10 मैचों में सात जीत मिली जबकि उसके दो मैच ड्रॉ रहे।

विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय मैच के आयोजन की अनुमति नहीं मिली

बेंगलुरु। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 24 दिसंबर को दिल्ली और आंध्र प्रदेश के बीच विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय मैच के आयोजन की अनुमति नहीं मिली है। पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार सिंह ने कह है कि आयोजकों ने मैच आयोजित करने की अनुमति मांगी थी पर उसे स्वीकार नहीं किया गया है। वहीं इससे पहले राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने स्टेडियम में क्रिकेट मैचों के आयोजन की अनुमति देने पर विचार करने के लिए एक समिति का गठन किया था।

खंड –I

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

मध्य प्रदेश शासन

कार्यालय वनमण्डल अधिकारी, उत्तर (सा.) वनमण्डल बालाघाट, मध्य प्रदेश

ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या/ 13 /ई–टेंडरिंग/2025–26 बालाघाट, दिनांक 17–12–2025

1. वनमण्डल अधिकारी उत्तर सा. वनमण्डल बालाघाट द्वारा म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित – 2022) के अंतर्गत निम्न लिखित निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	IS Specification	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	सीमेंट (PPC Cement, 50kg per Bag.)	IS 1489	48,000/-	1,000/- Tax extra

- निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल एवं विभागीय बेवसाई **www.mpforest.gov.in** पर निशुल्क देखे और डाउनलोड किये जा सकते है।
- इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज के ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 17-12-2025, बजे 06:00 PM से दिनांक 30-12-2025, बजे 06:00 PM तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
- ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्तवपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी।
- निविदा पूर्व बैठक दिनांक 26-12-2025 समय 02:00 PM को उप वनमण्डल कार्यालय उकवा (सा.) उप वनमण्डल बालाघाट में आयोजित की जायेगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वयं या विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग ले सकते है। निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होगें जिन्होने ई–टेंडर फॉर्म खरीदे है।
- ई–निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जायेगा, समाचार पत्रों में नहीं।
- ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल :–**https://mptenders.gov.in**

जी–23244/25 'स्वच्छता ही सेवा'

वनमण्डलाधिकारी
उत्तर सा. वनमण्डल बालाघाट

एकलव्य आवासीय विद्यालय बैहर में 500 विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल का अभाव

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या : 98 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 23 दिसम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 98 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में ग्राम पंचायत समनापुर के निवासी सोमलाल धुर्वे पीएम आवास योजना के तहत किए गए निर्माण कार्य की आपात मजदूरी का भुगतान नहीं होने की शिकायत लेकर आये थे। सोमलाल का कहना था कि उसने व उनकी पत्नी ने पीएम आवास के तहत समनापुर में मकान निर्माण में लगभग 100 दिन मजदूरी कार्य किया, लेकिन अब तक उन्हें मात्र 7000 रुपये का ही भुगतान किया गया है। कार्य पूर्ण हुए तीन माह बीत जाने के बावजूद शेष मजदूरी राशि का भुगतान नहीं किया गया। सोमलाल ने बताया कि ग्राम पंचायत के सरपंच व सचिव द्वारा बार-बार मांग करने पर भी भुगतान में टालमटोल की जा रही है। इस प्रकरण में सीईओ जनपद पंचायत को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

खैरलांजी तहसील के ग्राम चिखलाबान्ध की दिव्या बिठले प्रसूति सहायता राशि न मिलने की शिकायत लेकर आये थे। दिव्या ने बताया कि उसका दूसरा बच्चा हुए देढ़ वर्ष से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन उसे अब तक संबल कॉर्ड के अंतर्गत प्रस्तुति सहायता राशि प्रदाय नही की गई है। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में बालाघाट जिले की ग्राम खैरी निवासी चंद्रकला भोयर पति भीकलाल भोयर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान किए जाने की मांग लेकर आयी थी। चंद्रकला ने बताया कि वह गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही हैं और मजदूरी कर अपना गुजारा करती हैं। उनके पति द्वारा उन्हें छोड़ दिए जाने के कारण उनके भरण-पोषण का कोई स्थायी सहारा नहीं है। चंद्रकला ने बताया कि उसका कच्चा मकान वर्तमान में क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिससे रहने की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह स्वयं मकान निर्माण कराने में असमर्थ हैं। इस प्रकरण में संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

वार्ड क्रमांक 05 बैहर चौकी के वार्डवासी रिहायशी क्षेत्र की राजस्व भूमि पर मछली बाजार/फिश पार्लर संचालन पर रोक लगाने की मांग लेकर आये थे। वार्डवासियों का कहना था कि रिहायसी क्षेत्र में फिश पार्लर संचालित होने से आसपास के वातावरण में गंभीर प्रदूषण, दुर्गंध एवं लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचने की संभावना है। वार्डवासियों का कहना था कि इस भूमि पर बाल उद्यान अथवा आंगनवाड़ी केंद्र स्थापित किया जाना क्षेत्रवासियों व बच्चों के हित में अधिक उपयुक्त होगा, क्योंकि पिछले कई वर्षों से इस क्षेत्र में आंगनवाड़ी का संचालन नहीं हो रहा है। इस प्रकरण में मुख्य नगर पालिका अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बैहर में अध्ययनरत बच्चों के पालकगण विद्यालय में पेयजल संकट की शिकायत लेकर आये थे। उनका कहना था कि विद्यालय में अध्ययनरत लगभग 500 विद्यार्थियों को पर्याप्त स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्थिति यह है कि विद्यार्थियों को दिन में केवल दो से तीन बार ही पानी मिल पा रहा है। पेयजल की कमी के कारण विद्यार्थियों को नहाने व दैनिक आवश्यकताओं में परेशानी हो रही है। वहीं दूषित एवं अपर्याप्त पानी के चलते बच्चों में उल्टी-दस्त जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। इस प्रकरण में जनजातीय कार्य विभाग एवं पीएचई को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया है।

खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम पिपरिया, कोथूरना रामपायली के सेंगलाल माहुले सुरक्षा बीमा क्लेम की राशि न मिलने की शिकायत लेकर आये थे। सेंगलाल का कहना था कि उसके पुत्र योगेश माहुले का एक्सीडेंट में निधन हो गया है। योगेश माहुले का स्टेट बैंक वारासिवनी शाखा में सुरक्षा जीवन बीमा कराया गया था। सेंगलाल ने बताया कि बीमा क्लेम से संबंधित समस्त आवश्यक दस्तावेज नेशनल इंश्योरेंस कंपनी को प्रेषित कर दिए गए हैं, बावजूद इसके अब तक सुरक्षा जीवन बीमा की क्लेम राशि का भुगतान नहीं किया गया है। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में लांजी तहसील के ग्राम कुल्पा अंतर्गत ग्राम बाग?टोला के नारायण बागड़े शिकायत लेकर आये थे कि ग्राम पंचायत सचिव कुल्पा द्वारा नारायण के जीवित होते हुए भी समग्र आईडी में उसे मृत कर दिया गया है। नारायण ने बताया कि उसे शासन की वृद्धा पेंशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा था, किंतु अब उसे शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त नही हो पा रहा है। अतः नारायण के मृत समग्र आईडी में सुधार किया जाए। इस प्रकरण में डीईजीएम को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में ग्राम नक्शी निवासी सविता अपने पूर्व पति पर पुत्री के महत्वपूर्ण दस्तावेज रोकने की शिकायत लेकर आयी थी। सविता का कहना था कि न्यायालय से तलाक के बाद वह अपनी पुत्री वेदिका के साथ अलग निवास कर रही है, लेकिन बेटी से जुड़े आधार कार्ड, स्कूल प्रमाण पत्र, टीसी, मूल निवासी प्रमाण पत्र सहित अन्य जरूरी दस्तावेज पूर्व पति के पास हैं। कई बार मांग के बावजूद दस्तावेज नहीं दिए जा रहे हैं और टाल-मटोल के साथ धमकी भी दी जा रही है। दस्तावेजों के अभाव में बच्ची की पढ़ाई व भविष्य प्रभावित हो रहा है। महिला ने ग्राम पंचायत के सरपंच को भी शिकायत की, परंतु कोई समाधान नहीं निकल सका। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीओ डब्ल्यूसीडी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

अवैध व अस्वच्छ खाद्य प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, दो होटल सील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार जिले में खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा निरंतर स्वच्छता एवं नियम विरुद्ध संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा शहर के प्रमुख खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान रेलवे स्टेशन बालाघाट के पास संचालित होटल शिवशाही पर कार्यवाही की गई। जांच में होटल बिना वैध खाद्य लाइसेंस के संचालित पाया गया तथा वहां अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य सामग्री का निर्माण एवं विक्रय किया जा रहा था। उक्त गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए होटल को सील कर दिया गया एवं खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इसी तरह होटल लाला रेस्टोरेंट एवं भोजनालय के निरीक्षण के दौरान भी बिना खाद्य पंजीयन के संचालन एवं अधिनियम के अंतर्गत कई त्रुटियां पाई गईं। इसके चलते होटल को भी सील करते हुए उसके विरुद्ध न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया गया।

इस कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे एवं श्रीमती गीता तान्डेकर उपस्थित रहे। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि आगे भी जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

तालाब का दूषित पानी पीकर बच्चे हो रहे बीमार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बैहर में पेयजल की व्यवस्था बनाए जाने की मांग को लेकर विद्यालय में पढ़ाई करने वाले बच्चों के अभिभावकों ने कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।जिसमें उन्होंने विद्यालय के निर्माण होने से लेकर आज तक वहां पेयजल के इंतजाम नहीं किए जाने और तालाब का पानी लाकर बच्चों को पिलाने पर ऐतराज जताते हुए जल्द से जल्द पेयजल की व्यवस्था बनाए जाने की मांग की है।परिजनों का आरोप है कि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में तालाब से पानी लाकर फिल्टर कर बच्चों को पिलाया जा रहा है।वह पानी दूषित है और उस दूषित पानी को पीकर बच्चे बीमार हो रहे हैं जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए पालकों ने यथाशीघ्र विद्यालय परिसर में पेयजल के इंतजाम किए जाने की मांग की हैं।

पानी पीकर बच्चे हो रहे बीमार

अभिभावक रामप्रसाद धुर्वे सहित अन्य ने बताया कि एकलव्य आदर्श आवासीय विघालय में लगभग 500 बच्चे वर्तमान सत्र 2025-26 में अध्यनरत है। उक्त विद्यालय में दो तीन बार बोर हो चुका है और जल स्तर न मिलने के कारण बोरवेल / नलजल सप्लाई ढप पड़ चुकी है, जिससे हमारे बच्चों को पानी पीने, नहाने, शौचलय,आदि की समस्या पहले ही दिन से आ रही है।वही यह व्यवस्था प्रतिदिन बद से ज्यादा बत्तर होते जा रहीं है हमारे बच्चें वहां रहतें हैं।तालाब का पानी इस्तेमाल करने से वे आए दिन बीमार हो जाते है। बिमारियों के कारण समय बेसमय अवकाश पर 7 से 15 दिनो के लिए घर भेज दिया जाता है।बच्चे खाज-खुजली चर्मरोग जैसें गंभीर बिमारियों से जल संकट के कारण आयें दिन ग्रस्ति हो रहे है। उनके शैक्षणिक कार्य बाधित होते जा रहा है।जबकि पेयजल की व्यवस्था बनाना शासन / प्रशासन कि जिम्मेंदार है।हमारी मांग है कि यहां यथाशीघ्र पेयजल की व्यवस्था बनाई जाए।

जल्द ही समस्या का हो जाएगा समाधान-जगदीश कुमार

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान छात्रावास अधीक्षक जगदीश कुमार ने बताया कि फिलहाल तालाब के पानी को फिल्टर कर विद्यार्थियों को दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस समस्या और इससे होने वाली परेशानियों से जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।, सभी अधिकारी इस स्थिति से भली-भांति परिचित हैं और सहायक आयुक्त द्वारा पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए कुआं खोदने का सुझाव दिया गया है।हमे उम्मीद है कि जल्द ही समस्या का समाधान हो जाएगा।

पेंशन की गारंटी दे सरकार,बंद किया जाए निजीकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर संघ द्वारा मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौपा गया है।जहां प्रमुख 2 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपे गए इस ज्ञापन के दौरान संघ पदाधिकारी ने पेंशन की गारंटी और महंगाई राहत राशि की मांग की, तो वहीं उन्होंने निजीकरण को बंद किए जाने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी कर अपना आक्रोश जताया।ज्ञापन के पूर्व मध्यप्रदेश विद्युत मंडल अधिकारी/कर्मचारी पेंशनर्स संगठन द्वारा एमपीईबी कार्यालय के सामने से रैली निकालकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर नारेबाजी की।वही अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें उन्होंने उक्त मांगों को पूरी करने के लिए सरकार को 15 जनवरी तक का अल्टीमेटम दिया है।जिन्होंने समय सीमा के भीतर मांग पूरी न होने पर उग्र आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है। इस दौरान विद्युत मंडल के पेंशनर अधिकारी/कर्मचारी शामिल रहे।

आवेदन निवेदन पर नहीं हो रही सुनवाई

इस दौरान संगठन पदाधिकारी ने बताया कि विद्युत मंडल को निजीकरण करने की प्रक्रिया की जा रही है।जिससे हमारी पेंशन की गारंटी दिया जाना चाहिए। पेंशन के विद्युत मंडल के अधिकारी कर्मचारी की गारंटी नहीं है। कभी रूक जाती है तो कहीं महंगाई राहत केन्द्र सरकार द्वारा घोषित होती है तो हमें मिलता नहीं।10-10 माह का एरियर्स गायब हो जाता है और मिलता भी है तो तीन-चार माह विलंब से मिलता है।इसके अलावा 3 प्रतिशत महंगाई राहत की राशि प्रदान किया जाए। उन्होंने बताया कि अपनी इस प्रमुख मांग को लेकर कई बार आवेदन निवेदन किया जा चुका है लेकिन शासन द्वारा हमारे आवेदन निवेदन पर भी सुनवाई नहीं की जा रही है,जिससे समस्त पेंशनर्स सरकार से नाराज है।

तो उग्र आंदोलन किया जाएगा-पटले

मध्यप्रदेश विद्युत मंडल अधिकारी/कर्मचारी पेंशनर्स संगठन प्रांतीय महासचिव आई.डी पटले ने बताया कि नियमित अधिकारी कर्मचारी की मांग है कि विद्युत मंडल का निजीकरण बंद किया जाए। सरकार शासकीय उपक्रमों को निजी कंपनियों के हाथों में दे रही है ऐसे में हमारी पेंशन की गारंटी कौन लेगा। पूरे मध्यप्रदेश के हर जिले में आज विद्युत मंडल के अधिकारी कर्मचारियों के एसोसिएशन द्वारा ज्ञापन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व भी शासन-प्रशासन को इन मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया है, लेकिन अब तक मांगो पर अमल नहीं किया गया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए आगे कहा कि हमने इन 2 सूत्रीय मांगों को पूरा करने के लिए सरकार को 15 जनवरी तक का समय दिया है।यदि समयसीमा के भीतर हमारी मांगों को लेकर सरकार द्वारा चर्चा नहीं की जाती है या संगठन के पदाधिकारियों को बातचीत के लिए नहीं बुलाया जाता तो हमारा आंदोलन उग्र हो जाएगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी सरकार की होगी।

श्रीनिवास रामानुजन की जयंती को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाई गई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत दिसंबर माह की गतिविधि में महान् गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती का आयोजन राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया। दीप प्रज्जवलन की बेला पर महाविद्यालय के प्राचार्य एस एस गेडाम, सरिता कोल्हेकर ,पूर्णिमा कुमरे , सरिता नागवंशी, आकांक्षा डोंगरे उपस्थित रहे। इस अवसर पर छात्राओं के द्वारा पोस्टर, रंगोली, निबंध आदि विधाओं में भाग लिया गया। इस अवसर पर सरिता कोल्हेकर के द्वारा दैनिक जीवन में गणित की उपयोगिता विषय पर चर्चा की गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक के रूप में श्रीमती मोनिका सोनी, सुश्री शिखा देवगीरकर, श्रीमती विनिता देशमुख, श्रीमती शिल्पा वासनिक, श्रीमती मनीषा सहारे, पराग पालेवार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रवीण पन्द्रे, अनिरूद्ध सिंह काकोड़िया, वी के सिंह, हिमांषु गुरदे, टीना बिसेन ,कृष्णा पराते मौजूद रहे।

कागजो में सिमटकर रह गया बैगा गांवो का विकास!!

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासन प्रशासन द्वारा बैगा बाहुल्य क्षेत्रो के विकाश के लिए कई वर्षों से ,अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है जिसके माध्यम से शासन प्रशासन के जिम्मेदार लोग बैगाओ के उत्थान करने और उनके जनजीवन को ऊपर उठाने का जहां-तहां ढिंढोरा पीटते नजर आते हैं लेकिन शासन प्रशासन द्वारा बैगों के उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जमीनी हकीकत कुछ और ही है ।आज भी ऐसे कई बैगा बाहुल्य क्षेत्र है जहां की विशेष जनजाती के लोगों को मूलभूत सुविधाएं तक नही मिल रही है।वे आज सड़क, पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से मेंहरूम हैं।ताजा मामला बैहर क्षेत्र के ग्राम पंचायत धीरी के अंतर्गत आने वाले मुख्य मार्ग कोयलीखापा नयाटोला से घुरसीबेहरा ,वहां से सेमरखेरो और वहां से मुरेण्डा सडक मार्ग का है।जो पूरी तरह जर्जर हो गई है।इससे ग्रामीणों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।तो वही स्थानीय बैगा बाहुल्य गावो में अबतक नलजल की सौगात भी नही मिल पायी है।इस समस्या को लेकर मंगलवार को ग्राम पंचायत धीरी सहित अन्य आसपास के ग्रामीण मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुचे जहा के ग्रामीणों ने गाँव मे पेयजल की व्यवस्था बनाने और प्रधानमंत्री जन मन योजना के तहत पक्की सडक स्वीकृत कराने की मांग की। जिन्होंने जनसुनवाई में तीन बार आवेदन देने पर भी समस्या का निराकरण न होने और स्थानीय स्तर पर भी उनकी सुनवाई न किए जाने का आरोप भी लगाया है।

सड़क का सर्वे कर बनाना भूल गए जिम्मेदार

ग्रामीणों ने बताया कि सडक पूरी तरह जर्जर होने से स्कूली बच्चों को आवागमन में व गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिये अस्पताल ले जाने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि उक्त गांवों में बैगा जनजाति के लोग निवास करते है। सरकार बैगा जनजाति को समुचित सुविधाएं देने की बात करती है वहीं हम सडक व स्कूल भवन, आंगनबाड़ी भवन सहित अन्य समस्याओं से जूझ रहे है। करीब 1 वर्ष पूर्व पक्की सड़क के लिए प्रशासन द्वारा सर्वे का कार्य पूरा कर दिया गया है लेकिन एक वर्ष जीतने के बाद भी आज तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। जो क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या है। उन्होंने जल्द से जल्द उक्त सड़क का निर्माण कार्य कराया जाने, के साथ साथ गावो में नलजल आंगनबाड़ी स्कूल भवन सहित अन्य व्यवस्थाए बनाए जाने की मांग की है।

अनेक समस्याओं से झुझ रहे बैगा जनजाति के लोग- ग्रामीण

ग्रामीण काशीराम धुर्वे, अमरलाल धुर्वे सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि आमाटोला मुख्य मार्ग से नयाटोला होते हुये घुरसीबेहरा मुरेण्डा तक पक्की सडक नहीं है। इन गांवों में पूरी तरह बैगा जनजाति के लोग रहते है। शासन-प्रशासन द्वारा कहा जाता है बैगा समाज के लोग जहां निवासरत है उन्हें बिजली पानी व सडक की सुविधा से वंचित न रखा जाए। लेकिन इन समस्याओं से आज भी बैगा जनजाति के लोग जूझ रहे है। पक्की सडक नहीं होने से बारिश के दिनों में चौपहिया वाहन व एम्बुलेंस नहीं आ पाती है। जिससे गर्भवती महिलाओं को प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल ले जाने में काफी दिक्कत होती है। सेमरखेरो में करीब 60-65 परिवार निवास करते है। यहां वर्ष 2001-02 से माध्यमिक स्कूल खोला गया है लेकिन अब तक माध्यमिक शाला के नाम से एक टुकड़ा ईंट भी नहीं लगा है। गांव में आंगनबाड़ी केन्द्र की सुविधा नहीं है। उन्होंने बताया कि इसके पूर्व भी 3 बार जनसुनवाई में आवेदन कर चुके हैं बावजूद जिसके भी जनसुनवाई में उनकी सुनवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कलेक्टर से यथाशीघ्र उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाने की गुहार लगाई है।

उत्तर लामता वन परिक्षेत्र में गश्त के दौरान मृत तेंदुआ मिला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कार्यालय वनमण्डलाधिकारी उत्तर (सा.) वनमण्डल बालाघाट द्वारा प्रेष विज्ञप्ति जारी कर बताया गया है कि 22 दिसंबर 2025 को वन परिक्षेत्र उत्तर लामता (सा.) अंतर्गत लामता भाग-1 वृत्त के बीट जनमखार स्थित वनकक्ष क्रमांक 1284 में एक मृत तेंदुआ पाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 22 दिसंबर 2025 को दोपहर 03ः10 बजे कूप प्रभारी श्री राजकुमार तेकाम, वनरक्षक (उत्तर उत्पादन परिक्षेत्र लामता) द्वारा वन क्षेत्र में गश्त के दौरान एक मृत वन्यप्राणी तेंदुआ देखा गया। इसकी सूचना तत्काल वन परिक्षेत्र अधिकारी उत्तर लामता (सा.) को दी गई। सूचना मिलते ही परिक्षेत्र सहायक लामता भागङ्क1, वन परिक्षेत्र अधिकारी उत्तर लामता (सा.) सहित वन विभाग का स्टाफ मौके पर पहुंचा। एनटीसीए (ह्लझ्ष्ट) के एसओपी दिशा-निर्देशों के अनुसार घटना स्थल की घेराबंदी कर क्षेत्र को सुरक्षित किया गया। इसके पश्चात डॉग स्क्राड द्वारा मौके पर पहुंचकर घटना स्थल की बारीकी से छानबीन की गई। छानबीन पूर्ण होने के बाद पशु चिकित्सकों द्वारा मृत तेंदुए का शव परीक्षण किया गया। वनमण्डलाधिकारी उत्तर (सा.) वनमण्डल बालाघाट रेशम सिंह धुर्वे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में शव परीक्षण की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। नियमानुसार शव परीक्षण उपरांत तेंदुए के शव को अग्नि में जलाकर पूर्णतः नष्ट किया गया। वन विभाग द्वारा मामले की जांच नियमानुसार की जा रही है।

ग्रामीण पटेल कल्याण संघ की सभा आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण पटेल कल्याण संघ प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत, व जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार लिल्हारे, ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पटेल संघ की वर्षो से लंबित विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार 24 दिसंबर को बैहर तहसील के कचेरी गेट के समक्ष पटेल कल्याण संघ की सभा बैठक का आयोजन किया गया है।तहसील अध्यक्ष भागचंद भाऊ ठाकरे के आव्हान पर आयोजित इस सभा मे संघ के प्रदेश अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष की भी गरिमा उपस्थिति रहेगी।जहां पटेल कल्याण संघ से जुड़ी वर्षो पुरानी मांग जैसे राजस्व की वसूली करने के पटेल को अधिकार दिए जाने, किस्त बंदी के कार्य प्रतिवर्ष पटेलों को देंने, जिन ग्रामों में ग्रामीण पटेल पद रिक्त है, उनको यथाशीघ्र भरे जाने, ग्रामीण पटेल जो पूर्व में थे, उनको यथावत रखने, भू-राजस्व संहिता की धारा 222 से 229 की अधिकार की जिम्मेदारी पटेलों को दी जाने। ग्राम पंचायत के मनोनीत पंच एवं आम सभा में पटेलो को प्रतिनिधि बनाने, कोई भी जांच पटेल के समक्ष करने, ग्रामीण पटेल को प्रतिवर्ष मानदेय के रूप में उचित पारिश्रमिक देने, ग्रामीण पटेल को वर्तमान में छत्तीसगढ़ / महाराष्ट्र / हरियाणा एवं अन्य प्रांतों में जिस प्रकार से प्रतिमाह मानदेय दिया जाता, उसी प्रकार म.प्र. के समस्त ग्राम पटेलों को मानदेय देने, संगठन में महिला एवं पुरूष कार्यकारिणी में पद अधिकारी है,जिनकी मिटिंग 2-2 माह में राजधानी भोपाल में की जाती है। संगठन के पदाधिकारियों को रूकने का साधन नहीं है, इसलिए संगठन के नाम से एक आवास मकान कार्यालय हेतु स्वीकृत कराया जाने, सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा कर आगामी रणनीति बनाई जाएगी।

पद्मेश न्यूज़ शहरनामा

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

पिकअप वाहन से छात्रों को परीक्षा केंद्र ले जाने के मामले में नेवरवाही के प्रभारी प्राचार्य पर कार्रवाई

एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी गई

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। ओलम्पियाड परीक्षा के दौरान छात्रों को क्षमता से अधिक पिकअप वाहन में परिवहन कराए जाने के मामले में शासकीय हाईस्कूल नेवरवाही के प्रभारी प्राचार्य श्री डालचंद राहंगडाले पर विभागीय कार्रवाई की गई है। यह मामला 18 नवंबर 2025 को आयोजित ओलम्पियाड परीक्षा से संबंधित है, जिसे लेकर समाचार पत्रों में तथ्य प्रकाशित हुए थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 18 नवम्बर को ओलम्पियाड परीक्षा का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में किया गया था। इस परीक्षा में शासकीय हाईस्कूल नेवरवाही से कुल 42 छात्र-छात्राओं को शामिल होना था। परीक्षा केंद्र की दूरी लगभग 17 किलोमीटर थी। इनमें से 27 छात्रों के पालकों द्वारा अपने-अपने बच्चों को स्वयं परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने एवं वापस लाने की सहमति दी गई थी। शेष 15 छात्रों के लिए दो मार्शल गाड़ियां तय की गई थीं, जिनके लिए शिक्षक श्री राजीव कुमार गुरदे को वाहन प्रभारी नियुक्त किया गया था।

निर्धारित दिनांक को समय पर मार्शल गाड़ियां उपलब्ध न हो पाने पर वाहन मालिक द्वारा गाड़ी में खराबी की जानकारी दी गई। इसके बाद परीक्षा केंद्र पर समय से छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पालकों की सहमति से एक पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 50 जेड ई 8430 की व्यवस्था की गई, जिससे छात्रों को परीक्षा केंद्र तक ले जाया गया एवं सुरक्षित वापस लाया गया।

हालांकि, इस घटना को लेकर यह पाया गया कि छात्रों को पिकअप वाहन में परीक्षा केंद्र तक ले जाना उनके भविष्य के साथ लापरवाही एवं अनुशासनहीनता का परिचायक है। इस संबंध में प्रभारी प्राचार्य को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब का परीक्षण करने के बाद प्रभारी प्राचार्य को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। फलस्वरूप, डालचंद राहंगडाले, माध्यमिक शिक्षक एवं प्रभारी प्राचार्य, शासकीय हाईस्कूल नेवरवाही, संकुल शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी, विकासखण्ड लांजी की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी गई है।

यह तस्वीर लगभग चार दशक पुरानी है। इस तस्वीर में बालाघाट के तत्कालीन सांसद पं. नंदकिशोर शर्मा का रूतबा साफ तौर पर देखा जा सकता है। अपने पांडित्य ओज, चिन्तन और राष्ट्रीय राजनीति में तब प्रभावी दखल रखने वाले इस फक्कड़ स्वभाव के राजनेता के कद के आसपास अबतक बालाघाट का कोई दूसरा चेहरा पहुंच ही नहीं सका है। उनके समकालीन राणा हनुमान सिंह, तेजलाल टेंभरे, एन. के. केलकर, मोतीलाल जैन, नर्मदा प्रसाद श्रीवास्तव, कन्हैय्यालाल खरे, शिवलाल बिसेन, सुरेन्द्र नाथ खरे, झनकारसिंह नगपुरे, लोचनलाल ठाकरे, यशवंत राव खोंगल जैसे विराट और जमीनी नेतृत्व ने अतीत में बालाघाट के स्वर्णिम इतिहास की रचना की। आज उन्ही में से एक पं नंदकिशोर शर्मा का जन्मदिन भी है. वे अगर आज होते तो पूरे 101 बरस के होते।

पंडित नंदकिशोर शर्मा की हैसियत की एक बुलंद तस्वीर

राजनीतिक क्षितिज पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ पीसीसी चीफ पं.नंदकिशोर शर्मा के वैभवशाली उपस्थिति के दिन!!

हजारों साल नर्गिस अपनी बे-नूरी पे रोती है, बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदावर पैदा

एक्सप्रेस विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

अल्लामा इकबाल की ये पक्तियां पं नन्दकिशोर शर्मा पर बखूबी लागू होती हैं.बालाघाट जिले ने बीते दशकों में प्रदेश को कई नायाब उपहार दिए हैं जिनमें पं नंदकिशोर शर्मा अलहदा दौर भी था। वे प्रदेश कांग्रेस की कमान भी संभाल रहे थे! वे तब प्रदेश सरकार में गृह मंत्री जैसे महत्वपूर्ण विभाग का कमान देख रहे थे.इंदिरा गांधी के अत्यंत विश्वस्तों की सूची में उनका होना बालाघाट जिले के उन गौरवशाली दिनों की याद दिलाता है। आज बालाघाट की राजनीति के पुरोधा पुरुष पं. नन्दकिशोर शर्मा की जयंती है। 24 दिसंबर 1924 को राजस्थान के किशनगढ़ (अजमेर) में उनका जन्म हुआ था। पिता श्री जैशराज शर्मा और माता श्रीमती बसंतीबाई के घर जन्मे बालक नन्दकिशोर का राजस्थानी ब्राम्हण परिवार में पारंपरिक ढंग लालन-पालन हुआ। 5 वर्ष की उम्र में ही व्यावसायिक वजहों से पिता जेशराज शर्मा का परिवार मध्यप्रदेश के बालाघाट जिला आ गया जहां बैनगंगा पार एक लघु कस्बे लालबर्रा में बस गया।

वे बालाघाट संसदीय सीट के लम्बे समय तक सांसद रहे. यह वह दौर था जब उनकी पूरे प्रदेश में तूति बोलती थी. वे विधायक भी रहे. प्रदेश के गृह मंत्री जैसे बेहद संवेदनशील विभाग के मुखिया हुआ करते थे. उनका वाकई इकबाल था। उनका प्रभाव इतना था कि बालाघाट के अफसर भी उनसे ईमानदारी से पेश आते थे. कोई दुराव छिपाव उन्हें बर्दास्त नहीं था।

वे कांग्रेस अलाकमान के भी बेहद विश्वासपात्र थे, तभी तो तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाया था, वे तब प्रदेश में राजनीति के ट्रेनिंग के चलते फिरते स्कूल कहे जाते थे, उनकी भाषण शैली की इंदिराजी भी प्रशंसक थीं, यह बालाघाट जिले का वह स्वर्णकाल था जब चारों तरफ इस राजनेता की मौजूदगी का बोलबाला था।

बहुत कम लोग जानते हैं कि पं. नन्दकिशोर शर्मा के राजनीतिक गुरू अमई निवासी पं. शंकरलाल तिवारी रहे हैं। वे अपनी कर्मभूमि लालबर्रा से राजनीतिक दिनचर्या शुरू कर बालाघाट, मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल तथा देश की राजधानी दिल्ली तक बेहद सक्रिय रहे। तब उनके राजनीतिक प्रतिद्वंदी लालबर्रा के भोलाराम पारधी, सेठ गोविंददास अग्रवाल, कोमलचंद जैन, पीडी मोहरीकर, डॉ. रामप्रसाद केकती, गोविंद दमाहे, सरवनलाल ठाकुर रहे। ये लोग प्रथम पंक्ति के थे।

तब दूसरी पंक्ति के नेताओं में गौरीशंकर बिसेन, रामनाथ गोस्वामी, घनश्याम केकती, दिलीप जैन, बाबूलाल सराठे, अब्दुल समद खान, गिरीश पाठक, ठानूराम ठाकरे, कैलाश अग्रवाल तब उनके सशक्त विरोधी हुआ करते थे। विरोध की सक्रिय बिरादरी एक अरसा पूर्व उनके जन्मदिवस पर प्रतिमा का अनावरण कर उनके कद को स्पर्श करने का किंचित प्रयास भी कर चुके है।

यदा कदा बालाघाट जिले में उनके बराबर कद की चाह रखने वालों का सच्ची श्रद्धांजलि पं. नन्दकिशोर शर्मा के लिये तभी होगी जब लालबर्रा के अस्पताल में महिला डाक्टर और 50 बिस्तरों के अस्पताल का दर्जा मिले, एक सरकारी आईटीआई खुले, 3 वर्ष से ज्यादा समय से यहां जमें सरकारी अधिकारी-कर्मचारी यहां से हटाये जाएँ, तालाबों के लिए विख्यात लालबर्रा क्षेत्र के 22 तालाबों का जीर्णोद्धार हो, नहरों का विधिवत लाईनिंगकरण हों, अवैध शराब, रेत माफिया, बैल बाजार की अवैध वसूली बंद हो, तहसील, थाना, जनपद, पटवारी, सोसायटियों आदि में आम जनों के साथ हो रही अवैध वसूली बंद हो और किसानो को उनका वाजिब हक मिले. क्योंकि पंडित शर्मा इन सब चीजों और मुद्दों पर काफी मुखर रहे हैं और अपने जीवन काल में उनका जनता दरबार आमजनों के लिए ही समर्पित रहा है.अगर आज के नेता और जनता के नुमाइंदे ऐसा कर पाते हैं तभी सच्ची आदरांजलि होगी... वरना ऐसी सियासती चालबाजियां तो इस लोकतंत्र में निरंतर चलती हैं!!

बिहार राज्य के दो आरोपी को तीन-तीन वर्ष की सश्रम कारावास;35 हजार रुपए अर्थदंड

फर्जी अंकसूची के माध्यम से डाक सेवक की नौकरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। फर्जी अंक सूची के माध्यम से ग्रामीण डाक सेवक शाखा डाकपाल के पद पर नियुक्ति पाकर धोखाधड़ी करने के मामले में बिहार राज्य के दो आरोपी को तीन-तीन वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। दोनों आरोपी जिनमे में विकास कुमार राज पिता विनोद प्रसाद 22 वर्ष ग्राम बेलाड़ीह थाना बेलागंज प्रखंड अनुमंडल गया जिला गया बिहार और संटू कुमार पिता शिवनंदन कोरी 30 वर्ष ग्राम धनुकी थाना मखदुमपुर जिला जहानाबाद बिहार निवासी है। विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत ने अदालत इन दोनों आरोपी को तीन-तीन वर्ष की सश्रम कारावास के अलावा इन्हें 35 हजार रुपये अर्थदंड से भी दंडित किए हैं। इस मामले में शासन की ओर से लोक अभियोजक एम एम द्विवेदी द्वारा पैरवी की गई थी। अभियोजन के अनुसार दोनों आरोपी विकास कुमार राज और संटू कुमार बिहार राज्य के निवासी है।वर्ष 2022 में मध्य प्रदेश डाक परिमंडल के तहत बालाघाट डाक संभाग के लिए ग्रामीण डाक सेवकों के कुल 593 पदों पर डाक सेवक के पदों के लिए ऑनलाइन सूचना विभाग की वेबसाइट पर जारी की गई थी। इस अधिसूचना के परिप्रेक्ष्य में विकास कुमार राज एवं संटू कुमार के द्वारा भी ग्रामीण डाक सेवक शाखा डाकपाल के पद पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन किया गया था। भर्ती प्रक्रिया के निरंतरता में डाक विभाग बालाघाट के द्वारा नियुक्ति पूर्व आवश्यक औपचारिकाएं पूर्ण करते हुए आवेदक विकास कुमार राज और संटू कुमार को प्रावधिक नियोजन आदेश जारी किया गया था। जिसके परिप्रेक्ष्य मैं विकास कुमार राज के द्वारा ड्यूटी ज्वाइन कर ली गई थी। डाक अधीक्षक बालाघाट के द्वारा उक्त दोनों आरोपी विकास कुमार राज और संटू कुमार की अनुसूची को सत्यापन हेतु संबंधित बोर्ड को पत्र लिखा गया था। बोर्ड के द्वारा अंकसूची का सत्यापन कर जानकारी भेजी गई थी। रिपोर्ट मैं इस बात का उल्लेख किया गया था कि दोनों आवेदक विकास कुमार राज और संटू कुमार की कक्षा दसवीं की अनुसूची फर्जी है। बोर्ड के सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर डाकघर बालाघाट के अधीक्षक द्वारा विकास कुमार और संटू कुमार के विरुद्ध कोतवाली में रिपोर्ट की गई थी। इस मामले में दोनों के विरुद्ध धारा 420 467 468 471 120 बी भादवि के तहत अपराध दर्ज किया गया था और इस अपराध में दोनों को गिरफ्तार कर विद्वान अदालत में अभियोग पत्र पेश किया गया था। विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत में चलते इस मामले में अभियोजन पक्ष दोनों आरोपी के विरुद्ध आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहा।जिसके परिणाम स्वरुप विद्वान अदालत ने मामले की समस्त परिस्थितियों एवं अपराध की प्रकृति को देखते हुए आरोपी विकास कुमार राज को धारा 420 भादवि के तहत अपराध में 3 वर्ष का सश्रम कारावास और 15 हजार रुपए अर्थदंड, धारा 471 भादवि के तहत अपराध में 2 वर्ष का सश्रम कारावास और 5 हजार रुपये अर्थदण्ड से दंडित किये। आरोपी संटू कुमार को धारा 420 भादवि के तहत अपराध में 3 वर्ष का सश्रम कारावास और 10हजार रुपये अर्थदंड, धारा 471 भादवि के तहत अपराध में 2 वर्ष का सश्रम कारावास और 5हजार अर्थदंड से दंडित किये।

आवश्यकता है

पद	संख्या	योग्यता
अकाउंटेंट	1	M com/Tally का ज्ञान आवश्यक
मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव्ह	1	MBA मार्केटिंग
सेल्स एक्जीक्यूटिव	1	ऑनलाइन मार्केटिंग का अनुभव
वेल्डर	1	2 वर्ष का कार्य अनुभव
स्टोरकीपर	1	ग्रेजुएट तथा MS एक्सल का ज्ञान
सुपरवाइजर	3	ग्रेजुएट
सिक्युरिटी गार्ड	3	बारहवीं पास

कृपया अपने रिज्यूम व्हाट्स ऐप नंबर 7974104139 पर प्रेषित करें।
प्रबंधक
रिभा टाइल्स
मेन रोड, बालाघाट

राकेश पंडित नामक शख्स ने ऑटो रोककर की चाकूबाजी,एक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के मोती तालाब विवेकानंद आईटीआई के सामने चाकू बाजी में एक व्यक्ति घायल। लकेश मेश्राम ने राकेश पंडित नामक शख्स पर ऑटो रोककर चाकू से मार कर घायल करने का आरोप लगाया। चाकू के वार से घायल व्यक्ति लकेश पिता भैयालाल मेश्राम 43 वर्ष ग्राम बोरी थाना लालबर्रा निवासी है।जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। ग्राम बोरी लालबर्रा निवासी लकेश मेश्राम के द्वारा की गई शिकायत के अनुसार वह बिल्डिंग वर्क करता है। 22 दिसंबर को लकेश मेश्राम नागपुर से बालाघाट अपने ससुर शम्मीलाल मर्सकोले के घर अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आया था। 23 दिसंबर को अंतिम संस्कार करने जागपुर घाट लेकर गए थे। जागपुर घाट से अंतिम संस्कार करने के बाद लकेश मेश्राम अपने साले गोलू मर्सकोले के साथ आटो से घर लौट रहे थे। मोती तालाब के नीचे वाली रोड विवेकानंद आईटीआई के सामने राकेश पंडित नामक शख्स ने ऑटो को रोका और लकेश मेश्राम के साले गोलू मर्सकोले को मारने के लिए चाकू निकाला और गोलू पर चाकू से किया बाजू में लकेश मेश्राम बैठा था। राकेश पंडित ने लकेश मेश्राम पर चाकू से दो-चार वार कर दिया ।इस घटना के दौरान राकेश पंडित बहुत ज्यादा नशा किया हुआ था ।जो लकेश मेश्राम को जातिगत गालियां देते हुए, वहा से भाग गया। राकेश पंडित के चाकू से किए गए वार से लकेश मेश्राम के बाएं हाथ की कलाई और दोनों पैर के जांघ में चोटे आई। इसके बाद वह अपना इलाज करवाने के लिए जिला अस्पताल पहुंचा। जिला अस्पताल पुलिस ने लकेश मेश्राम का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

पार्ट टाइम जॉब

हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में सांय 6 से 11 बजे तक कार्य हेतु हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है।
पार्ट टाइम जॉब को प्राथमिकता देने वाले तत्काल संपर्क करें।
वेतन-योग्यतानुसार

सम्पर्क- कार्यालय दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस
काली पुतली चौक, बालाघाट (मप्र)मो.9425138710
ईमेल :-balaghatexpress@gmail.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट